नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 175 | नई दिल्ली, गुरुवार 22 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

किंग में सुहाना के साथ अपनी भूमिका पर.... पेज-12

एक नजर

मोदी पोलैण्ड-यूक्रेन की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोलैण्ड और यूक्रेन की तीन दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा पर बुधवार को रवाना हो गए। श्री मोदी के विशेष विमान ने साढ़े नौ बजे उड़ान भरी। वह स्थानीय समयानुसार दोपहर दो बजे वारसा मिलिट्री एयरपोर्ट पर उतरेंगे। प्रधानमंत्री सबसे पहले नवानगर के जाम साहेब के स्मारक तथा मोन्टे कैसिनो एवं कोल्हापुर स्मारक पर जा कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे श्री मोदी भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

राहुल गांधी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत दौरे पर आए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बुधवार को मुलाकात की। कांग्रेस ने इस मुलाकात की तस्वीरें जारी की हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। दोनों नेताओं ने मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक की थी।

राजनाथ चार दिन की यात्रा पर अमेरिका जाएंगे

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के निमंत्रण पर 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। श्री सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के सहायक जेक सुलिवन से भी मुलाकात करेंगे। उनकी यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती गति और कई स्तरों पर रक्षा संपर्कों की पृष्ठभूमि में हो रही है। इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के और घनिष्ठ तथा व्यापक बनने की उम्मीद है। श्री सिंह अमेरिकी रक्षा उद्योग के साथ मौजूदा और भविष्य के रक्षा सहयोग पर एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की भी अध्यक्षता करेंगे। यात्रा के दौरान वह भारतीय समुदाय के साथ बातचीत भी करेंगे।

उपराष्ट्रपति 23 अगस्त को गुजरात का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 23 अगस्त को गुजरात में अहमदाबाद और गांधीनगर का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को बताया कि अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा अपनी यात्रा के दौरान धनखड़ अहमदाबाद में गुजरात विश्वविद्यालय में धर्म धम्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता भी करेंगे।

भारत बंद के दौरान पटना में लाठीचार्ज

भारत बंद के दौरान कई राज्यों में प्रदर्शन, सड़कें जाम और बाजार बंद

दीपक कुमार तिवारी

नई दिल्ली/पटना। एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण में क्रीमी लेयर और उपवर्गीकरण के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ देशभर में हो रहे भारत बंद का असर बिहार से लेकर राजस्थान तक देखने को मिल रहा है। पटना के महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास भारत बंद समर्थकों ने सड़कों को जाम कर दिया और मार्च निकालकर उच्चतम न्यायालय के इस फैसले का विरोध किया। इसके बाद स्थानीय प्रशासन को चेतावनी देनी पड़ी कि बंद के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ और जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उच्चतम न्यायालय के अनुसूचित जाति (एससी) के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के निर्णय के विरोध में दलित संगठनों की ओर से आज आहूत एकदिवसीय भारत बंद के दौरान बिहार की राजधानी पटना में पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी वहीं प्रदर्शनकारियों ने आरा, दरभंगा और मधुबनी में ट्रेन को रोककर प्रदर्शन किया।

पटना में बुधवार को प्रदर्शनकारी महेंद्रू से डाकबंगला चौराहा पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया। लेकिन, प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी।

समस्तीपुर से यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, बंद समर्थकों ने समस्तीपुर रेल मंडल के दरभंगा एवं मधुबनी समेत विभिन्न स्थानों पर रेल ट्रैक को जाम कर ट्रेनों का परिचालन बाधित किया। इधर आरक्षण बचाव संयुक्त संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समस्तीपुर शहर के जिला समाहरणालय के पास मुख्य मार्ग को जाम किया, जिसके कारण समस्तीपुर-दरभंगा और समस्तीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर घंटों यातायात बाधित रहा।

शेष पेज 2 पर

बिहार : भारत बंद का दिखा व्यापक असर

सीतामढ़ी में एससी/एसटी के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की सुप्रीम कोर्ट की राय के विरोध में कई संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया था। सीतामढ़ी जिले के शहरी क्षेत्रों में सुबह में कुछ घंटों के लिए बंद का असर दिखा। करीब 12 बजे के बाद स्थिति सामान्य होती चली गई। शहर की दुकानें खुलने लगी। गाडियां सड़क पर दिखने लगी। पुलिस की मुस्तैदी के चलते बंद समर्थक हुड़दंग/उपद्रव नहीं कर सके। हालांकि कुछ छोटी-छोटी घटनाओं को छोड़ दें तो बंद शांतिपूर्ण रहा। इधर, बैरगनिया में भारत बंद के समर्थकों ने वहां के पूर्व प्रमुख के पति को लाठी से प्रहार कर जख्मी कर दिया। उनका इलाज स्थानीय सीएचसी में हुआ। फिर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बिहार के कटिहार जिले में भारत बंद का असर देखने को मिला। यहां भीम आर्मी और आरजेडी के साथ अन्य संगठनों के कार्यकताओं ने बंद बुलाया। पूरे शहर की दुकानें बंद रही। सुबह से आरक्षण बचाओ और संविधान बचाओ नारे के साथ कार्यकर्ता सड़क पर उतर गए। कटिहार के शहीद चौक पर भीम आर्मी, आरक्षण बचाओ आदिवासी विकास परिषद, बहुजन समाज पार्टी और राजद के नेता और कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बंद के दौरान प्रदर्शन कर रहे लोग बैट और बॉल लेकर आ गए और बीच सड़क पर क्रिकेट खेलने लगे। इस दौरान पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. रामप्रकाश महतो, मनिहारी के मुख्य पार्षद लाखो यादव, भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष उत्तम पासवान सहित बंद में शामिल संगठन के लोग क्रिकेट खेलते दिखे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कैमूर में भारत बंद का असर साफ दिखा। एससी-एसटी संगठन से जुड़े कार्यकताओं और नेताओं ने चक्का जाम कर दिया। भभुआ पटेल चौक से लेकर एकता चौक और जिला समाहरणालय तक भारी संख्या में भीड़ उमड़ी। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी और सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ नारेबाजी की। स्थानीय नेता लल्लू पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ इतना बड़ा जनाक्रोश है।

शेष पेज 2 पर

गौतमबुद्ध नगर में भारी संख्या में तैनात रहा पुलिस बल

ऋषि तिवारी/नोएडा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ देश भर के विभिन्न संगठनों के बुधवार को भारत बंद के ऐलान का नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कोई असर नजर नहीं आया। सुबह समय पर बाजार में आम दिनों की तरह दुकानें खुली रहीं। वाहनों की आवाजाही भी सामान्य दिखाई दी। हालांकि, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कुछ वर्गों ने इसका समर्थन भी किया। लेकिन, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहीं। व्यापारी संगठनों ने बंद को समर्थन नहीं दिया और नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रमुख बाजार खुले रहे। नोएडा के प्रमुख बाजार सेक्टर 18, सेक्टर 27, ब्रह्मपुत्र मार्केट, गंगा शॉपिंग कॉम्पलेक्स और भंगेल मार्केट समेत सभी बाजारों में दुकानें खुली रहीं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में यातायात और व्यापारिक गतिविधियां सामान्य रूप से चल रही हैं। जिससे स्पष्ट है कि भारत बंद का नोएडा और ग्रेटर नोएडा पर कोई महत्वपूर्ण असर नहीं पड़ा है। भारत बंद के दौरान पुलिस भी काफी ज्यादा मुस्तैद नजर आ रही थी। नोएडा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नोएडा जोन और अन्य क्षेत्रों में पैदल मार्च निकाला। भारत बंद के दौरान नोएडा के व्यापारिक संगठन बंद से दूर रहे। भारत बंद के चलते जॉइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा ने सेक्टर 18, सावित्री मार्केट, 18 मेट्रो स्टेशन, बोटेनिकल मेट्रो स्टेशन, अट्टा मार्केट पर थाना प्रभारियों के साथ पैदल मार्च निकाला। भारत बंद के मद्देनजर भारी पुलिस बल के साथ नोएडा और ग्रेटर नोएडा वाले भीड़भाड़ वाले बाजारों में सेंट्रल जोन व ग्रेटर नोएडा जोन के डीसीपी, एडीसीपी व एसीपी दल बल के साथ पैदल गस्त करते हुए नजर आ रहे थे। जॉइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा ने बताया कि भारत बंद के लिए जिन दलों ने आह्वान किया है, उनके पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्तर पर वार्ता की गई थी। जिसमें उन्होंने अपना कार्यक्रम कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने तक ही सीमित रखा है। इसके बाद भी पुलिस जो असामाजिक तत्व हैं उन पर नजर रख है। साथ-साथ जिन लोगों को प्रिवेंटिव एक्शन के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करनी थी, वह भी की गई है। सोशल मीडिया पर भी पुलिस ने देर भर कड़ी निगरानी रखी हुई थी।

राजनीति में आ सकती है विनेश...

चचेरी बहन से कर सकती हैं दो-दो हाथ

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में बस महिला पहलवान विनेश फोगाट की चर्चा है। पेरिस ओलंपिक में अपनी वेट कैटेगरी से मात्र 100 ग्राम अधिक वजन के कारण वे बाहर हो गईं। खबर आ रही है कि दिग्गज पहलवान के आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। विनेश के करीबी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। विनेश ने पहले कहा था कि वे सक्रिय राजनीति में नहीं आएगी। लेकिन नई रिपोर्ट के अनुसार, कुछ राजनीतिक दल उन्हें मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

पेरिस से लौटने के बाद सोनीपत स्थित उनके गांव बलाली में विनेश का जोरदार स्वागत किया गया। हालांकि, विनेश किस पार्टी में शामिल होंगी, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। फोगाट परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया, हां, क्यों नहीं? संभावना है कि हरियाणा विधानसभा में विनेश बनाम बबीता फोगाट और बजरंग पुनिया बनाम योगेश्वर दत्त मुकाबला देखने को मिले।

फोगाट परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया, जैसे ही विनेश एयरपोर्ट से बाहर निकलीं। उनके प्रशंसकों, परिवार और दोस्तों ने उनका जोरदार स्वागत किया, जो सुबह के समय के बावजूद बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे। जबरदस्त समर्थन और स्नेह ने कुश्ती आइकन को भावुक कर दिया। एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने जश्न मनाया और उनकी भावनाएं चरम पर थीं। विनेश का स्वागत करने वालों में सबसे पहले साक्षी मलिक, जिन्होंने पिछले साल कुश्ती से संन्यास ले लिया था, और बजरंग पुनिया भी शामिल थे।

शेष पेज 2 पर

प्रौद्योगिकी का गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है: मुर्मु

द न्यूज 15 ब्यूरो

फरीदाबाद/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सतत विकास और सार्वजनिक हित के लिए किया जाना चाहिए क्योंकि इसका गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को हरियाणा के फरीदाबाद में जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अभी पूरा विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में है। भारत भी इस क्रांति की चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी जैसे संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक के विकास से प्रगति के कई रास्ते खुल गये हैं। उदाहरण के लिए, दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच ने ऑनलाइन रोजगार के कई अवसर पैदा किए हैं, लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि प्रौद्योगिकी का उपयोग उचित और सतत विकास तथा सार्वजनिक हित के लिए किया जाना चाहिए। इसका गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है।

श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में कई औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते किए हैं। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए इस विश्वविद्यालय के परिसर में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन सभी प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक और आधुनिक विज्ञान के प्रणेता जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया है, जो संभवतः दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने वैज्ञानिक रूप से साबित किया कि पेड़-पौधों में भी भावनाएं होती हैं। उनकी क्रांतिकारी खोज ने वनस्पति जगत को देखने का हमारा नजरिया बदल दिया। उन्होंने छात्रों से उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने और प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आग्रह किया।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत की समृद्ध विरासत हमें सदैव गौरवान्वित करती है। युवा इस समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं और उन्हें इसका ध्वजवाहक बनना होगा। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपनी योग्यताओं और क्षमताओं पर भरोसा रखें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

ब्राजीलियाई नौसेना के कमांडर भारत यात्रा पर, तकनीकी सहयोग पर की चर्चा

साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया

- मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड जाकर स्वदेशी युद्धपोतों और पनडुब्बियों को देखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की यात्रा पर आए ब्राजील की नौसेना के कमांडर एडमिरल मार्कोस सैम्पाइओ ओलसेन ने बुधवार को नई दिल्ली में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी से मुलाकात करके परिचालन संबंधी जुड़ाव, तकनीकी सहयोग और प्रशिक्षण सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया गया।

कमांडर एडमिरल मार्कोस सैम्पाइओ ओलसेन 19 अगस्त को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए हैं और 24 अगस्त तक रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाना है।

साथ ही समुद्री सुरक्षा में साझा चुनौतियों पर सहयोग करने के लिए समान विचारधारा वाली नौसेनाओं की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। ब्राजीलियाई नौसेना के कमांडर ने आज नई दिल्ली में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी से मुलाकात की।

भारतीय नौसेना विभिन्न पहलों के माध्यम से ब्राजील की नौसेना के साथ सहयोग करती है, जिसमें परिचालन संबंधी बातचीत, प्रशिक्षण सहयोग और अन्य समुद्री रास्ते शामिल हैं। दोनों नौसेनाएं मिलन और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका समुद्री (आईबीएसएएमएआर) जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भी बातचीत करती रही हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग संयुक्त रक्षा समिति के माध्यम से संचालित किया जाता है। अपने आधिकारिक कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में ब्राजील की नौसेना के कमांडर का दिल्ली में रक्षा सचिव, राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक और उप सेना प्रमुख से मिलने का भी कार्यक्रम है।

इस यात्रा के दौरान एडमिरल मार्कोस सैम्पाइओ ओलसेन गुरुग्राम में सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) का भी दौरा करेंगे और विभिन्न रक्षा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे। ब्राजील की नौसेना के कमांडर मुंबई भी जाएंगे, जहां वे पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के साथ बातचीत करेंगे।

साथ ही स्वदेशी युद्धपोतों और पनडुब्बियों, नौसेना डॉकयार्ड और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड का दौरा करेंगे।

ब्राजील नौसेना के कमांडर ने उपसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग सहित आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक को भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद सैनिकों के वीरतापूर्ण कार्यों का सम्मान करने वाला स्मारक बताते हुए ब्राजील की नौसेना के कमांडर एडमिरल मार्कोस सैम्पियो ओलसेन ने राजनयिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की यात्रा पर आए अपने प्रतिनिधिमंडल की ओर से वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत का उदय वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए शुभ संकेत है : उपराष्ट्रपति

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को ग्लोबल साउथ की प्रगति में भारत के समावेशी, बहुपक्षीय दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का उदय वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए शुभ संकेत है।

उपराष्ट्रपति ने एक भविष्य का निर्माण विषय पर 19वें सीआईआई भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सभी की भलाई के लिए एक साझा भविष्य बनाने की दिशा में प्रयासों को समन्वित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, एक भविष्य का निर्माण मानवता की स्थिरता के लिए आवश्यक है और इस चुनौती को अब और टाला नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए उपराष्ट्रपति ने सभी देशों से सामूहिक रूप से इस चुनौती से निपटने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

शेष पेज 2 पर

'दिल्ली में सात सेक्टरों में सुधार कर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करेगी केजरीवाल सरकार'

निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रमुख शमन और अनुकूलन उपायों पर चर्चा हुई–

1- ऊर्जा और बिजली
2- शहरी योजना
3- जल क्षेत्र
4- वन और जैव विविधता
5- परिवहन
6- कृषि और बागवानी
7- स्वास्थ्य

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए दिल्ली सरकार फोकस तरीके से काम करेगी। इसके लिए सरकार ने सात महत्वपूर्ण सेक्टरों बिजली, पानी, कूड़ा, हरित, परिवहन, स्वास्थ्य व कृषि प्रबंधन को चिंहित किया है। इसमें सुधार कर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम किया जाएगा। बुधवार को दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में आयोजित राउंड टेबल कांफ्रेंस में 40 से अधिक विभागों व संस्थानों के विशेषज्ञों ने नई पॉलिसी में आए प्रस्तावों पर चर्चा की। मंत्री गोपाल राय ने कहा कि 2019 में दिल्ली सरकार ने क्लाइमेट चेंज पॉलिसी बनाई थी, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और तेजी से बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण इस बार दिल्ली के लोगों भीषण गर्मी और रिकॉर्ड बारिश का सामना करना पड़ा है। इसलिए पॉलिसी में बदलाव करना आवश्यक है। इन सात सेक्टरों में सुधार करके जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है। दिल्ली सरकार इन्हीं सेक्टरों को ध्यान में रखकर एक वृहद पॉलिसी बनाएगी और केंद्र सरकार को भेजेगी।

केंद्र से मिले सुझावों के बाद पॉलिसी को लागू किया जाएगा। मंत्री राय ने कहा कि आज दिल्ली समेत पूरे भारत में विकास की अंधी दौड़ में जिस तरह प्रकृति के साथ छेड़छाड़ हुई है, उससे पूरी दुनिया में जो जलवायु परिवर्तन हुआ है और अब लोगों के जीवन पर उसका सीधा प्रभाव पड़ने लगा है। इस साल दिल्ली के लोगों को हीट वेव का प्रकोप झेलना पड़ा। इसके अलावा मानसून की बारिश ने पिछले कई सालों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसी तरह हम वायु प्रदूषण से भी जूझ रहे हैं और उसे लगातार कम करने के लिए काम कर रहे हैं। आज पूरी दुनिया में क्लाइमेट चेंज के ऊपर पॉलिसी बनाई जा रही है। ताकि जलवायु परिवर्तन के घटकों का पता लगाकर उस पर नियंत्रण पाया जा सके। भारत सरकार ने भी इस पर चिंतन करते हुए पॉलिसी बनाने पर काम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भी 2019 में क्लाइमेट चेंज को लेकर पॉलिसी का निर्माण किया गया था। लेकिन 2019 के बाद जिस तेजी के साथ जलवायु में परिवर्तन हो रहा है, उसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने दो साल पहले क्लाइमेट चेंज की पॉलिसी को रिवाइज करने की प्रक्रिया शुरू की। इसको लेकर अलग-अलग विभागों और स्टेक होल्डर्स के बीच कोर ग्रुप बनाया गया, जिसके तहत कई बैठकें हुईं।

कोर ग्रुप के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी बनाई गई थी। उस कमेटी ने दिल्ली में जलवायु परिवर्तन के लिए एक ड्राफ्ट पॉलिसी प्रस्तावित की। आज उस ड्राफ्ट पॉलिसी पर अलग-अलग विभागों, संस्थानों और विशेषज्ञों के साथ राउंड टेबल एनवायरनमेंटल कॉन्फ्रेंस का अयोजन किया गया था, जिसमें करीब 40 अलग-अलग विभागों, संस्थाओं और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। भारत सरकार जर्मन तकनीकी सहयोग समूह (जीआईजेड) के साथ मिलकर पूरे देश में यह पॉलिसी बनाने का काम कर रही है। दिल्ली के लिए यह ड्राफ्ट तैयार करने में इस समूह ने हमें सहयोग किया। इन 40 संस्थाओं में आईआईटी दिल्ली, जीजीआईपीयू, टेक्निकल एनर्जी एंड रिसर्च टेरी के साथ साथ दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों ने हिस्सा लिया। मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अलग-अलग सेक्टर में जो जलवायु परिवर्तन हो रहा है, उनके स्रोतों को चिंहित करना और एक वृहद पॉलिसी के लिए प्रस्ताव आया है। इसको दिल्ली सरकार केंद्र सरकार को भेज रही है। केंद्र सरकार से जो भी सुझाव आएगा, उसके अनुसार पॉलिसी का डिटेल एक्शन प्लान बनाया जाएगा। ताकि पॉलिस को दिल्ली के अंदर प्रैक्टिल तौर पर लागू किया जा सके। पॉलिसी को लेकर विशेषज्ञों ने अपनी राय भी दी है। इन सुझावों को भी इसमें शामिल किया जाएगा और जल्द ही इसे केंद्र सरकार को भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार सात सेक्टर को चिंहित किया है। पहला, एनर्जी है। दिल्ली में एनर्जी की बहुत ज्यादा खपत है। एनर्जी की खपत का दिल्ली के जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए दिल्ली सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर काम कर रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग प्राकृति ऊर्जा की खपत कर सके। इससे हम दिल्ली में जलवायु परिवर्तन को कम कर सकते हैं। दूसरा कूड़ा प्रबंधन हैं। इस पॉलिसी में कूड़ा प्रबंधन पर फोकस करने की बात कही गई है, ताकि कूड़े से बनने वाली गैस से होने वाले जलवायु परिवर्तन से बचा जा सके। मसलन, कूड़े का पहाड़

कूड़े के पहाड़े से लगातार निकलने वाली गैस वातावरण को प्रभावित कर रही हैं। सरकार कूड़ा प्रबंधन पर फोकस करेगी ताकि पूरी दिल्ली में कूड़े का 100 फीसद निस्तारण हो सके। तीसरा, पानी का प्रबंधन है। पानी से जो प्रभाव पड़ रहा है, उस पर फोकस करेंगे।

उन्होंने कहा कि चौथा वन क्षेत्र है। दिल्ली में सरकार ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने पर लगातार फोकस कर रही है। साउथ ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट में जलवायु पर ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है। जिन जगहों पर ग्रीन बेल्ट कम है, वहां पर हम एक टारगेट तरीके से ग्रीन बेल्ट बढ़ाएंगे। छठां परिवहन क्षेत्र है। हमारा टारगेट है कि दिल्ली की परिवहन में 100 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों की फ्लीट शामिल करने का है। सरकार लगातार ईवी फ्लीट को बढ़ा भी रही है। अब तक करीब 2 हजार इलेक्ट्रिक फ्लीट आ चुकी हैं।

दिल्ली सरकार के संशोधित एसएपीसीसी रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 2030 तक के लिए उपयुक्त क्रियान्वयन रणनीति के साथ अनुकूलन उपाय शामिल हैं।

आतिशी ने मैदान गढ़ी, छतरपुर में सरकारी स्कूल के नए एकेडमिक ब्लॉक का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की शिक्षा मंत्री आतिशी ने मैदान गढ़ी, छतरपुर में सरकारी स्कूल के नए एकेडमिक ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस स्कूल के 4 मंजिला नये ब्लॉक में 20 कमरे, नई लैब और लाइब्रेरी समेत कई अन्य विश्वस्तरीय सुविधाएं हैं। आतिशी ने इस मौके पर कहा कि जिस मैदान गढ़ी गांव में सड़क बनाने तक की जगह नहीं है, वहां दिल्ली सरकार ने शानदार 4 मंजिला स्कूल बनाया है। कुछ साल पहले यहां टूटे हुई टिन के कमरे में स्कूल चलता था। माता-पिता अपने बच्चों को यहां दिल पर पत्थर रखकर भेजते थे। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। मैदानगढ़ी और उसके आस पास के बच्चे यहां विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त करेंगे। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा क्रांति की शुरूआत 2015 से हुई। उससे पहले दिल्ली के सरकारी स्कूल बदहाल थे। हर तरफ बदबू आती थी। शिक्षक नहीं होते थे। स्कूलों की बदहाली की वजह से बच्चे स्कूल नहीं आते थे। माता-पिता भी जर्जर भवनों में चल रहे स्कूलों में बच्चों को भेजने से बचते थे। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था खस्ताहाल थी। आतिशी के मुताबिक दिल्ली में गरीब परिवारों के बच्चे पहले अच्छी शिक्षा से वंचित रह जाते थे, लेकिन 2015 में चमत्कार हुआ और दिल्ली के हाथ की लकीर बदलने वाले अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने राज्य के बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा के लिए दिया। बजट का इतना बड़ा हिस्सा शिक्षा पर देश के किसी और राज्य में नहीं लगाया जाता है। दिल्ली सरकार ने स्कूलों की हालत सुधारने के साथ-साथ अध्यापकों को विदेशों में ट्रेनिंग के लिए भेजा। दिल्ली के सरकारी स्कूल के शिक्षकों को कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और सिंगापुर में ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। इसके अलावा आईआईएम अहमदाबाद में प्रिंसिपल्स को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। शिक्षकों की ट्रेनिंग का बजट 10 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपए कर दिया गया।

आतिशी ने कहा कि केजरीवाल सरकार की शिक्षा क्रांति का असर दिल्ली में दिख रहा है। अब सरकारी स्कूलों में एडमिशन के लिए सिफारिश आती है। सरकारी स्कूलों के नतीजे प्राइवेट स्कूलों से बेहतर आ रहे हैं। पिछले 3 साल में 4 लाख से ज्यादा बच्चों ने प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर सरकारी स्कूलों में एडमिशन लिया है।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब जेईई नीट का एग्जाम क्लियर कर रहे हैं। आतिशी के मुताबिक, केजरीवाल ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को सुधार के बच्चों की अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया।

जलभराव और नालों की सफाई पर मिगम की बैठक

बैठक में उबाल, भाजपा के 3 पार्षद सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के सदन की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने राष्ट्रीय राजधानी में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या और नालों की सफाई, मेयर चुनाव कराने जैसे मुद्दों पर जमकर विरोध किया। इस बीच सदन में भाजपा और आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने एक दूसरे पर कई मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। मेयर शैली ओबरॉय ने विपक्ष के विरोध को देखते हुए दो बार सदन की कार्यवाही को स्थगित किया। साथ ही भाजपा के 3 पार्षदों को सनद की तीन बैठकों के लिए निलंबित कर दिया।

दोपहर 1.45 बजे से 2.20 बजे तक भाजपा ने सदन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली नगर निगम के सदन की बैठक शुरू होने से पहले सदन के बाहर भाजपा पार्षदों ने दिल्ली में जलभराव की समस्या को लेकर, राज्य सरकार पर निगम के बकाया फंड के संबंध में, नए मेयर के चुनाव होने के संबंध में, नालों की सफाई के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह और अन्य भाजपा के पार्षदों ने हिस्सा लिया। दोपहर 2.50 बजे के बाद मेयर के पहुंचने पर भाजपा ने सदन में नारेबाजी की। सदन में मेयर शैली ओबरॉय पर लेट आने का आरोप लगाते हुए नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह और भाजपा पार्षदों ने विरोध शुरू किया। भाजपा के पार्षदों ने मेयर पर कई आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। साथ ही पोस्टर और बैनर भी लहराए। भाजपा के पार्षदों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेयर और आम आदमी पार्टी दलित विरोधी है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में एससी समुदाय से मेयर का चयन किया जाना है। नियम अनुसार, सदन कार्यवाही के दौरान मेयर चुनाव के तहत एससी समुदाय से मेयर का चुनाव होना है। सुप्रीम कोर्ट के एल्डरमैन यानी मनोनीत पार्षदों पर दिए गए फैसले के बाद मेयर चुनाव के साथ स्थाई समिति के चुनाव भी सत्ता पक्ष को सुनिश्चित करने चाहिए लेकिन सत्ता पक्ष आम आदमी पार्टी ऐसा नहीं कर रही है। आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधा। सदन की कार्यवाही को बाधित करने का भाजपा पार्षदों पर आरोप लगाया। मेयर ने भाजपा के विरोध के बाद सदन में हो रहे हंगामे के कारण अब तक दो बार सदन की कार्यवाही को स्थगित किया। सबसे पहले लगभग दोपहर 3 बजकर 5 मिनट पर मेयर ने 15 मिनट के लिए कार्यवाही को स्थगित किया। इसके बाद दोपहर 3.26 बजे पर सदन की कार्यवाही को दोबारा शुरू किया। इसके बाद एक शोक प्रस्ताव पढ़ा गया। नेता सदन मुकेश गोयल ने शोक प्रस्ताव पढ़ा और इस दौरान दो मिनट का मौन रखा गया। नेता सदन ने भाजपा के पार्षदों पर आरोप लगाया कि भाजपा ने शोक प्रस्ताव के दौरान भी हंगामा जारी रखा। यह बेहद निंदनीय है।

पेज एक का शेष

भारत बंद के दौरान पटना में लाठीचार्ज

समस्तीपुर जिला परिषद् के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ दलित नेता संजय राम के नेतृत्व में जिले के पटोरी के चंदन चौक पर भी मुख्य मार्ग को जाम कर प्रदर्शन किया गया। श्री राम ने कहा कि देश में दलितों को आपस में लड़ाकर आरक्षण छीनने की साज़िश चल रही है, जिसे कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा।

आरा में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस को रोक दिया। प्रदर्शनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, औरंगाबाद में बाजार बंद कराने के लिए प्रदर्शनकारियों ने दुकानदारों के साथ मार पीट की।

गया से यहां प्राप्त सूचना के मुताबिक गया शहर में भी बंद समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया। हालांकि विधि व्यवस्था कायम रखने के लिए शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। प्रदर्शन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक सतीश कुमार दास ने कहा कि न्यायालय के द्वारा आरक्षण का वर्गीकरण किया जा रहा है। यह कहीं से सही नहीं है। हरियाणा सरकार ने इसे लागू भी कर दिया है, इसका हमलोग जोरदार विरोध करते हैं। हमारी मांग जायज है और अगर सरकार को यह लगता है कि हमारी मांग जायज है तो वह अध्यादेश लाकर आरक्षण को संविधान की 9वीं सूची में शामिल करे ताकि कोई भी सरकार इससे छेड़छाड़ करने की हिम्मत ना कर सके।

श्री दास ने कहा कि न्यायालय के इस फैसले का हम जोरदार विरोध करते हैं।

साथ ही केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और चिराग पासवान का भी हमलोग विरोध करते हैं। ये लोग सिर्फ दलित के साथ होने का दावा करते हैं। ये लोग दलित विरोधी हैं और तरह-तरह का बयान दे रहे हैं। हमारा यह विरोध आगे भी जारी रहेगा।

छपरा से प्राप्त समाचार के अनुसार सारण जिला मुख्यालय समेत इसके प्रखंड क्षेत्र में भारत बंद का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है । जिला मुख्यालय के भगवान बाजार थाना क्षेत्र के दारोगा राय चौक पर बंद समर्थकों ने टायर जलाकर आवागमन बाधित कर दिया, जबकि जिले के मशरक प्रखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 227 ए श्रीराम जानकी पथ, परसा प्रखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर प्रदर्शनकारियों ने आवागमन बाधित कर दिया। जिसे वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने कुछ देर के बाद प्रारंभ करा दिया । पूर्व - मध्य रेलवे के सोनपुर - गोलडेनगंज तथा पूर्वोत्तर रेलवे के छपरा - वाराणसी तथा छपरा - गोरखपुर एवं छपरा कचहरी - थावे रेलखंड सामान्य दिनों की की तरह ट्रेनों का परिचालन होता दिखा है। जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक, पोस्ट आफिस तथा विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों में भी कर्मचारी अपने काम पर उपस्थित देखें गये है। बंद के मद्देनजर प्रशासन द्वारा सभी जगह दंगा निरोधक बल के साथ मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है।

बिहार : भारत बंद का दिखा व्यापक असर

केंद्र सरकार आरक्षण हटाना चाहती है। केंद्र का ये सपना कभी पूरा नहीं होगा। हमारे संविधान के साथ छेड़छाड़ कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। वही मुन्ना प्रसाद वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण में एससी एसटी में क्रीमीलेयर और वर्गीकरण की बात करती है, तो हम सुप्रीम कोर्ट से पूछना चाहते है कि पूरे देश में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में 1098 जज हैं। जिसमे एससी-एसटी के मात्र 50 जज भी नहीं हैं। ये सब बिल्कुल भी नहीं चलेगा।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ भारत बंद का समर्थन करने के लिए निकल पड़े। इस दौरान हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उनके साथ मौजूद थे। पप्पू यादव बाबा साहब अंबेडकर के संविधान और जय भीम के नारे लगाते रहे। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश की जनता ने आज स्वतः ही भारत बंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में अब नौकरी नहीं बची है और वहां आरक्षण भी नहीं है। वहीं साजिश के तहत सरकार ने आरक्षण को खत्म करने की योजना बना रखी है। उन्होंने कहा कि अब ना आरक्षण होगा ना परीक्षा होगी। यानी कुछ लोग अधिकारियों का चयन करेंगे। ऐसी व्यवस्था का पप्पू यादव विरोध करता है।

अनुसूचित जाति और जनजाति आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ देश भर के विभिन्न संगठनों के द्वारा बुलाए गए भारत बंद का असर अररिया और इसके आसपास इलाके में आंशिक रूप से दिखाई पड़ा। बंद के समर्थक नेशनल हाईवे एनएच 27 सड़क पर उतरे और नेशनल हाईवे को जाम कर गाड़ियों के आवागमन को बाधित किया। वहीं ट्रेनों के परिचालन पर किसी तरह का कोई असर नहीं दिखाई पड़ा। जिले भर में स्कूल, कॉलेज से लेकर बाजार और सरकारी कार्यालय पूरी तरह खुले रहे। आम दिनों के तरह शहर की गतिविधियां जारी रही। बंद को लेकर एसपी के निर्देश पर सभी थाना की पुलिस अलर्ट मोड में रही और पुलिस की गाड़ी लगातार गश्त करते देखी गई।

सुप्रीम कोर्ट के दिए गए अनुसूचित जाति/जनजाति आरक्षण में वर्गीकरण संबंधित आदेश के विरूद्ध में भारत बंद का असर बुधवार को मुजफ्फरपुर में भी देखने को मिला। इंटरनेट मीडिया पर 21 अगस्त को भारत बंद की पूर्व से घोषणा के बाद सुबह से ही मुजफ्फरपुर जिले में एंट्री करने वाले सभी एनएच को जाम कर प्रदर्शन किया जा रहा है। आपको बता दें कि एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ आज यानी 21 अगस्त को देशभर भारत बंद रहा। भारत बंद का असर सुबह से ही दिखा। बिहार के मुजफ्फरपुर में बाजार बंद रहा। एनएच को जाम कर दिया गया। एससी यानी अनुसूचित जाति और एसटी यानी अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने भारत बंद का आह्वान किया है। इस भारत बंद को राजद, बसपा, जेएमएम और भीम आर्मी समेत कई विपक्षी पार्टियों ने आज के भारत बंद का समर्थन किया है।

राजनीति में आ सकती है विनेश…

विनेश ने कहा था, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है और लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत हो। शुक्रवार को, विनेश ने ओलंपिक पोडियम पर चूकने पर अपना गहरा दुख व्यक्त किया, अपनी व्यक्तिगत निराशा को भारत में महिलाओं के अधिकारों के व्यापक संघर्ष से जोड़ा, एक ऐसा मुद्दा जिसे उन्होंने पूर्व कुश्ती महासंघ प्रमुख के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन में आगे बढ़ाया था।

भारत का उदय वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए शुभ संकेत है : उपराष्ट्रपति

जन भागीदारी और प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि हमारे पास रहने के लिए कोई दूसरा ग्रह नहीं है। भारत और अफ्रीका के बीच गहरे संबंधों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा कि एक उभरता हुआ अफ्रीका और उभरता हुआ भारत स्वच्छ प्रौद्योगिकी, जलवायु, कृषि, समुद्री सुरक्षा, संपर्क और नीली अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दक्षिण सहयोग को मजबूत गति दे सकता है।

2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किए जाने को गर्व की बात बताते हुए उपराष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन में अफ्रीकी देशों की भागीदारी की सराहना की।

चीता देकर देश की जैव-विविधता को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए अफ्रीका के प्रति भारत की कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस विकास ने राष्ट्र को उत्साहित किया और भारत व अफ्रीका के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया।

एक नजर

जेल प्रशासन ने सीएम से मिलने की अनुमति नहीं दी: संदीप पाठक

नई दिल्ली, एजेंसी। आप के राज्यसभा सांसद संदीप कुमार पाठक ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी कि जेल प्रशासन की ओर से उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने की अनुमति न देने का फैसला मनमाना, अवैध और पूरी तरह अनुचित है। जेल प्रशासन ने अप्रैल में पाठक को दो बार केजरीवाल से मिलने की अनुमति दी थी, लेकिन इस बार उन्हें अनुमति देने से इनकार कर दिया। जेल प्रशासन का दावा है कि मुख्यमंत्री से मिलने के बाद पाठक द्वारा दिए गए कुछ बयान से जेल नियमों का उल्लंघन हुआ था। उनके ज्यादातर बयान राजनीति से प्रेरित थे। पाठक की याचिका का विरोध करते हुए जेल प्रशासन ने उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी कि उन्होंने जानबूझकर जेल नियमों का उल्लंघन किया।

करंट लगने से बच्चे की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिमी जिले के शालीमार बाग इलाके में एक सात साल के बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक ई-रिक्शा की अवैध पार्किंग में बच्चे को करंट लगा है। नगर निगम के शौचालय के सामने अवैध तरीके से ई-रिक्शा को चार्ज किया जा रहा था।

शालीमार बाग थाना पुलिस ने इस मामले में पार्किंग माफिया समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के वक्त वहां आंगनबाड़ी में काम करने वाली एक महिला और पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने बच्चे को रिक्शे के पास नीचे गिरा पड़ा देखा तो उनको यह समझते देर नहीं लगी कि शायद इस बच्चे को करंट लगा है। उन्होंने तुरंत वहां शोर मचाया और वे बच्चे के हाथ पैर मसलने लगे। उसकी जान बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन उसकी हालत में सुधार न होता देख उसको तुरंत बच्चे के परिजन अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। चश्मदीदों की मानें तो इस अवैध पार्किंग में यह कोई ऐसा पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई लोगों को यहां पर करंट लग चुका है। पहले भी करंट लगने से एक मौत हो चुकी है। इसके बावजूद भी यहां पर प्रशासन की मिलीभगत से अवैध पार्किंग धड़ल्ले से चलाई जा रही है।

एक ही टिकट से कर सकेंगे मेट्रो और नमो भारत ट्रेन में सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो और नमो भारत ट्रेन की भविष्य में एक टिकट से यात्रा हो सकेगी। इसके लिए डीएमआरसी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। डीएमआरसी और एनसीआरटीसी की टिकटिंग प्रणाली एक होने से से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। समझौता ज्ञापन पर डीएमआरसी के एमडी डॉ. विकास कुमार और एनसीआरटीसी के एमडी शलभ गोयल की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर एनसीआरटीसी और डीएमआरसी क्यूआर कोड टिकट दोनों खरीदने की सुविधा मिलेगी। एनसीआरटीसी टिकट डीएमआरसी सारथी (मोमेंटम 2.0) ऐप पर खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे, और डीएमआरसी क्यूआर टिकट एनसीआरटीसी मोबाइल ऐप के माध्यम से खरीदे जा सकते हैं। अधिकारियों ने कहा, इस पहल से एनसीआरटीसी, डीएमआरसी स्टेशनों पर कतारों को कम कर, यात्रियों का समय बचा सकेंगे। साथ ही डिजिटल लेनदेन और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों को दो बार टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। यह दिल्ली एनसीआर में इंटरस्टेट यात्रा की जा सकेगी। टिकट इंटीग्रेशन पर मेट्रो पहले ही डीटीसी के वन दिल्ली ऐप पर उपलब्ध हैं।

युवक का शव कमरे से बरामद, हत्या का केस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका के डाबड़ी इलाके में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि युवक का शव सड़ी गली अवस्था में उसके घर से बरामद हुआ। बदबू आने पर मकान मालिक ने मामले की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार देर रात जानकारी मिली कि डाबड़ी के एक बंद घर से बदबू आ रही है, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा तो अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। इस मामले में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या की गई। हत्या का शक युवक की पत्नी पर जताया जा रहा है। पुलिस का ये भी मानना है कि घरेलू हिंसा में हत्या का मामला हो सकता है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय सचिन के रूप में हुई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि सचिन ने कुछ समय पहले ही इस मकान को किराए पर लिया था और वो अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। साथ ही लोगों ने ये भी बताया कि कुछ दिन पहले पत्नी को ताला लगा कर जाते हुए देखा गया था। उसके बाद से सचिन को किसी ने नहीं देखा। मौके पर पुलिस द्वारा फॉरेंसिक और क्राइम टीम को बुलवाकर सारे साक्ष्य उठाए गए और जांच की जा रही है। इसके अलावा सचिन के रिश्तेदारों के बारे में भी पुलिस पता लग रही है ताकि पुलिस को जानकारी मिल सके कि सचिन का अपनी पत्नी के साथ कोई झगड़ा चल रहा था क्या। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

आशा किरण में मनोरंजन की सुविधा, छह विशेषज्ञ तैनात होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार का समाज कल्याण विभाग आशा किरण होम में रह रहे मानसिक रूप से कमजोर लोगों की मेडिकल सुविधाओं के साथ अब उनके मनोरंजन का भी ध्यान रखेगा। इसी के तहत अब डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, विशेषज्ञ डॉक्टर, क्लानिक साइकोलॉजिस्ट के अलावा संगीत और क्राफ्ट (शिल्प) के छह प्रशिक्षकों की तैनाती की जाएगी। इससे वहां रह रहे लोगों का संगीत और कला के जरिए मनोरंजन किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग को ये सभी कार्य 30 दिनों के भीतर करने होंगे। साथ ही हर 15 दिन में एसडीएम यहां का निरीक्षण करेंगे। दरअसल बीते जुलाई में रोहिणी के आशा किरण होम में 14 लोगों की अलग-अलग कारणों से मौत हो गई थी। इसके बाद से यहां पर सुधार को लेकर कवायद शुरू हो गई है। बीते दिनों मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यहां पर रह रहे क्षमता से अधिक लोगों को नरेला में एमसीडी के एक खाली पड़े नर्सिंग कॉलेज और छात्रावास में शिफ्ट करने का फैसला किया गया था। अब समाज कल्याण विभाग ने वहां रह रहे लोगों के खान-पान, मनोरंजन के अलावा वहां के हर स्तर पर सुधार की कवायद शुरू कर दी है। जल बोर्ड को हर सप्ताह पानी के नमूने की जांच करके उसकी रिपोर्ट प्रशासक को देनी होगी। इसके अलावा वहां की व्यवस्था और निगरानी के लिए 38 प्रशासनिक और सहायक पदों पर भर्ती की गई है। अब 12 मोबाइल शौचालय, हर कमरे में एसी लगाने के अलावा उनके कपड़े और बिस्तरों की सफाई को लेकर निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा खाना बनाने का काम अब थर्ड पार्टी के किचन में होगा, जिससे कि उसका बेहतर प्रबंधन किया जा सके। खान-पान में बदलाव के तहत दूध, अंडा और फल को भी शामिल किया जाएगा। खास बात यह है कि इन सभी सुविधाओं की गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है कि नहीं, इसके लिए क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के तहत थर्ड पार्टी ऑडिट किया जाएगा।

नोएडा मीडिया क्लब की फोटो प्रदर्शनी का भव्य समापन समारोह

ऋषि तिवारी

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब द्वारा आयोजित वार्षिक फोटो प्रदर्शनी का समापन समारोह आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन ने शहरवासियों के बीच गहरी छाप छोड़ी, जहां प्रमुख फोटो जर्नलिस्ट्स की कला का प्रदर्शन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे राकेश टिकैत उपस्थित रहे, जिन्होंने फोटो जर्नलिस्ट्स द्वारा खींची गई बेहतरीन तस्वीरों की सराहना की और उन्हें प्रेरणादायक बताया। समारोह में एनसीआर के 24 प्रतिभाशाली फोटो जर्नलिस्ट्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और समाज को वास्तविकता का दर्पण दिखाने के प्रयासों के लिए दिया गया। मुख्य अतिथि राकेश टिकैत ने अपने संबोधन में कहा, "फोटो जर्नलिज्म न केवल एक कला है, बल्कि यह समाज की सच्चाई को चित्रित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इन तस्वीरों ने न केवल घटनाओं और परिस्थितियों को दर्शाया, बल्कि वे हमारे समाज के गहरे मुद्दों को उजागर करने में भी सफल रही हैं।" इस प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर आधारित तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जो समाज, संस्कृति, पर्यावरण और रोजमर्रा की जिंदगी के कई पहलुओं को दर्शाती हैं। ये तस्वीरें न केवल देखने में सुंदर थीं, बल्कि उन्होंने दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर किया। प्रदर्शनी ने शहरवासियों और कला प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया और उन्हें फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। नोएडा मीडिया क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू यादव ने इस अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य फोटोग्राफी के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करना और फोटोग्राफर्स के योगदान को पहचान दिलाना है। इस प्रदर्शनी ने न केवल फोटोग्राफर्स को अपनी कला दिखाने का मंच दिया, बल्कि इसे जनता के सामने लाकर उनकी कड़ी मेहनत को भी सम्मानित किया गया है।" समारोह के दौरान राकेश टिकैत ने कहा, "यह प्रदर्शनी एक अद्वितीय मंच है, जहां फोटोग्राफर्स ने अपनी कला के माध्यम से समाज की कई कहानियों को जीवंत किया है। मैं इन सभी प्रतिभाशाली जर्नलिस्ट्स को बधाई देता हूँ, जिन्होंने अपनी तस्वीरों के माध्यम से हमारे समाज के जटिल मुद्दों को सामने लाने का साहसिक प्रयास किया है।" पुरस्कार वितरण समारोह में राकेश टिकैत ने प्रत्येक प्रतिभागी को मोमेंटो और प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने इन फोटोग्राफर्स की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य युवा फोटोग्राफर्स के लिए प्रेरणादायक है और यह प्रदर्शनी उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। समारोह के अंत में, वरिष्ठ पत्रकार अनिल चौधरी ने सभी उपस्थित लोगों, विशेष रूप से प्रतिभागी फोटोग्राफर्स और मुख्य अतिथि राकेश टिकैत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी भविष्य में भी जारी रहेगी और इसे और भी भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी कला प्रेमियों के लिए एक अनोखा अनुभव साबित हुई और शहरवासियों के दिलों में अपनी छाप छोड़ गई। इस तरह के आयोजनों से न केवल फोटोग्राफर्स को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि समाज में कला और संस्कृति के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

ये वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट मौजूद रहे संजीव रस्तोगी (फोटो एडिटर टाइम्स ऑफ इंडिया), अजय अग्रवाल (फोटो एडिटर हिंदुस्तान टाइम्स),धीरज पॉल (लेक्चर जामिया), मनीष स्वरूप (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट ऐ पी), टी नारायण (वरिष्ठ फोटो एडिटर) प्रकाश सिंह (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट) पंकज नागिया (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट) सुरेश पांडे (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट आउटलुक), हार्दिक छाबड़ा (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट इंडिया टुडे),विपिन कुमार (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट हिंदुस्तान टाइम्स) योगेश मन्हास (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट)।

इस दौरान मौजूद रहे मोहम्मद आजाद (वरिष्ठ पत्रकार), बीके अवस्थी (वरिष्ठ पत्रकार), अनिल चौधरी (वरिष्ठ पत्रकार), ए के लाल (वरिष्ठ पत्रकार), रिंकू यादव (वरिष्ठ पत्रकार), के आसिफ (वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट), इकबाल चौधरी (वरिष्ठ पत्रकार), जेपी सिंह (वरिष्ठ पत्रकार), ईश्वर चंद, सौरव राय, रवि यादव, संगीता चौधरी,मनोहर त्यागी,प्रमोद पंडित,सदाचारी तिवारी, सुशील अग्रवाल, अकरम चौधरी, विकास कुमार,योगेश राणा, अंजना भाग,अनिल कुमार, नितिन पाराशर, मोहम्मद रजा,अंबुज सिंह,हिमांशु सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

उप्र. पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती परीक्षा की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के विभिन्न 18 सेंटरों पर आगामी 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को होने वाली उप्र. पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती परीक्षा-2023 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन कराने के संबंध में बुधवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में परीक्षा से पूर्व सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा की गई रिहर्सल की समीक्षा बैठक हुई।

ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा निर्धारित रूट प्लान के तहत संबंधित जानकारियों से डीएम को अवगत कराया गया। डीएम ने सभी जानकारियों को सुनने के बाद कहा कि किसी भी परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों का विशेष योगदान होता है। इसीलिए जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए निर्धारित रूट प्लान के तहत सभी तैयारियां परीक्षा से पूर्व मानकों के अनुरूप अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान करें एवं समय से अपनी-अपनी ड्यूटी स्थलों पर पहुंचकर अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा केंद्र पर सभी मूलभूत सुविधाएं, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरण सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं, या नहीं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए परीक्षा केंद्र के एंट्री गेट पर एंट्री करते समय इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर विशेष फोकस रखा जाए, कोई भी अभ्यर्थी अपने साथ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को परीक्षा केंद्र के अंदर न ले जा पाए, ताकि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन संपन्न कराया जा सके। उन्होंने कहा कि आयोजित होने वाली परीक्षा में यदि किसी भी अधिकारी की लापरवाही संज्ञान में आती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, डीसीपी रवि शंकर निम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद: नहीं दिखा भारत बंद का असर

फरीदाबाद, एजेंसी। क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को भारत बंद के आह्वान का असर फरीदाबाद में देखने को नहीं मिला। भीम आर्मी और बहुजन समाज पार्टी के लोगों ने जिला उपायुक्त कार्यालय पर पहुंचकर भारत के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। सुप्रीम कोर्ट के एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की इजाजत के बाद एससी और एसटी समाज के लोगों ने बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया था। मगर इसका असर फरीदाबाद में देखने को नहीं मिला। भीम आर्मी, बहुजन समाज पार्टी के लोग काफी संख्या में सेक्टर 12 स्थित जिला उपायुक्त कार्यालय पर पहुंचे और विरोध जताया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और ज्ञापन भी राष्ट्रपति के नाम एसडीएम के माध्यम से सौंपा गया। भीम आर्मी से नरेश सागर और बहुजन समाज पार्टी से मनोज चौधरी ने कहा यह हमारे हक की लड़ाई है। आज जो आरक्षण संविधान के तहत हमारे समाज को दिया गया है, उसमें छेड़छाड़ की जा रही है, जिसका विरोध हमारे सभी समाज के लोग कर रहे हैं।

नोएडा में किसान दिवस का हुआ आयोजन

कृषकों को कृषि उत्पादन की नई तकनीकी बताई

नोएडा, एजेंसी। जिला मुख्यालय स्थित विकास भवन में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषकों को कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए, तकनीकी व उन्नतशील प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। गौतमबुद्ध नगर के उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने बताया कि डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जनपद के किसानों की कृषि से संबंधित समस्याओं का समाधान कराने तथा प्रदेश सरकार के द्वारा किसानों के हितार्थ चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय पर किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में विकास भवन के सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील कृषकों ने अपनी-अपनी समस्याओं को बैठक में रखा। कार्यक्रम में कृषि विभाग के विकास खण्ड स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डार के माध्यम से वितरित की जा रही मिनी किट-दलहन, तिलहन, मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी, साँवा, कोदो) के विषय में भी किसानों को जानकारी दी गयी। साथ ही लघु सिंचाई विभाग की बारिश के पानी के संचय के लिए कैच द रेन पहल के विषय में भी कृषकों को जागरूक किया गया। जिसके माध्यम से रेन वॉटर हारवेस्ट कर भू-जल स्तर को बढ़ाया जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा सब्सिडाइज्ड दरों पर प्राप्त सोलर पम्प के माध्यम से सिंचाई का लाभ उठाने के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया।

उन्होंने बताया कि कृषकों की सहायता के लिए आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र से जुड़े विभागों के अधिकारी, जिसमें सिंचाई, ऊर्जा एवं कृषि उत्पादन शाखा से जुड़े विभाग (कृषि, उद्यान, सहकारिता, मत्स्य, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन) के अधिकारियों व एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के क्षेत्रीय प्रबंधक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकतर कृषकों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

वहीं एक कृषक की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी।

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार, युवक की लाठियों से पीटकर की थी हत्या

पलवल , एजेंसी। पलवल में पुलिस ने हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इससे पहले 6 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। मृतक के चाचा की शिकायत पर पुलिस ने 13 नामजद सहित 15 के खिलाफ केस दर्ज किया था। हथीन थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि कुकरचाटी गांव निवासी रहीश ने पुलिस को बताया कि 8 जून को उसका भतीजा अफजल व शब्बीर अपनी सास के इलाज के लिए, पैसे डलवाने के लिए हथीन सीएससी सेंटर जा रहे थे। इसी दौरान रंजिश के चलते अफजल को अख्तर, इलियास, अजरू, शाहिद, रिजवान, हाशिद, आबिद, जाकिर, आमिर, सलीम, कमरू, आकिल, अग्गर व तीन-चार उनके रिश्तेदारों ने रास्ते में रोककर लाठी, डंडा व फरसा से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। झगड़ा होता देख वहां अन्य लोग पहुंच गए, जिन्होंने अफजल को आरोपियों से बचाने का प्रयास किया, तो उनके साथ भी मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इसी बीच उपचार के दौरान अफजल की अस्पताल में मौत हो गई, तो पुलिस ने हत्या की धारा भी जोड़ दी।

कूड़ा डालने को लेकर देवरानी-जेठानी में हुई बहस

ऋषि तिवारी

नोएडा। ईकोटेक-वन थाना नोएडा क्षेत्र के गांव घरबरा में कूड़ा डालने को लेकर देवरानी और जेठानी में विवाद हो गया और विवाद इतना बढ़ा कि दोनों परिवार के लोग एक दूसरे के साथ मारपीट पर उतारू हो गए। जिसके बाद दोनों पक्षों में लात-घूंसे चले और महिला के साथ भी मारपीट हुई। इसी दौरान दोनो पक्षों को शांत कराने पहुंचे पडोसी को भी एक पक्ष ने जमकर पीट दिया। यह घटना 15 अगस्त की है। इसका वीडियो अब वायरल हुआ है। विडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक घरबरा गांव में कूड़ा डालने को लेकर देवरानी व जेठानी में विवाद हो गया। विवाद होने पर पड़ोस में ही रहने वाले पुष्पेंद्र मौके पर आ

गए और उन्होंने दोनों पक्षों से लड़ाई न करने की बात कही। इसके बाद लड़ाई कर रहे पक्ष और पुष्पेंद्र के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद उन दोनों पक्षों ने जमकर लात और घूंसे चल गए। इस दौरान एक महिला के साथ भी मारपीट की गई। महिला को गिराकर पीटा गया। मारपीट की सारी घटना कैमरे में कैद हो गई। जिसके बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद तमाम शहर के लोगों ने महिला सुरक्षा पर सवाल उठने शुरू कर दिए। विडियो को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने पुष्पेन्द्र व उसके दिनेश व वेदपाल के खिलाफ केस दर्ज कर दिनेश व वेदपाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

पुलिस ने बुधवार को पुष्पेन्द्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया- वायरल वीडियो 15 अगस्त का है। घरबरा गांव में कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों के विवाद हुआ था। जिसमें एक व्यक्ति के द्वारा उनका समझौता करने की कोशिश की गई। इस दौरान उसी के साथ उनका विवाद हो गया। तत्काल प्रभाव से इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया और तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सपाइयों ने अनुसूचित जाति जनजाति आरक्षण मामले में राष्ट्रपति को ज्ञापन डीएम के माध्यम से सौंपा

गाजियाबाद, एजेंसी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के आदेशानुसार, आरक्षण में आर्थिक स्तर से वर्गीकरण करने के विरोध में भारत बंद में 21 अगस्त को राष्ट्रपति द्वारा जिलाधिकारी गाजियाबाद को ज्ञापन सौंपा गया एवं अवगत कराया गया कि सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 01 अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति जनजाति आरक्षण मामले में केंद्र सरकार व राज्य सरकारों को डायरेक्शन दिया है कि सरकारें को आरक्षण में वर्गीकरण वह कीमीलेयर की व्यवस्था लागू करें। सर्वोच्च न्यायालय का यह डायरेक्शन असंवैधानिक है इस मामले को लेकर अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों ने पूरे देश में भारत बंद करने का आह्वान किया है। सर्वोच्च न्यायालय अपना फैसला वापस ले केंद्र सरकार कानून बनाकर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला रद्द करें। इसको लेकर जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट, महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट ने आज राष्ट्रपति द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे फैसल हुसैन, वीरेंद्र यादव, नितिन त्यागी, राजन कश्यप, विशाल वर्मा पूर्व विधायक प्रत्याशी, सिकंदर यादव पूर्व महापौर प्रत्याशी, विकास यादव जिला पंचायत सदस्य, राज देवी चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सभा, मधु चौधरी प्रदेश महासचिव महिला सभा, विधु सपा नेता रमेश यादव, प्रवेश बसोया, जिला उपाध्यक्ष अमन यादव, राष्ट्रीय महासचिव युव जनसभा गुलाब यादव, महानगर उपाध्यक्ष रविंद्र यादव, महानगर अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड इरफान अमानत चौधरी, जिला अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड किरण कालिया, प्रदेश सचिव महिला सभा अनुष्का सिंह, महानगर सचिव फहीम चौधरी, पार्षद ठाकुर विक्की सिंह, महानगर अध्यक्ष युव जनसभा हर्ष गुर्जर, महानगर महासचिव युवजन जनसभा अंशु ठाकुर, जिला अध्यक्ष छात्र सभा असलम कुरैशी जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी, मोहम्मद अब्बास हैदर महानगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा, मोहम्मद शहजाद चौधरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा, विक्रांत पंडित प्रदेश सचिव, ताहिर हुसैन प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग, मोहम्मद कल्लन महानगर उपाध्यक्ष, पार्षद संजीव चौधरी, जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह जिला अध्यक्ष एससी एसटी पर पोस्ट प्रदीप गहलोत राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रिंकू बाईसोया कमलेश यादव प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ शोएब चौधरी नगर अध्यक्ष मुरादनगर आकाश अग्रवाल विधानसभा अध्यक्ष देवदत्त विधानसभा अध्यक्ष मोदीनगर राहुल रावत कार्यालय प्रभारी वसीम बाबू एडवोकेट जिला सचिव अभिषेक गुर्जर महानगर उपाध्यक्ष खालिद बुखारी जिला सचिव मुकेश ठाकुर अजय यादव निसार कसर संजय यादव गुल मोहम्मद मंसूरी महेश कुमार आशु अब्बासी राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा कृष्ण यादव जिला सचिव साजिद सैफी महानगर सचिव सालेकचंद गौतम महानगर सचिव अरुण कुमार आदिल लाल जिले खान सत्य प्रकाश कंसल संदीप जयवीर सिंह एडवोकेट आरिफ सलमानी साकिर हुसैन प्रदेश सचिव युवजन सभा वकील अहमद अनिल चौधरी जिला अध्यक्ष व्यापार सभा सतीश कुमार धर्मपाल सिंह अकरम सलमानी सोनू प्रधान रामपाल सिंह राजोरा महेंद्र यादव नौशाद अली सैफी सनी कुमार वार्ड अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

मुस्लिम परिवार पर हिन्दू युवकों ने किया हमला

गाजियाबाद, एजेंसी। अपनी बहन के घर से लौट रहे एक मुस्लिम परिवार पर कुछ हिन्दू युवकों के द्वारा उनकी नाबालिग बेटी से अश्लीलता की, और हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। बता दें कि दोनों पक्ष अलग-अलग समुदाय के होने से मामले ने तूल पकड़ा। हालाँकि मौके पर पहुँचे क्षेत्र के गणमान्य लोगों की सूझबूझ काम आई, सामाजिक कार्यकर्ता और डीवीएफ कोतवाली टीम के सदस्य शाहिद कुरैशी संग चांद भारती, हाजी सूफी कल्लू सहित अन्य लोगों ने नगर कोतवाली पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूरी मदद की। लेकिन गाजियाबाद पुलिस धन्यवाद की पात्र है चूंकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बड़ा बवाल होने से बचा लिया। गाजियाबाद पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाही से स्थानीय लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के कैला भट्ठा में रहने वाले सलीम सैफी पुत्र नसरूद्दीन अपनी फैमिली के साथ अपनी बहन के घर गोविंदपुरम गए थे। वहाँ से बाइक पर लौटते बक्त सोमवार रात्रि करीब दस बजे नगर कोतवाली क्षेत्र के जस्सीपुरा में मयूर प्लाईवुड के पास लगभग आधा दर्जन से अधिक युवकों ने कार व बाइक से ओवरटेक करके उन्हें रोक लिया। पीड़ित सलीम के अनुसार इसके बाद इन युवकों ने जय श्रीराम का नारा लगाते हुए पीड़ित और उसके परिवार पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जिससे सलीम की ऊँगली कट गई और सलीम के भतीजे इमरान को सिर में गंभीर चोट लगी। पीड़ित के अनुसार युवकों ने उनसे जय श्रीराम के नारे लगाने को कहा, और तो और पीड़ित सलीम की दाढ़ी पकड़ कर खींची। युवकों ने पीड़ित की नाबालिग पुत्री के साथ अभद्रता करते हुए उसके प्राइवेट अंगों पर हाथ डाला साथ ही उसे गाड़ी में ले जाने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों और राहगीरों के आने के कारण युवक अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाए। युवकों ने भीड़ बढ़ती देख मौके से भाग गए। सूचना मिलने पर पहुँची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया।

एक नजर

नोएडा में दोस्तों के संग घर की छत पर शराब पी रहा युवक नीचे गिरा, हुई मौत

नोएडा, एजेंसी। थाना कासना क्षेत्र के कस्बा कासना में तीन दोस्त घर की छत पर बैठकर शराब पी रहे थे। शराब के नशे में एक युवक ऊंचाई से नीचे गिर गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। इसके अलावा एक युवती समेत दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मैदालाल पुत्र मथुरा लाल उम्र 30 वर्ष मूल निवासी जनपद हरदोई थाना कासना क्षेत्र के कस्बा कासना में रहता था। वह अपने दोस्तों के साथ रात को छत पर बैठकर शराब पी रहा था। नशे की हालत में वह छत से नीचे गिर गया।

उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं थाना बीटा-दो क्षेत्र में रहने वाले राजू पुत्र गंगाधर उम्र 40 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना बीटा दो के प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके अलावा थाना सेक्टर-49 क्षेत्र में रहने वाली 20 वर्षीय विनीता नामक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना प्रभारी अनुज कुमार सैनी ने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है।

गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। अपराध शाखा एनआईटी पुलिस टीम ने गांजा रखने के आरोप में दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक किलो 988 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सोनू (19) और रवि राज (20) का नाम शामिल है। दोनो आरोपी तेहखंड ओखला फेज-1 दिल्ली के रहने वाला हैं। अपराध शाखा टीम ने दोनों आरोपियो को अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से गश्त के दौरान एत्मादपुर पुल आगरा कैनाल रोड से इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित काबू किया है। आरोपियो की तलाशी लेने पर आरोपियो से 1 किलो 988 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। आरोपियो के खिलाफ थाना पल्ला में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियो से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी डिलीवरी बॉय की नौकरी करते है। जो स्कूटी है वह भी कम्पनी की है। आरोपी गांजा को दिल्ली में किसी व्यक्ति से 12000/-रु में खरीद कर लाए थे। आरोपी गांजा को बेचकर मुनाफा कमाना चाहते थे। दोनों आरोपियो को अपराध शाखा द्वारा अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

गाजियाबाद में बाइक सवार युवकों को बस ने कुचला, एक की मौत

गाजियाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा पुल के पास सोमवार रात दो बाइक सवार युवक को मोहननगर से आ रही बस ने कुचल दिया। घटना में सुशील (28) की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। सूचना के बाद गुस्से में लोगों ने पत्थर फेंक कर बस के शीशे तोड़ दिए। पुलिस मामले में लिखित शिकायत पर चालक की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि गुजरात की निजी कंपनी में काम करने वाले सुशील पुत्र जगपाल चौधरी निवासी लाजपतनगर बाइक से साहिबाबाद गांव की तरफ जा रहे थे। इस दौरान वसुंधरा पुल के पास बाइक सवार मयंक पुत्र उमेश्वर त्यागी निवासी बहादुरपुर मोरटा गाजियाबाद से उनकी बाइक टकरा गई। जिसमें दोनों गिर पड़े। तभी पीछे से आ रही निजी बस ने दोनों को कुचल दिया। इसमें दोनों घायल हो गए। उन्हें स्थानीय लोग अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने सुशील को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल मयंक की हालत में सुधार है। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि परिजनों से तहरीर के आधार पर बस चालक को तलाश कर रहे हैं। मामले में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर से लापता लडकी को राजस्थान से ढूंढा

फरीदाबाद, एजेंसी। घर से लापता 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को अपराध शाखा कैट और थाना ओल्ड की पुलिस टीम ने राजस्थान से तलाशा है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि थाना ओल्ड में बीती चार अगस्त को नाबालिग लडकी के परिजनों के द्वारा लडकी के बिना बताए घर से जाने की सूचना दी गई। जिस पर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लडकी की तलाश शुरू कर दी। अपराध शाखा के सहयोग से थाना ओल्ड की पुलिस टीम ने नाबालिक लडकी का राजस्थान भिवाड़ी का पता लगाया। जहां से पुलिस टीम के द्वारा लडकी को तलाश कर फरीदाबाद लाया गया। लडकी ने अपने बयान में बताया कि वह अपनी मर्जी से भिवाडी राजस्थान मंदिर में घूमने के लिए बिना बताए निकल गई थी। लडकी को सकुशल परिजनों के हवाले किया है। परिजनों के द्वारा पुलिस टीम का धन्यवाद किया।

कार सवारों ने किराने के सामान से भरा ट्रक लूटा, हुए फरार, तलाश में जुटी पुलिस

गाजियाबाद, एजेंसी। मुरादनगर में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर गांव रेवड़ा रेवड़ी के पास सुबह कार सवार बदमाशों ने चालक को बंधक बनाकर किराने के सामान से भरे ट्रक को लूटकर ले गए। बदमाश ट्रक को गाजियाबाद के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस की कई टीम बदमाशों की तलाश कर रही है। जिला मिर्जापुर निवासी महेश दुबे ट्रक चलाकर परिवार का लालन पालन करते है। रात को वह ट्रक में गाजियाबाद से किराना का सामान लेकर बिलासपुर के लिए निकले। जब वह ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर गांव रेवड़ा रेवड़ी पर हिंडन पुल के पास पहुंचे तो ट्रक को साइड में लगाकर सो गए। मंगलवार सुबह साढे तीन बजे के आसपास कार सवार बदमाशों ने पहले चालक को जगाया और फिर नीचे उतारकर बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाश चालक से ट्रक की चाबी ली और उसे लेकर फरार हो गए। लूट का विरोध करने पर चालक को मारपीट कर घायल कर दिया और वहीं पर फेंककर फरार हो गए। किसी तरह चालक पुलिस के पास पहुंचा और ट्रक लूट होने की सूचना दी। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि ट्रक अंकुर थानाक्षेत्र में मिल गया है,जबकि बदमाश सामान अपने साथ ले गए। बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। नाबालिग लडकी.के साथ दुष्कर्म करने के आरोपित को थाना छांयसा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित को बुधवार कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित सौरभ और उर्फ धोनी (19 वर्ष) वलीपुर मोहना गांव का रहने वाला है। पीड़िता की मां की शिकायत पर छांयसा थाने में पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार सौरभ पर आरोप है पड़ोस में रहने 15 वर्षीय लड़की के साथ 18 अगस्त की रात दुष्कर्म किया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित सौरभ को वलीपुर रोड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सौरभ को आज कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश के बाद आरोपित को जेल भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी: दर्द से कराह उठे मरीज... नहीं मिल रहा इलाज, पूरी तरह स्वास्थ्य सेवाएं ठप

फिरोजाबाद। कोलकाता में रेप के बाद डॉक्टर की हत्या को लेकर फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल जारी है। छह दिन से स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप होने से मरीज अब कराह उठे हैं। इसके बाद भी कोई हल नहीं निकला है। निजी चिकित्सकों के यहां लंबी कतार लगी हैं। मरीज प्रतिदिन मेडिकल कॉलेज आते हैं। हड़ताल देखकर फिर वापस लौट जाते हैं।

बारिश के बाद बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। घर-घर बुखार फैल रहा है। त्योहार बाद डायरिया के मरीज भी बढ़ गए हैं। लेकिन मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की हड़ताल के कारण छह दिन से इलाज नहीं मिल रहा है। व रेजिडेंट चिकित्सक पर्चे भी नहीं बनने दे रहे हैं। ऐसे में सीनियर डॉक्टर भी इलाज नहीं कर पा रहे हैं। स्थिति यह है कि वार्ड भी खाली होने लगे हैं। हालांकि ज्यादा गंभीर मरीजों को इमरजेंसी में उपचार दिया जा रहा है।

मरीजों का झलका दर्द

मेडिकल कॉलेज में पहुंची सुनीता देवी ने कहा कि उनके 14 वर्षीय बेटे के अपेंडिक्स का दर्द है। बाहर ऑपरेशन कराने के लिए 18 हजार खर्च होंगे। इतने रुपये न होने के कारण हर रोज बेटे को लेकर ओपीडी में दिखाने आ रहे है। लेकिन यहां डॉक्टर बैठे ही नहीं।

इसी तरह मोहम्मद अकरम ने कहा कि चर्म रोग है। प्राइवेट में इलाज महंगा है, लेकिन मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर नहीं बैठ रहे हैं। आयशा ने बताया कि 10 दिन पहले सर्जरी हुई थी। अब आगे क्या दवा खानी है, दो बार अस्पताल आ चुकी। रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। हालांकि गंभीर मरीजों के लिए दवा की व्यवस्था कर दी है। इमरजेंसी में जाकर मरीज उपचार करा सकते हैं। -डॉ. नवीन जैन, सीएमएस

सिपाही भर्ती परीक्षा: अब तक करीब 10 लाख एडमिट कार्ड हुए डाउनलोड, हर रोज साढ़ें नौ लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

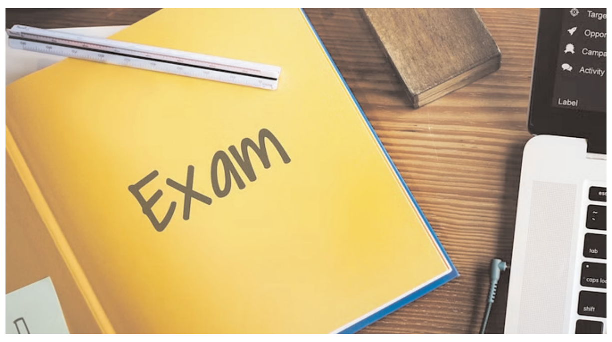

लखनऊ। सिपाही भर्ती के लिए 23 और 24 अगस्त को आयोजित होने वाली सिपाही सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए अब तक करीब 10 लाख अभ्यर्थियों ने एडमिट कार्ड डाउनलोड किए हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रत्येक दिन दोनों पालियों में तकरीबन 9.50 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

अलग-अलग राज्यों के छह लाभ अभ्यर्थी होंगे शामिल

यूपी पुलिस में 60,244 पदों पर सिपाही नागरिक पुलिस की सीधी भर्ती का जलवा देश के अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रहा है। सरकारी नौकरी पाने की चाह और खाकी पहनने का क्रेज युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। यही वजह है कि सिपाही भर्ती के लिए 26 राज्यों एवं 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 6,30,481 युवाओं ने भी आवेदन किया है। आगामी 23 अगस्त से शुरू होने वाली परीक्षा में बड़ी तादाद में अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी शामिल होंगे।

बिहार के करीब 2.67 लाख अभ्यर्थी

बता दें कि सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए सबसे ज्यादा बिहार के युवाओं ने आवेदन किया है। इसके बाद मध्य प्रदेश और राजस्थान का नंबर है। वहीं हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के हजारों युवा भी इसमें शामिल होंगे। इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू-कश्मीर चंडीगढ़, दादर एवं नगर हवेली, गोवा, दमन एवं दीव, पुडुचेरी शामिल है।

मेडिकल स्टोर संचालक ने फंदा लगाकर दी जान, आत्महत्या करने से पहले पत्नी से फोन पर की थी बात

फरुर्खाबाद। फरूर्खाबाद जिले के कायमगंज में मेडिकल स्टोर संचालक पत्नी के मायके चले जाने से दुखी होकर फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव अताईपुर कोहना निवासी नरेश चंद्र राठौर का इकलौता पुत्र सुमित (22) गांव चंदुइयां में मेडिकल स्टोर चलाता था। हाल में ही उसने डीफार्मा की पढ़ाई पूरी कर सीएचसी कायमगंज से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। गृह कलह में सुमित ने मंगलवार रात करीब 10 बजे कमरे में कुंडे में साड़ी सं फंदा लगा लिया। परिजन बेहोश हालत में उसे फंदे से उतारकर सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर विपिन कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया सुमित की तीन माह पूर्व फरुर्खाबाद के चांदपुर निवासी शिवानी से शादी हुई थी। पिछले सप्ताह पत्नी से अनबन होने पर वह मायके चली गई। युवक ने फंदा लगाने से पहले पत्नी से बातचीत भी की थी। मोबाइल पर क्या बात हुई इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई। पुलिस इस मामले में मृतक के मोबाइल से खोजबीन कर रही है।

बांकेगंज में मुस्लिम युवक ने कराया सुंदरकांड का पाठ, बजरंगबली के भक्त हैं इसराइल अली

लखीमपुर खीरी लखीमपुर खीरी के बांकेगंज में इसराइल अली ने सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश दिया है। कस्बा निवासी इसराइल अली ने हिंदू धर्म के प्रति श्रद्धा और हनुमान जी की भक्ति से ओतप्रोत होकर राधाकृष्ण मंदिर में श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड पाठ कराया है।

इसराइल ने बताया कि उनकी हिंदू धर्म में आस्था है। मुस्लिम होने के बावजूद इसराइल अली की हिंदू धर्म के प्रति गहरी आस्था है। वह जितनी अकीदत के साथ नमाज पढ़ते हैं, उतनी ही श्रद्धा के साथ हिंदू पूजा-पाठ में हिस्सा लेते हैं। मंगलवार शाम इसराइल ने स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर में संगीतमयी सुंदरकांड पाठ का आयोजन कराया।

इसराइल ने पूरे समय कार्यक्रम में मौजूद रहकर भक्ति भाव से पाठ को सुना। इससे पहले उन्होंने मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी बिजली झालरों और फूलों से सजाया गया। पाठ के समापन के बाद प्रसाद का वितरण भी कराया। हिंदू धर्म में इसराइल की आस्था को लेकर पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

सीएम योगी का अखिलेश पर तंज: बाबूजी के दिवंगत होने पर एक शब्द नहीं बोले, पर माफिया की मौत पर फातिया पढ़ने गए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को स्व. कल्याण सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित 'हिंदू गौरव दिवस' के दूसरे संस्करण के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता की ओर से बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कल्याण सिंह के संघर्षों और चुनौतियों की यात्रा को शिखर से शून्य की यात्रा करार दिया। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति कल्याण सिंह अचानक नहीं बन जाता। कल्याण सिंह बनने के लिए संघर्ष, चुनौती, त्याग और बलिदान का मार्ग चुनना पड़ता है। चुनौती और संघर्ष जब सामने होता है तो त्याग और बलिदान का जज्बा पैदा होता है, तब कोई भी ताकत आपको झुका नहीं सकती, आपका बाल भी बांका नहीं कर सकती है। एक अपार जनआस्था और विश्वास आपके साथ खड़ा होता है। इस अपार जनविश्वास के प्रतीक कल्याण सिंह जी बने। उन्होंने उस समय की ताकतों का मुकाबला किया, विपरीत परिस्थितियों में काम किया, लेकिन श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के मार्ग से कतई नहीं हटे।

हिंदू भारत की सुरक्षा की गारंटी है

सीएम योगी ने कहा कि आज जब हम लोग बाबू जी की तीसरी पुण्यतिथि को 'हिंदू गौरव दिवस' के रूप में मना रहे हैं तो हमें हिंदू एकता के महत्व को समझना पड़ेगा। हिंदू कोई जाति, मत और मजहब नहीं है। यह किसी संकीर्ण दायरे का माध्यम नहीं है। यह भारत की सुरक्षा की गारंटी है, ये भारत की एकता और एकाग्रता की गारंटी है। याद रखना जब तक भारत का मूल सनातन हिंदू समाज मजबूत है भारत की एकता और अखंडता को दुनिया की कोई ताकत चुनौती नहीं दे सकती। लेकिन जिस दिन यह एकता खंडित होगी उस दिन भारत को फिरके-फिरके में बांटने की विदेशी साजिशें सफल होती दिखाई देंगी। हमें इन साजिशों को सफल नहीं होने देना है। जो लोग आपको बांटने का काम कर रहे हैं, इनके चेहरे, चाल और चरित्र अलग है। ये बोलेंगे कुछ, दिखाएंगे कुछ और करेंगे कुछ। जब भी इन्हें अवसर मिला, उत्तर प्रदेश को इन्होंने दंगे की आग में झोंका है। जब भी इन्हें अवसर मिला है, इन्होंने हिंदुओं के नायकों को अपमानित किया है।

जन्म से ही संघर्ष और चुनौतियों से मुकाबला करना सीख लिया

सीएम योगी ने बाबू जी (कल्याण सिंह) को उनकी तीसरी पुण्य तिथि पर कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि अलीगढ़ के एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले 'बाबूजी' ने शुरूआत से ही संघर्ष और चुनौतियों का मुकाबला करना सीख लिया था। पहले किसान और फिर शिक्षक, आरएसएस के स्वयंसेवी, भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपनी यात्रा प्रारंभ करने वाले बाबू जी की यात्रा शून्य से शिखर तक की यात्रा है। वे विधायक भी थे, सांसद भी थे। वह प्रदेश सरकार में कांग्रेस की दमनकारी नीतियों के खिलाफ और आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के दौरान जेल में भी बंद हुए थे। आपातकाल के बाद बनी सरकार में वह स्वास्थ्य मंत्री भी थे। राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद उमड़ी हुई आस्था में पहली बार भारतीय जनता पार्टी जब प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाती है तो वह मुख्यमंत्री भी बने। 1997 में वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और फिर हिमांचल और राजस्थान के राज्यपाल के रूप में संवैधानिक पद के दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने अपनी अंतिम यात्रा पूरी की। रामजन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका का ही परिणाम आज हम सबके सामने है। दुनिया में कौन सी श्रमिक और वंचित जातियां होंगी, जिन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अपनी आंखों से नहीं देखा। मानवता का जहां दमन हुआ है, श्रीरामजन्मभूमि पर राम मंदिर का निर्माण उनके लिए आशा की एक किरण है। इस आशा की किरण की शुरूआत तब हुई थी जब 'बाबूजी' ने कहा था कि सरकार जाए तो जाने दिया जाए, लेकिन रामभक्तों पर गोली नहीं चलाएंगे।

बाबू जी ने नहीं किया मूल्यों और आदर्शों के साथ कोई समझौता

सीएम योगी ने कहा कि उनका जीवन भारत की राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित था। उन्होंने जातिवाद को प्रश्रय नहीं दिया। समाज का विभाजन करने वाली ताकतों से उन्होंने दूरी बनाए रखी। उन्होंने मूल्यों पर जीवन जिया, राजनीति को आदर्शों को माध्यम बनाया। राजनीति उनके लिए सत्ता और भोग का माध्यम नहीं बनी, राजनीति उनके लिए सौदेबाजी का जरिया नहीं बना, राजनीति उनके लिए अपने स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम कभी नहीं बन पाई। वो मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद, राज्यपाल किसी भी रूप में रहे हों, लेकिन मूल्यों और आदर्शों के साथ कोई समझौता नहीं किया। आरएसएस की पाठशाला में जो दीक्षा उन्होंने सीखी थी, उसका आजीवन पालन करते रहे। इसलिए वो कल्याण सिंह बन पाए। इसलिए कोटि कोटि कार्यकताओं के विश्वास के प्रतीक बन पाए।

माफिया की मौत पर सपा के मुखिया मनाते हैं मातम

सीएम योगी ने विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया पर हमला करते हुए कहा कि कौन नहीं जानता है कि श्रद्धेय बाबू जी के दिवंगत होने पर श्रद्धांजलि देने जाने की बात तो दूर समाजवादी पार्टी के मुखिया के मुंह से संवेदना का एक भी शब्द नहीं निकला। वहीं प्रदेश का एक दुर्दांत माफिया मरा था तो फातिया पढ़ने वो उसके गांव तक चले गए थे। क्या यही पीडीए है? सैकड़ों हिंदुओं के खून से जिनके हाथ रंगे हुए थे, ऐसे माफिया के मरने पर ऐसे मातम मना रहे थे, जैसे इनका कोई सगा चला गया हो। यही पीडीए का वास्तविक चरित्र है। अयोध्या में एक निषाद बालिका के साथ, कन्नौज में और लखनऊ में जो घटनाएं घटित हुईं, यही इनका चेहरा हैं। जब तक इनका एकजुट होकर मुकाबला नहीं करेंगे, ये लोग प्रदेश की जनता को ऐसे ही बेवकूफ बनाते रहेंगे। छलते रहेंगे।

आज ये परेशान हैं, क्योंकि उनकी गुंडागर्दी, अराजकता की दुकानें डबल इंजन की सरकार ने बंद कर दी हैं। उनके एक-एक षड़यंत्र को हर एक पग पर रोक दिया गया है। प्रदेश की जनता को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की जिस नीति को 1991 में श्रद्धेय बाबू जी ने लागू किया था, वो आज भी लागू है। डबल इंजन की ये सरकार प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों, भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ काम करेगी, चाहे इसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। प्रदेश की जनता जनार्दन का बाल भी बांका नहीं होने दिया जाएगा। हमें श्रद्धेय बाबू जी की इस तीसरी पुण्य तिथि पर यह संकल्प लेना ही होगा कि आजीवन जिन मूल्यों और आदर्शों के लिए श्रद्धेय बाबू जी का जीवन समर्पित था, उसके लिए हम कार्य करें। जो सपना बाबू जी का था उसे भाजपा और उनकी विरासत मजबूती से आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उनके मूल्यों और आदर्शों से विचलित हुए बगैर निरंतर आगे बढ़ने की तैयारी करनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ महेंद्र नाथ पांडे, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, उन्नाव के सांसद स्वामी साक्षी महाराज, प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, कार्यक्रम के आयोजक पूर्व सांसद राजवीर सिंह (राजू भइया), प्रदेश सरकार में मंत्री संदीप सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध कॉलोनियों पर चला प्रशासन का बुलडोर, पौटाकलां में हुई ध्वस्तीकरण

पीलीभीत पीलीभीत के जिला पंचायत क्षेत्र में विकसित हो रहीं अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन की कार्रवाई जारी है। सदर तहसील की टीम ने जिला पंचायत की टीम के साथ अभियान चलाकर चार अवैध कॉलोनी में चल रहे निर्माण कार्य को ध्वस्त कराया है। इसके साथ ही चेतावनी भी दी है।

विनियमित क्षेत्र से बाहर जिला पंचायत क्षेत्र में अवैध कॉलोनी को जमकर विकसित किया जा रहा है। इस मामले को लेकर जिला पंचायत की ओर से क्षेत्र की 25 अवैध कॉलोनी को जिला पंचायत नोटिस जारी किया गया था। इससे पूर्व भी कई बार नोटिस जारी किए जा चुके थे लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा था। इन अवैध कॉलोनी को लेकर प्रशासन की कार्रवाई शुरू हो गई है।

पौटाकलां में हुई कार्रवाई...चार दिन पहले न्यूरिया में अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त करने के बाद मंगलवार की शाम गांव पौटाकलां में एसडीएम सदर देवेंद्र सिंह के निर्देश पर राजस्व कर्मी और जिला पंचायत की टीम गांव में पहुंची। यहां पर नासिर, अंसार हुसैन, कपीस अहमद और शकील की ओर से विकसित कॉलोनी पर कार्रवाई की।

बुलडोजर से अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया गया। प्रशासन की ओर से हो रही कार्रवाई से कॉलोनाइजरों में खलबली है। एसडीएम सदर देवेंद्र सिंह ने बताया कार्रवाई जारी रहेगी। 25 अवैध कॉलोनियों में कुछ ने नक्शा पास करने के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा अन्य पर भी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कॉलोनी को लेकर कई बार नोटिस जारी किए गए थे। नक्शा पास न कराने पर प्रशासन को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया था। अब कार्रवाई शुरू की गई है।- हरमीक सिंह अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत

भुगतान के लिए कल लखनऊ सेबी कार्यालय घेरेंगे निवेशक

ठगी पीड़ितों की आवाज के बैनर तले लड़ी जा रही है लड़ाई

लखनऊ। सहारा के साथ ही दूसरी चिटफंड कंपनियों के निवेशकों की लड़ाई अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंच गई है। आंदोलनकारी भुगतान को लेकर सेबी का कार्यालय घेरने जा रहे हैं। यह अपने आप में दिलचस्प है कि जो लड़ाई सहारा प्रबंधन सेबी के खिलाफ लड़ रहा था, उसी लड़ाई को लड़ने के लिए अब कई संगठन सड़कों पर उतर गये हैं। विभिन्न राज्यों की सरकारों के साथ ही केंद्र सरकार के खिलाफ भी मोर्चा खोलने वाले इन संगठनों ने अब सेबी को टारगेट किया है। ये संगठन अब सेबी के खिलाफ मोर्चा जो खोलने जा रहे हैं।

दरअसल 22 अगस्त को ठगी पीड़ितों की आवाज संगठन के बैनर तले लखनऊ के विभूति खंड गोमतीनगर स्थित सेबी के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इस घेराव में विभिन्न चिटफंड कंपनी एवं क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी के पीड़ित जमाकर्ता कार्यकर्ता शामिल होंगे। सेबी कार्यालय का घेराव करने वालों में पीएसीएल, साई प्रसाद, विश्वामित्र, साईं प्रकाश डेवलपमेंट को ऑपरेटिव सोसायटी के अलावा और कई कंपनियों के जमाकर्ता कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। यह जानकारी ठगी पीड़ितों की आवाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सिंह ने दी है। रमेश सिंह का कहना है कि

■ **घेराव करने वालों में पीएसीएल, साई प्रसाद, विश्वामित्र, साई प्रकाश डेवलपमेंट को ऑपरेटिव सोसायटी के अलावा और कई कंपनियों के जमाकर्ता कार्यकर्ता भी होंगे शामिल : रमेश सिंह**

2014 में विभिन्न चिटफंड कंपनियों को सेबी ने प्रतिबंधित कर दिया था। उनका कहना है कि उस समय इन कंपनियों की प्रापर्टी अटैच करने के बाद सेल आउट कर पैसा सरकार की अर्थॉरिटी सेबी के पास जमा कराया गया था। रमेश सिंह का कहना है कि निवेशक अपने पैसे के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है, आत्महत्या कर रहा है, आवेदन कर रहा है, आंदोलन कर रहा है पर सेबी निवेशकों का भुगतान नहीं कर रहा है। 22 अगस्त को लखनऊ स्थित सेबी कार्यालय का घेराव कर निवेशकों का पैसा मांगा जाएगा। रमेश सिंह का कहना है कि उनका संगठन सेबी को भुगतान करने के लिए मजबूर कर देगा।

दरअसल आज की तारीख में जो मोर्चा ठगी पीड़ितों की आवाज संगठन ने खोला है वही मोर्चा सहारा ग्रुप ने खोला हुआ था। सहारा के चेयरमैन सुब्रत राय जब तक जिंदा रहे तब तक वह सेबी पर सहारा ग्रुप को गलत ढंग से फंसाने का आरोप लगाते रहे। उनका कहना था कि उन्हें सेबी को पैसा देना नहीं बल्कि लेना है। जो 25 हजार करोड़ रुपये सहारा सेबी के खाते में जमा कराये गये थे, उनको भी वापस मिलने का झांसा वह निवेशकों को देते रहते थे। सहारा मीडिया में जब वेतन को लेकर आंदोलन हुआ तब भी सुब्रत राय ने इसी तरह की बात कही थी। तिहाड़ जेल में बंद सुब्रत राय से मिलने गये आंदोलनकारियों के प्रतिनिधिमंडल से सुब्रत राय ने कहा था कि उन्हें सेबी को पैसा देना नहीं बल्कि लेना है। सेबी के गलत रास्ता अख्तियार करने से सहारा ग्रुप में भुगतान की दिक्कत आ रही है। बाद में सहारा ग्रुप ने सेबी के खिलाफ बड़ा आंदोलन भी किया था।

देखने की बात यह है कि देश में सहारा निवेशकों के भुगतान का मुद्दा विभिन्न विधानसभाओं के साथ ही लोकसभा में भी उठा। तमाम संगठन निवेशकों के भुगतान को लेकर आंदोलन भी कर रहे हैं। तमाम एफआईआर दर्ज कराई गई। सहारा रिफंड पोर्टल भी लांच किया गया। वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में यहां तक कह दिया कि दस्तावेज लाएं और अपना पैसा ले जाएं। सब कुछ हुआ पर निवेशकों का भुगतान न हो सका। यह स्थिति तब है जब सहारा सेबी के अकाउंट में निवेशकों का भुगतान करने के लिए 25000 करोड़ रुपये जमा कराये गये थे और इनमें से 5000 करोड़ रुपये केंद्र सरकार ने निकाल भी लिये हैं। दरअसल भुगतान को लेकर विभिन्न राज्यों से लेकर दिल्ली जंतर मंतर-रामलीला मैदान तक आंदोलन हो रहे हैं। हजारों के संख्या में एजेंटों के आत्महत्या करने की भी खबरें सामने आ रही हैं। स्थिति यह हो चुकी है कि निवेशक एजेंटों के घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। निवेशक उनकी जमीन कब्जा ले रहे हैं। गोली मार देने के मामले भी सामने आये हैं। मतलब एजेंटों और निवेशकों के बीच लगातार मारपीट की खबरें सामने आ रही हैं।

यूपी में भारत बंद का असर: सपा-बसपा और भीम आर्मी के कार्यकर्ता उतरे सड़कों पर

लखनऊ। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले को लेकर यूपी के अलग-अलग जिलों में सपा, बसपा, कांग्रेस और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। अंबेडकरनगर में युवाओं ने नेशनल हाईवे जाम कर दिया जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। बलरामपुर में भीम आर्मी के कार्यकताओं ने जुलूस निकाला और नारेबाजी की। वहीं, झांसी में प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर यूपी डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंट्रोल रूम से खुद तैयारियों को परखा और बंद की आड़ में हिंसा करने की साजिश करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटने का निर्देश दिया। डीजीपी ने बताया कि बंद को शांतिपूर्ण एवं प्रजातांत्रिक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद हैं। फिलहाल पूरे प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और संगठनों के ज्ञापन अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे हैं।

डीजीपी मुख्यालय द्वारा जिलों को आठ कंपनी केंद्रीय सुरक्षा बल मुहैया कराया गया है। जिलों में भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार भ्रमण कर रहे हैं। जो भी उपद्रवी तत्व गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकरनगर: बांदा नेशनल हाईवे जाम कर दिया...अंबेडकरनगर में युवाओं ने बुधवार सुबह नेशनल हाईवे जाम कर दिया। आरक्षण में क्रीमी लेयर तय करने के फैसले पर प्रतिक्रिया के स्वरूप बड़ी तादाद में पहितीपुर बाजार के निकट युवक एकत्र हुए और टांडा से बांदा नेशनल हाईवे जाम कर दिया। इससे बड़ी तादाद में वाहन वहां फंस गए। इसमें एंबुलेंस के साथ ही स्कूली वाहन शामिल रहे। जाम की खबर पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया। इससे पहले करीब एक घंटे तक वहां मार्ग जाम रहा।

झांसी: भारत बंद के समर्थन में कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ता...अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के हाल में आए फैसले को लेकर भारत बंद के आह्वन पर बसपा, कांग्रेस समेत अन्य दलों के कार्यकर्ता बुधवार को भारी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां सुरक्षा को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा। नवाबाद, कोतवाली, प्रेमनगर, सदर बाजार समेत कई थानों का फोर्स भी मौजूद रहा। कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट के अंदर पहुंचने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उनको बाहर ही रोक दिया। इस दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। उधर, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दोपहर तक बंद बेअसर दिखाई पड़ा। महानगर के प्रमुख बाजार पूरी तरह खुले रहे। मानिक चौक, बड़ा बाजार, इलाइट, सीपरी बाजार समेत सदर बाजार में दुकानें खुली रहीं। यहां लोगों की भीड़ भी दिखाई पड़ी।

बलरामपुर: भारत बंद के समर्थन में भीम आर्मी के पदाधिकरियों ने निकाला जुलूस...आरक्षण मामले को लेकर भारत बंद के आह्वान पर बुधवार को भीम आर्मी के कार्यकताओं ने शहर में जुलूस निकाला। मांगों को लेकर नारेबाजी कर रहे कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। बहादुरपुर के पास भीम आर्मी के कार्यकर्ता एकजुट हुए। वहां से मांगों के समर्थन में कार्यकताओं ने जुलूस निकाला। भगवतीगंज से होते हुए जुलूस संतोषी माता मंदिर तिराहे के रास्ते से वीर विनय चौराहे से मेजर चौराहा तक निकाला गया। कार्यकताओं ने शहर का भ्रमण किया। बाद में मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। भारत बंद को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं।

अयोध्या: सपा, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी ने किया प्रदर्शन...अयोध्या में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कई संगठनों ने प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी, आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के प्रदर्शन को संभालने के लिए सिविल पुलिस के साथ सीआरपीएफ सड़क पर उतरी। सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा ने की रोकने की कोशिश की। समाजवादी पार्टी गुलाबबाड़ी से जुलूस लेकर शहर में निकली तो भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने कचहरी गेट पर प्रदर्शन किया। पुलिस व सीआरपीएफ ने बीच में ही रोका जुलूस। तीनों संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा को सौपा ज्ञापन। संगठनों का दलित आरक्षण में छेड़छाड़ ना करने की मांग। आजाद समाज पार्टी ने कहा कि फैसला ना हुआ वापस तो दिल्ली में होगा आंदोलन।

सुल्तानपुर: भारत बंद का मिला जुला असर, दुकानदारों से उलझे भीम आर्मी के कार्यकर्ता...सुल्तानपुर में भारत बंद के आह्वान का मिला जुला असर रहा। शहर में अधिकांश दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान खोले। आरक्षण का विरोध कर रहे दलित संगठनों व पार्टियों के कार्यकताओं ने दुकानें बंद कराने को लेकर नोकझोंक भी की। पुलिस वालों ने किसी तरह उन्हें शांत कराया। भीम आर्मी, बसपा सहित कई दलित संगठन व पार्टियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बुधवार को आवास विकास कॉलोनी में इकट्ठा हुए। आरक्षण के विरोध में नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला गया जो बांसमंडी, कलेक्ट्रेट, दीवानी तिराहा, डीएम आवास होते हुए वापस कलेक्ट्रेट पहुंचा। इस बीच भीम आर्मी के कार्यकर्ता ज्यादा गुस्से में दिखे और दुकानें बंद कराने के लिए दुकानदारों को धमकाते नजर आए। जुलूस के साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने बीच बचाव किया, जिसके चलते विवाद बढ़ने नहीं पाया। उनकी इस हरकत से स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। एसपी सोमेन बर्मा ने बताया कि शांतिपूर्ण माहौल रहे, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया है। उपद्रव करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

आगरा: हाईअलर्ट मोड पर रही पुलिस...आगरा में आरक्षण के उपवर्गीकरण को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इसके विरोध में युवा सड़कों पर उतरे। इस दौरान हजारों की संख्या में दलित युवा हाथों में नीला झंडा लेकर प्रदर्शन किया। विरोध के दौरान भारत बंद का भी ऐलान किया गया था। भारत बंद को लेकर पुलिस हाई अलर्ट मोड पर रही। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के टेढ़ी बगिया, पंचकुइया चौराहे सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं ने प्रदर्शन किया।

बरेली: बंद का आह्वान तो बेअसर, कई संगठनों के लोगों ने किया प्रदर्शन...बरेली में 'भारत बंद' का आह्वान तो बेअसर दिखाई दिया, लेकिन आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी समेत तमाम संगठनों के लोगों ने सड़कों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सैकड़ों प्रदर्शनकारी चौकी चौराहे पर बैठ गए।

पूसा: प्रखंड मुख्यालय को घेरकर भाकपा-माले कार्यकताओं ने किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

- चलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी के बावजूद अपना हक मांगने के लिए गांव-गांव से प्रखंड मुख्यालय पर बड़ी संख्या में पहुँचीं महिलाएं
- सभी गरीब परिवारों को सरकार द्वारा घोषित 2 लाख रुपये की सहायता राशि देने में सरकार ने आय प्रमाण पत्र का झमेला बना रखा है : अमित कुमार
- प्रखंड प्रशासन के द्वारा 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है : माले

दीपक तिवारी।
समस्तीपुर/पूसा। 95 लाख महागरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि अविलंब देने, पूसा थानाध्यक्ष व 112 वाहन पर तैनात दारोगा अजय कुमार को पूसा से हटाने, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल आवासीय जमीन देने, सबको पक्का मकान व 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, चंदौली पंचायत के वार्ड संख्या 01 में करीब 03 वर्ष से अधर में लटकी नल जल योजना को चालू कराने, मनरेगा में लूट-खसोट व फर्जी निकासी पर रोक लगाने, मजदूरों को 200 दिन काम व 600 रुपए दैनिक मजदूरी देने, जनहित में बिरौली चौक पर अविलंब स्पीड ब्रेकर व गोलंबर का निर्माण कराने,आँगनबाड़ी व राशन-किरासन वितरण में गड़बड़ी पर रोक लगाने, जरूरतमंदों को पशु शेड का लाभ लेने, शौचालय निर्माण की लंबित राशि का भुगतान शीघ्र करने, एमएसपी की गारंटी, सिंचाई साधन, कृषि विकास,रोजगार,पलायन, शिक्षा-स्वास्थ्य, सड़क, ग्रामीण विकास, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने, 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने, हरपुर पंचायत के वार्ड 14 में नल जल के अनुरक्षक के बकाया राशि का भुगतान शीघ्र करने व वार्ड 9 में अतिक्रमण खाली कराकर रास्ता चालू कराने समेत अन्य जनसमस्याओं को लेकर भाकपा-माले के सैकड़ों कार्यकताओं ने पूसा मानस मंदिर से जुलूस निकालकर बैंक चौक- थाना होते हुए प्रखंड मुख्यालय पर पहुंचकर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की।

मौके पर एक सभा का आयोजन किया गया...अध्यक्षता भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार ने की। सभा को खेग्रामस जिलाध्यक्ष उपेन्द्र राय,माले जिला कमिटी सदस्य किशोर कुमार राय, रौशन कुमार यादव, महेश कुमार, खेग्रामस प्रखंड सचिव सुरेश कुमार समेत अन्य दर्जनों कार्यकताओं ने संबोधित किया सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार ने कहा कि गरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की दिशा में सरकार के प्रयास नाकाफी हैं। सरकार ने आय प्रमाण पत्र का झमेला बना रखा है। प्रखंड प्रशासन के द्वारा 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है। इसका मतलब है कि जरूरतमंदों को सही अर्थों में इस योजना का लाभ नहीं देने की योजना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रखंड में मनरेगा योजनाओं में बड़े पैमाने पर लूट-खसोट जारी है। प्रखंड क्षेत्र में चल रहे किसी भी एक योजना को बतौर उदाहरण सामूहिक रूप से जांच कराई जाए। मनरेगा में की जा रही हेराफेरी व भ्रष्टाचार सामने आ जाएगी। मौके पर प्रखंड कमेटी सदस्य रविन्द्र सिंह, सुनिता देवी, अखिलेश सिंह, जितेन्द्र राय, खेग्रामस प्रखंड अध्यक्ष मो.इस्तखार, भाग्यनारायण राय,अजय कुमार, अमृता देवी,संगीता देवी,जुबली देवी,गुड़िया देवी,चंदा देवी,विनोद राम,जितेंद्र राम,संतोष राम,अशोक राम, शिव जी मांझी, अंजना कुमारी,ममता देवी,निभा कुमारी, संगीता देवी, खुशबू देवी,मनीषा कुमारी, मुन्नी कुमारी,शोभा देवी,रेणु देवी, पूनम देवी,पंकज राम,मिथिलेश पासवान आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बिहार: अबे कैटेगरी की सिक्योरिटी में रहेंगी मंत्री लेसी सिंह,सांसद देवेश चंद्र और विवेक ठाकुर को मिली

यह है इसकी वजह

दीपक कुमार तिवारी।
पटना। बिहार सरकार में खाद्य-आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। ये फैसला पुलिस और खुफिया एजेंसियों द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें पूर्णिया और आसपास के इलाकों में सक्रिय बाहुबलियों से मंत्री को गंभीर खतरा बताया गया है। पूर्णिया और आसपास के इलाकों में दो चुनावों के बाद से ये खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा, दो सांसदों देवेश चंद्र ठाकुर और विवेक ठाकुर को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी।

हाल ही में पूर्णिया में लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव हुए थे, जिनमें लेसी सिंह ने अपनी पार्टी का नेतृत्व किया था। पुलिस के अनुसार, चुनावों में मिली हार से बौखलाए कुछ बाहुबली नेता और असामाजिक तत्व मंत्री को नुकसान पहुंचाने की फिराक में हैं। इस खतरे को देखते हुए, बिहार सरकार की सुरक्षा संबंधी समिति ने लेसी सिंह को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की थी।

जेड श्रेणी की सुरक्षा में लगभग 22 सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। इसके साथ ही, दो सांसदों, सीतामढ़ी से जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर और नवादा से बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर को भी वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। पुलिस रिपोर्ट में इन दोनों सांसदों पर भी खतरा बताया गया है।

वाई श्रेणी की सुरक्षा में लगभग 11 सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। लेसी सिंह जेड श्रेणी की सुरक्षा पाने वाली बिहार की पहली महिला मंत्री होंगी। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा को भी बिहार सरकार द्वारा जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त है।

संविधान रक्षा के नाम पर उपद्रवियों का तांडव

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भारत बंद के मायने क्या हैं

दीपक कुमार तिवारी।
पटना। विपक्ष संविधान की दुहाई देते नहीं थकता। नरेंद्र मोदी पर संविधान के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाता है। पर, हकीकत इसके ठीक उलट है। सभी जानते हैं कि संविधान के तहत ही सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई है। इसे सरकार से ऊपर का दर्जा हासिल है। आम आदमी के लिए तो सुप्रीम कोर्ट भगवान के मंदिर से कम मान नहीं रखता। जब आदमी प्रशासन या सरकार से न्याय की उम्मीद खो देता है तो वह अदालतों की शरण में जाता है। अदालतों में सर्वोच्च सुप्रीम कोर्ट है। उसे तो बड़े देवालय का मान आम आदमी के मन में है। पर, राजनीतिक दलों के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी संदिग्ध हो जाते हैं। जी हां, अगर ऐसा नहीं होता तो अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सड़क पर विरोध नहीं होता। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लाक ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर बवाल मचाया है। आज (बुधवार) देश भर में विपक्ष ने इस फैसले के खिलाफ बंद रखा। बंद सफल रहा या विफल यानी जनता का इसे समर्थन मिला या विरोध हुआ, हमारी चिंता का मूल यह नहीं है। सूचनाओं के मुताबिक बंद से लोगों को तकलीफ जरूर हुई। बिहार में कई स्थानों पर ट्रेनें रोकी गईं। लोग रेल पटरियों पर बैठ गए। देश के दूसरे हिस्सों में भी बंद से थोड़ी-बहुत परेशानी लोगों को झेलनी पड़ी। विपक्ष इस पर इतरा भी रहा होगा। बंद की सफलता के दावे विपक्ष करेगा तो सत्ता पक्ष इसे जनता द्वारा खारिज किए जाने का प्रतिदावा करेगा। पर, समस्या बंद की सफलता या विफलता को लेकर नहीं है।

जिन राजनीतिक दलों को संवैधानिक व्यवस्था पर आपत्ति है, उससे आप संविधान की रक्षा की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। अदालतों में जब कोई मामला चल रहा होता है या अदालतें कोई फैसला सुनाती हैं तो उस पर किसी तरह की टीका-टिप्पणी न करने का ज्ञान अब तक सबको दिया जाता रहा है। विपक्ष भी नरेंद्र मोदी को संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा कर दलील देता रहा है कि उसके ही हाथ में संविधान सुरक्षित है। इस मुद्दे पर विपक्ष का प्रहसन तो ऐसा कि सभाओं से लेकर संसद में शपथ ग्रहण तक विपक्षी नेता संविधान की प्रतियां लेकर लहराते हैं। उनकी जेबों या बैग में संविधान की प्रति ऐसे हमेशा साथ रहती है, जैसे कभी भूत पूर्व पीएम विश्वनाथ प्रताप सिंह बोफोर्स घोटाले बाजों के नाम-नंबर का कागज जेब में लेकर घूमते थे। उन्होंने वह कागज कभी किसी को नहीं दिखाया या दिया, लेकिन दावा जरूर करते थे कि उनके पास घोटालेबाजों के तमाम ब्यौरे की फेहरिस्त पास है।

संविधान में शासन, प्रशासन और न्याय के लिए तीन अंगों की व्यवस्था के बारे में राजनीति शास्त्र का कोई भी विद्यार्थी जानता है। यहां तक कि देश की बहुतायत जनता को भी इस व्यवस्था के बारे में बेहतर पता है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में सर्वोच्च स्थान न्यायपालिका को मिला है। दुनिया में भारतीय न्याय व्यवस्था का आदर भी है। इसका एक ही उदाहरण काफी होगा। देश का प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी का चुनाव हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई बड़ी राहत नहीं मिली। न्यायपालिका को पंगु बनाने के लिए उसके बाद इंदिरा गांधी ने क्या किया, वह 50 पार उम्र वाले सभी लोग जानते हैं।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उस पर आपत्ति का निवारण भी न्यायिक तौर पर ही संभव है। इसमें संविधान प्रिय कोई ईमानदार सरकार हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सरकार करेगी तो फिर वह इंदिरा गांधी के कारनामों की ही पुनरावृत्ति मानी जाएगी, जिसके लिए केंद्र सरकार ने आपातकाल की बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। जनता को इस पर सोचना होगा कि संविधान के साथ छेड़छाड़ की नियत किसकी है। क्या नरेंद्र मोदी की सरकार न्यायपालिका को लाचार बनाना चाहती है, जैसा विपक्ष आरोप लगाता रहा है या वे विपक्षी जो संविधान रक्षा की शपथ दोहराते थकते नहीं।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में 1383 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

संवाददाता।
मोतिहारी। जिले की बढ़ती जनसंख्या पर रोक को लेकर 11 से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा आयोजित किया गया था । जिसमें जिले के 1383 महिलाओं ने अपना सफल बंध्याकरण कराया है। वहीं 10 पुरुषों ने नसबन्दी करायी है। जिले के डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि 3 माह पर अनचाहे गर्भ को रोकने हेतु आयुसीडी 398, पीपीआयुसीडी 1 हजार 386, 2 हजार 733 अंतरा इंजेक्शन लगाए गए। जिले में 79 हजार 560 कंडोम वितरित हुए, 17 हजार 419 माला एन, 18 हजार 816 छाया, 11 हजार 129 आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली वितरित की गई। उन्होंने बताया कि बढ़ती जनसंख्या को लेकर समुदाय को जागरूक करना बेहद जरुरी है तभी जिले की जनसंख्या पर स्थिरता सम्भव होगा।

डीसीएम नंदन झा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु लोगों को सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में जागरूक करना होगा वहीं परिवार नियोजन सेवाओं के तहत प्रदान की जाने वाली सेवा यथा- कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई/एमपीए, बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर बल देना आवश्यक है। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी भारत भूषण ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी कराई जाती है। महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया आसान है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है।

धान के किसानों के लिए कवच बन रहा नींबू

ऐसे रस के छिड़काव से फसल को बना सकते हैं हरा भरा

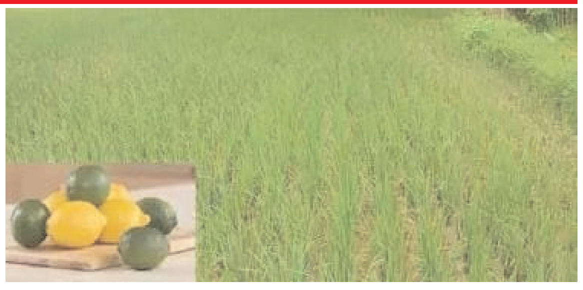

दीपक/शालिनी।
पटना/जमुई। नींबू के घोल का छिड़काव करके किसान बड़े ही आसानी से अपने धान की फसल को और अधिक हरा भरा बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें बहुत अधिक रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि नींबू सभी जगह पर आसानी से उपलब्ध है। कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम प्रमुख डॉ. सुधीर कुमार ने बताया कि नींबू में प्राकृतिक रूप से एंटीफंगल और एंटी बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जिसके कारण धान की फसल में फफूंद और बैक्टीरिया नहीं लगता है।

नींबू में विटामिन सी और अन्य पोषक तत्व भी पाया जाता है, जो पौधों के विकास में बहुत ही सहयोगी होता है। नींबू का घोल धान के पौधों की पत्तियों को चमकदार बनाने का काम करता है। आमतौर पर पटवन के दौरान धान की फसल को शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है, जिसके कारण उसका समुचित तरीके से विकास बड़े ही मुश्किल से हो पाता है। इसका घोल पानी की गुणवत्ता में भी सुधार करता है, जिसके कारण पौधों को समुचित पोषण मिल जाता है।

इस कारण पौधों की बड़ी तेजी से वृद्धि होती है। यह कीट प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके घोल को तैयार करना और उसे फसल पर इस्तेमाल करना बहुत ही आसान है।इसका छिड़काव सप्ताह में एक बार जरूर करना चाहिए। यह न केवल पौधों को कई प्रकार के रोगों से बचाता है, बल्कि फसल के उत्पादन में भी सुधार करता है। लेकिन इस बात का हर हाल में ख्याल रखना चाहिए कि कोई भी किसान इसका छिड़काव सीधे पौधों पर ना करें। इससे पत्तियां जल जाती है और उनका विकास थम जाता है।

अहमदाबाद की टीम ने लिया नलजल योजना क्रियान्वयन का जायजा

विभिन्न बिंदुओं की ली जानकारी,कई बिंदुओं पर चर्चा

मुजफ्फरपुर।
दीपक तिवारी। जिले के बन्दरा प्रखंड के मुन्नी बैंगरी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 10 में मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के तहत लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा संचालित नल जल योजना के बेहतर रख रखाव हेतु अहमदाबाद की टीम ने निरीक्षण किया। जिसमें आर्घ्यम (अहमदाबाद) से श्रीचंद टावा, पंकज कुमार एवं आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम (भारत) से जिला प्रबंधक अभिजीत कुमार ,प्रखंड प्रबंधक आबिद रजा और अंगद कुमार आजाद शामिल थे।टीम ने जल शुल्क वसूली पंजी , आय व्यय संधारण पंजी तथा सभी दस्तावेज संधारण के लिए अवनी एप,जल शुल्क वसूली के लिए एम ग्राम सेवा एप पर विस्तृत रूप से जानकारी साझा किया।इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। सम्बंधित वार्ड सदस्य रूपा कुमारी एवं पति गोपाल द्विवेदी ने बताया की नलजल योजना के क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न जानकारियों पर टीम के सदस्यों ने चर्चा की।

नीतीश कैबिनेट की बैठक,लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

संवाददाता।
पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कैबिनेट की बैठक बुलाई थी. मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लगी है. कुल 31 एजेंडों पर मुहर लगी है. पटना सदर अंचल को विभाजित करने का निर्णय लिया गया है. कुल चार अंचल पटना सदर, पाटलिपुत्र अंचल, पटना सिटी अंचल दीदारगंज अंचल का गठन किया गया है.

पाटलिपुत्र अंचल में दीघा, शेखपुरा, चितकोहरा हल्का को शामिल किया गया है. अगर पुलिस थाना की बात करें तो नव प्रस्तावित पाटलिपुत्र आंचल में दीघा, राजीव नगर, हवाई अड्डा, पाटलिपुत्री, शास्त्री नगर और गर्दनीबाग को लिया गया है. वहीं पटना सदर अंचल में राजापुर, मीठापुर, कंकड़बाग और बांकीपुर हल्का को लिया गया है. इसमें बुद्धा कॉलोनी, कोतवाली श्री कृष्णा पुरी, जक्कनपुर, गांधी मैदान, पीरबहोर, कदम कुआं, कंकड़बाग, पत्रकार नगर और सचिवालय थाना को शामिल किया गया है. जबकि पटना सिटी अंचल में किलेदारी, अजीमाबाद, सैदपुर और कुम्हरार हल्का को लिया गया है. पटना सिटी अंचल में बहादुरपुर, सुल्तानगंज, आलमगंज, खाजेकला , चौक,, मालसलामी, मेहंदी गंज और अगम कुआं पुलिस थाना को रखा गया है. प्रस्तावित दीदारगंज अंचल में रानीपुर, नगला, सबलपुर, पुनाडीह, महुली, सोनावां, फतेहपुर और मरची हल्का को लिया गया है. पुलिस थाना की अगर बात करें तो दीदारगंज, नदी और बाईपास थाना नव प्रस्तावित दीदारगंज अंचल में होंगे. बिहार के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति संशोधन नियमावली 2024 के अनुमोदन की स्वीकृति दी गई है. खेल विभाग में खेल अकादमी एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक के क्रिकेट स्टेडियम के संचालन के लिए विभिन्न कोटि के 33 संविदा आधारित पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है. खेल विभाग में जिला स्तर पर विभिन्न कोटि के 466 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है .मद्य निषेध और उत्पाद अधिनियम के तहत सहरसा में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश का एक पद सृजित किया गया है. नगर निकाय के कर्मियों को सप्तम वेतन का लाभ दिए जाने की स्वीकृति दी गई है .पटना उच्च न्यायालय की स्थापना में आईटी संवर्ग में प्रोग्रामर के दो पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है.

बिहार के इंजीनियरिंग कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के कुल 116 पद जिसमें अंग्रेजी 67, भौतिक 30 पद एवं गणित के 19 पद के सृजन की स्वीकृति दी गई है. पॉलिटेक्निक संस्थानों में व्याख्याता के 131 पद जिनमें अंग्रेजी के 37, भौतिकी के 29, रसायन शास्त्र के 36 एवं गणित के 29 पद के सृजन की स्वीकृति दी गई है . लघु जल संसाधन विभाग में वाहन चालक के तीन अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है . स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष 16 अगस्त को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की स्वीकृति दी गई है.

'नीतीश कुमार थके हुए CM', अचानक मुख्यमंत्री के खिलाफ ये क्या बोल गए तेजस्वी यादव?

दीपक कुमार तिवारी।
पटना। आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में आंदोलन चल रहा है। इसे लेकर बुधवार को भारत बंद का भी आह्वान किया गया है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। तेजस्वी ने कहा कि हम लगातार कहते आ रहे हैं कि केंद्र सरकार आरक्षण के खिलाफ है और अब इसकी तस्वीर भी सामने आ रही है, आज हमने उसी का विरोध किया है। इस दौरान तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के साथ-साथ चिराग पासवान पर भी निशाना साधा और कहा कि क्या ये लोग और इनके परिवार के अन्य सदस्य आरक्षण का लाभ नहीं ले रहे हैं। सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करने से काम नहीं चलेगा, हमें हकीकत की बात करनी होगी।

बिहार में बढ़ते अपराध पर उन्होंने कहा कि हर दिन बिहार के अलग-अलग जिलों में अपराधी बिना किसी डर के खुलेआम अपराध कर रहे हैं। कल का ही उदाहरण लें, हाजीपुर में एक जनप्रतिनिधि को हथियारबंद अपराधियों ने एक-दो नहीं बल्कि पांच गोलियां मारकर हत्या कर दी। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछना चाहते हैं कि क्या यह आपका सुशासन है। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री थक चुके हैं और अब उनमें सरकार चलाने की क्षमता नहीं रही। चंद अधिकारी और अपराधी वर्ग के लोग सरकार चला रहे हैं।

बता दें कि अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने बुधवार को 'भारत बंद' का आयोजन किया। यूपी में सपा, बसपा, आजाद पार्टी समेत तमाम संगठनों ने भारत बंद को अपना समर्थन दिया। लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर बसपा कार्यकताओं ने अंबेडकर प्रतिमा के पास विरोध-प्रदर्शन किया।

इस दौरान उनके हाथों में आरक्षण बचाने को लेकर बैनर-पोस्टर भी देखने को मिला। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों के 'अभी तो ये अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है' जैसे नारे लगाते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बहन जी (मायावती) के निर्देश पर समाज के लोग एकत्रित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सरकार ने बैक डोर से लागू करवाया। सरकार को चाहिए कि वह इस पर अध्यादेश लाए और इसे संविधान की नौवीं सूची में डालें, ताकि कोई भी कोर्ट इसके खिलाफ फैसला न दे सके। दलितों को संविधान के तहत जो मूल आरक्षण मिला है, वही हमें चाहिए।

पटना के कॉलेज में AI वीडियो देखकर लड़कियां हैं शॉक्ड, अब डरा रहे हैं बदमाश

दीपक कुमार तिवारी।
पटना। बिहार की राजधानी पटना से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) का इस्तेमाल करके लड़कियों को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि बदमाश सोशल मीडिया से लड़कियों की तस्वीरें निकालकर, अक की मदद से आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना रहे। फिर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर पैसे की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पटना के एक नामी कॉलेज की कई छात्राएं इस ब्लैकमेलिंग का शिकार भी हो गईं हैं। कुछ छात्राओं ने बदनामी के डर से बदमाशों को 10 से 15 हजार रुपये तक दे दिए हैं।

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित कॉलेज की लगभग आठ छात्राओं ने पटना के साइबर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। छात्राओं ने बताया कि बदमाश सोशल मीडिया से उनकी तस्वीरें लेकर एआई की मदद से आपत्तिजनक बना देते हैं और फिर ब्लैकमेल करते हैं। कुछ छात्राओं ने बदनामी के डर से बदमाशों को पैसे भी दे दिए। उनका कहना है

कि जिन छात्राओं ने पैसे नहीं दिए, उनकी फर्जी आईडी बनाकर आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी गईं। छात्राओं ने साइबर थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में बताया गया है कि एक छात्रा को पता चला कि उसकी आपत्तिजनक तस्वीर और वीडियो किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दी है। उसने उस व्यक्ति से चैट करके ऐसा ना करने को कहा, इसके बदले में उससे पैसे मांगे जाने लगे। बदनामी के डर से उसने 10 हजार रुपये दे दिए। जब और पैसे मांगे गए तो उसने देने से मना कर दिया। शुरूआत में तो पीड़ित छात्राएं बदनामी के डर से चुप रहीं, लेकिन बाद में कॉलेज में एक छात्रा ने अपने साथ हुई घटना के बारे में अपने दोस्तों को बताया। यह सुनकर बाकी छात्राओं ने भी अपने साथ हुई घटनाओं का जिक्र किया और फिर उन्होंने पुलिस में शिकायत करने का फैसला किया।

वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के मामलों में शिकायत मिलते ही तुरंत कार्रवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि अब तक जितने भी मामले सामने आए हैं उनमें से ज्यादातर में आरोपी कोई जान पहचान वाला ही निकला है। कई मामलों में तो गिरफ्तारियां भी हुई हैं। एसएसपी ने लोगों से अपील की है कि वे फेसबुक, इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स को अच्छे से मैनेज करें। आजकल ऐसी सेटिंग्स मौजूद हैं जिनकी मदद से आप अपनी तस्वीरों को डाउनलोड होने से बचा सकते हैं।

साइबर क्राइम से बचने के लिए सोशल मीडिया पर करें यह सेटिंग :...सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।

सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करने से बचें।

सोशल मीडिया अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग्स को अच्छे से मैनेज करें।

किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना मोबाइल नंबर या व्हाट्सएप नंबर न दें।

अगर कोई आपको ब्लैकमेल करता है तो उसे पैसे बिल्कुल न दें और तुरंत पुलिस को सूचित करें।

चरण सिंह

विचार

ऐसा फैसला तो नहीं दे दिया सुप्रीम कोर्ट ने ?

एससीएसटी कोटे में से कोटा का मामला कोई केंद्र सरकार का तो है नहीं। यह तो सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। यह तो सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सीवर की सफाई करने वाले और बुनकर दूसरे दलितों से पिछड़े हुए हैं। ऐसा भी नहीं है कि सभी दलितों में समानता है। अंतर तो होता ही है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि क्रीमीलेयर का मामला अलग है। ऐसा भी नहीं है कि दलितों का आरक्षण छीनकर ओबीसी या फिर जनरल को देने की बात की जा रही हो। यह तो एससीएसटी आरक्षण में ही व्यवस्था की बात है।

दरअसल आदिवासी संगठनों ने हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए मजबूत प्रतिनिधित्व और सुरक्षा की मांग को लेकर 'भारत बंद' का आह्वान किया था। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी मांगों की एक लिस्ट भी जारी की। यह आह्वान सुप्रीम कोर्ट द्वारा रउ-रळ आरक्षण में क्रीमीलेयर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ मोर्चा ने किया था। क्रीमीलेयर के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कई दलित और आदिवासी संगठनों ने ये बंद बुलाया था। वैसे तो लगभग हर राज्य में भारत बंद का मिलाजुला असर रहा पर बिहार में इसका आंशिक असर देखा गया।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों एक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि सभी रउ-रळ जातियां और जनजातियां समान वर्ग नहीं हैं। कई जातियां ज्यादा पिछड़ी हो सकती हैं। इसके लिए अदालत ने सीवर की सफाई करने वाले और बुनकर का काम करने वालों का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही जातियां रउ कैटेगरी में आती हैं। इस जाति से आने वाले लोग बाकी लोगों से ज्यादा पिछड़े हैं। इंदौर में इस बंद का कोई खास असर नजर नहीं आया।

सलाह एक माँगो सौ मिलेंगी पर साथ बड़ी मुश्किल से

ऊषा शुक्ला

सलाह देना तो सभी को अच्छा लगता है पर लेना कोई क्यों पसंद नहीं करता? व्यक्तिगत जीवन में बहुत बार ऐसी स्थिति आ जाती है कि हमारे समझ में ही नहीं आता है कि अब हम क्या करें? तो ऐसी स्थिति में बड़े बुजुर्गों या अनुभवी लोगों से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। लेकिन जो लोग बिना मतलब की सलाह देते हैं तो यह आप पर निर्भर करता है कि आप उनकी सलाह माने अथवा न माने। और दूसरी बात सलाह उसी को देनी चाहिए जो आपकी सलाह का सम्मान करे और सलाह उसी को देनी चाहिए जो आपसे सलाह मांगे बिना मांगे किसी को भी कोई सलाह नहीं देनी चाहिए।

आज कल हर कोई अपने आप को बहुत अक्लमंद समझता है । एक बार किसी से एक सलाह माँग तो लो । फिर देखो कैसे सलाह देने वाले लोगों की भीड़ मच जाएगी ,सब अपने अपने तरीके से इस तरह से सलाह देंगे ।पर एक बार साथ माँग कर देख लो ।इस भीड़ में शायद ही कोई भी आपका साथ देने के लिए खड़ा हो जाए । यही अटल सत्य है। मुख से बोलना आसान है और शरीर से खड़े होना बहुत अधिक मुश्किल कार्य हैं।

सलाह देते ही क्यों हो ? जरुरत क्या है , किसी को सलाह देने की । अगर किसी व्यक्ति में होगी तो लोग उनके पास सलाह लेने अपने आप चले आएंगे। काबिल व्यक्ति द्वारा दी गई सलाह , उन लोगों को पसंद भी आएंगी वो लोग अम्ल भी करेंगे।

निठल्ले लोगों के पास कोई काम नहीं होता। इसलिए वे लोग सलाह देते फिरते हैं। आप ही सोचिए , उनकी सलाह कोई मानेगा । ऐसे लोगों को सलाह देने की आदत होती है और समझदार लोग उनकी सलाह नापसंद करते हैं। सलाह के आदान प्रदान का पसंद नापसंद होना। दोनों व्यक्तियों के स्वभाव पर निर्भर करता है।सलाह का आदान प्रदान बहुत जरूरी है। समझदार लोग बेमतलब एवं फालतू की सलाह कभी नहीं देते हैं । और न ही किसी से लेते हैं। निठल्ले एवं फालतू लोगों से वे दूर रहते हैं।

सलाह देना व लेना किसी को भी पसंद नहीं आता। मगर जरूरत पड़ने पर आदान प्रदान करना जरूरी है।

एक बार एक पक्षी समुंदर में से चोंच से पानी बाहर निकाल रहा था। दूसरे ने पूछा भाई ये क्या कर रहा है। पहला बोला समुंदर ने मेरे बच्चे डूबा दिए है अब तो इसे सूखा कर ही रहूँगा। यह सुन दूसरा बोला भाई तेरे से क्या समुंदर सूखेगा। तू छोटा सा और समुंदर इतना विशाल। तेरा पूरा जीवन लग जायेगा। पहला बोला देना है तो साथ दे। सिर्फ.सलाह नहीं चाहिए। यह सुन दूसरा पक्षी भी साथ लग लिया। ऐसे हजारों पक्षी आते गए और दूसरे को कहते गए सलाह नहीं साथ चाहिए। यह देख भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ जी भी इस काम के लिए जाने लगे। भगवान बोले तू कहा जा रहा है तू गया तो मेरा काम रुक जाएगा। तुम पक्षियों से समुंदर सूखना भी नहीं है। गरुड़ बोला भगवन सलाह नहीं साथ चाहिए। फिर क्या ऐसा सुन भगवान विष्णु जी भी समुंदर सुखाने आ गये। भगवान जी के आते ही समुंदर डर गया और उस पक्षी के बच्चे लौटा दिए।

अगर कभी भी - कही भी, किसी को मदद चाहिए हो तो सलाह न दे कर, साथ देने वाले बन जाइए।

इसलिए सलाह नहीं साथ दें। जो साथ दे दे सारा भारत, तो फिर से मुस्कुरायेगा भारत।* कई लोग मैंने ऐसे देखे हैं जो हर मामले में सलाह देने लगते हैं, भले ही उन्हें उस विषय की जानकारी हो या न हो. कोई भी इतना परफेक्ट नहीं हो सकता कि हर काम में महारत हासिल कर लें, किसी न किसी विषय पर तो दूसरे से सलाह लेनी पड़ती है.

*लेकिन कुछ मानसिक विकृतियां ऐसी होती हैं जिनकी वजह से मनमानी करने लगते हैं और नुकसान झेलते हैं.हर चीज का नजरिया होता हैङ्क सलाह मांगी गयी है? या, आप खुद से होकर बताना चाह रहे हो?

आज कल तो सालाहगार एक तरह का सेल्समन बन गया है जो अपनी पोटली का माल जायेगा या नही सिर्फ उतना ही बता सकता है. बस यही चीज बहुत प्रताड़ित करती है.. आप खुद बुला बुला के बुलाते हो आओ में आपकी इस चिंता को दूर करणे का प्रयास करुंगा लेकीन आपसे बात कर चिंता बढ़ जाती है..

व्यक्तिविशेष कि रुचि.. आप उन्हें सलाह देने जा रहे हो वो आपकी बातें सुनने में कितना समय देते है? क्या आपके कहे अनुसार उनकी वास्तविक स्थिति बिलकुल आपके अंदाज जैसी है? के आप सिर्फ अपने तर्क के दम पे उनके साथ क्या हो सकता है उसका सोच सलाह देते हो?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

जादू-कला हो या जीवन-कला, कला के सच्चे उपासक हैं शंकर सम्राट

जादूगर सम्राट शंकर का हर शो पारिवारिक शो होता है। जादू ही एकमात्र ऐसा शो है जिसके एक-एक महीना तक टिकट शो लगते हैं और भारी भीड़ जमा होती है। बड़े से बड़े सिंगर- डांसर इत्यादि के एक आध या दो प्रोग्राम ही होते हैं जो पूरा परिवार के साथ बैठकर नहीं देखे जा सकते। शंकर अपनी कला के माध्यम से अंधविश्वास को दूर करते हैं हालांकि ये भी धार्मिक कपड़े पहनकर कुछ भी दिखाकर लोगों को भ्रमित करके पैसा कमा सकते हैं। बहुत से तथा कथित लोग दो-चार चीज सीख कर लोगों को गुमराह करते हैं।

जादूगर सम्राट शंकर का 1984 में एलेनाबाद, घाटकन, धनगवां, जहानाबाद, भारत में हुआ था और उनका पालन-पोषण श्री करणपुर में हुआ था। शांत लंबे और पतले शंकर का व्यक्तित्व सुंदर है। शैक्षणिक दृष्टि से, वह एक प्रतिभाशाली छात्र थे, जिन्होंने अपनी पढ़ाई एम.कॉम तक की, जादूगर सम्राट शंकर ने पंद्रह हजार से अधिक स्टेज शो किए हैं। वह एक जादू गुरु है जो अपने पचास सदस्यों की टीम के साथ तीन घंटे के शो में चमत्कार कर सकता है। जादू के प्रति उनकी प्रवृत्ति ने शंकर को 12 वर्ष की छोटी उम्र में विभिन्न प्रतिष्ठित जादूगरों के मार्गदर्शन में इस खूबसूरत कला में आगे प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। जादू के इतिहास में जादूगर सम्राट शंकर वास्तव में अद्वितीय हैं। वह भारत के कुछ विश्व स्तरीय कलाकारों में से एक हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार और जादूगर-सम्राट शंकर के आत्मीय मित्र

डॉ. रामनिवास 'मानव' कहते हैं,"जादू-कला हो या जीवन-कला, कला के सच्चे उपासक हैं शंकर मोदी। जादू-कला के क्षेत्र में तो इन्होंने पूरे विश्व में अपनी कीर्ति का परचम लहराया ही है, जीवन-कला के क्षेत्र में भी इनकी उपलब्धियां कुछ कम नहीं हैं। जादूगर बनने से पहले ही इन्होंने अपनी माता श्रीमती गीता देवी को वचन दिया था कि मैं जादू-कला का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करूंगा, स्वार्थ के लिए नहीं। अपने इस वचन का इन्होंने पूरी निष्ठा से पालन किया है। इसका प्रमाण यह है

कि विश्व-भर में जादू के तीस हजार शो करने वाले शंकर ने बीस हजार शो चैरिटी के लिए किये हैं और मात्र दस हजार शो अपने जीवन-यापन के लिए। जादू-कला हो या जीवन-कला, दोनों में मानवीय मूल्यों का समुचित सामंजस्य स्थापित करने वाले इस महान कलाकार को मेरा सादर नमन।"

सम्राट शंकर देश के ऐसे जादूगर हैं जो निरंतर अपनी जादू कला को समर्पित हैं। देश-विदेश में अब तक असंख्य जादुई शो कर चुके सम्राट शंकर जिस भव्यता से अपने शो करते हैं, उसके लिए उन्हें देश का नंबर वन जादूगर कहा जाता है। साथ ही इसलिए भी कि क्योंकि उनका जादू देश की अनेक बड़ी हस्तियाँ भी देख चुकी हैं। जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी, नरेन्द्र मोदी, रामनाथ कोविन्द, ज्ञानी जैल सिंह, भैरों सिंह शेखावात, अमित शाह, राजनाथ सिंह, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, जे पी नड्ड़ा, अर्जुन राम मेघवाल और मीनाक्षी लेखी तक कितने ही नाम हैं। यूं विभिन्न राज्यों के कितने ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ साथ धर्मेन्द्र, हेमा मलिनी, मनोज कुमार, अनिल कपूर, जूही चावला और कटरीना कैफ जैसी बहुत सी फिल्म हस्तियाँ भी उनके जादू से मंत्र मुग्ध हो चुकी हैं। मैंने स्वयं उनके जादुई शो कई बार देखे हैं। दूरदर्शन पर उनके जादू के साथ उनके इंटरव्यू की भी एक सीरीज मैंने की है।

शंकर के जादू की खास बात यह भी है कि उसे कितनी ही बार देख लें। लेकिन उसमें दिलचस्पी बराबर बनी रहती है। फिर वह अपने जादू में सामाजिक संदेश और शिक्षा देने के साथ दर्शकों को जागरूक करने का काम भी करते हैं। सम्राट शंकर बताते हैं-ह्यह्लमैंने जब 1973-74 के दौर में अपने जादुई खेलों की शुरूआत की थी। तभी से यह फैसला लिया था कि जादू के प्रति लोगों की जो भ्रांतियाँ हैं, जो अंधविश्वास है उसे दूर करूंगा। बहुत से लोग जादू को तंत्र-मंत्र यानि जादू-टोने का खेल मानते हैं। लेकिन मैं शुरू से कहता आया हूँ कि जादू एक कला है। हाथ की सफाई का खेल है। इसलिए मैं दर्शकों को भव्यता के साथ साफ सुथरा मनोरंजन परोसता हूँ। लेकिन इस सबके साथ मैं अपने शो में पर्यावरण, स्वच्छता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जल बचाओ, प्लास्टिक और पोलिथीन का इस्तेमाल ना करने के संदेश भी देता हूँ। मैं अब तक देश-विदेश में 28 हजार शो कर चुका हूँ। जिनमें 20 हजार से ज्यादा शो तो मैंने सिर्फ चैरिटी के लिए किए। कभी सूखा, बाढ़ और भूकंप प्रभावित लोगों की सहायतार्थ, तो कभी मुख्यमंत्री राहत कोश और रेडक्रॉस जैसी संस्थाओं के लिए। मुझे आज भी अपने शो करने में वैसी ही सुखद अनुभूति होती है, जैसे बरसों पहले होती थी।

जादूगर शंकर सम्राट द्वारा किए गए देश-विदेश में लगभग 28000 शो में से 20000 चैरिटी के लिए किए हैं। गूंगे बच्चों के स्कूल की मदद के लिए, देश पर आई आपदा जैसे फ्लड के लिए, रेड क्रॉस के लिए या मुख्यमंत्री- प्रधानमंत्री रिलीफ फंड के लिए शो किए हैं। ये अब तक लगभग 2 करोड़ रुपए सरकार को डोनेट कर चुके हैं। इनका मुख्य मकसद जादू कला को जिंदा रखना है। बड़ा दुख है कि आज 140 करोड़ की आबादी में 140 बड़े लेवल के जादूगर नहीं है। अगर सरकार ने इस और ध्यान नहीं दिया तो यह कला लुप्त हो जाएगी।

-राकेश अचल-

नौकरशाही का पिछवाड़ा यानि लेटरल एंट्री

देश में आजकल लेटरल एन्ट्री विवाद का मुद्दा है। ये मुद्दा बंगाल के बलात्कार काण्ड पर भी भारी पड़ गया है। लेटरल एन्ट्री यानि किसी भी सिस्टम में पिछवाड़े से प्रवेश करना कहा जाता है। ये सिस्टम उतना ही पुराना है जितनी मानव सभ्यता। आप यदि थोड़ा सा अन्वेषण करेंगे तो आपको इस पिछवाड़ा प्रवेश के तमाम उदाहरण मिल जाएंगे। लेटरल एन्ट्री एक सुरक्षित उपक्रम है। हमारे यहां घरों से लेकर कानून और सियासत में एक न एक लेटरल एन्ट्री गेट होता ही है। और होना भी चाहिए।

घरों में लेटरल एन्ट्री आपातकाल के लिए बनाई जाती है। कानून में लेटरल एन्ट्री की व्यवस्था बचाव के लिए की गयी है और राजनीति में लेटरल ऐंट्री उन लोगों के लिए की गयी है जो या तो चुनाव नहीं लड़ सकते या फिर हार जाते है। हमारी संसद का उच्च सदन जिसे आप राज्य सभा के रूप में जानते हैं लेटरल एन्ट्री के जरिये ही सजाया जाता है। लेटरल एन्ट्री आखिर लेटरल ऐन्ट्री है। उस पर सियासत होना भी चाहिए या नहीं, ये विवाद का एक नया विषय हो सकता है?

ताजा विवाद केंद्र सरकार द्वारा लेटरल एंट्री के जरिये 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा के बाद शुरू हुआ है। संघ लोक सेवा आयोग की सेवाओं में लेटरल एंट्री को लेकर सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। खड़गे ने दावा किया कि यह आरक्षण छीनकर संविधान को बदलने का ह्यभाजपाई चक्रव्यूहह्न है। इससे पहले भी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इससे आरक्षण खत्म हो जाएगा।

राज्य सभा में लेटरल एन्ट्री का विरोध इसलिए नहीं होता क्योंकि सभी राजनीतिक दल इसका लाभ उठाते हैं लेकिन नौकरशाही में लेटरल एन्ट्री पर हंगामा स्वाभाविक है। इसके जरिये सरकार अपनी पसंद के लोगों को महत्पूर्ण पदों पर विशेषज्ञ बनाकर बैठाती है। ये एक तरह का उपकार भी है और औजार भी। ब्यूरोक्रेसी में लेटरल एंट्री एक ऐसी प्रथा है जिसमें मध्य और वरिष्ठ स्तर के पदों को भरने के लिए पारंपरिक सरकारी सेवा संवर्गों के बाहर से व्यक्तियों की भर्ती की जाती है। नौकरशाही में लेटरल एंट्री औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था, जिसमें 2018 में रिक्तियों के पहले सेट की घोषणा की गई थी। उम्मीदवारों को आमतौर पर प्रदर्शन के आधार पर संभावित विस्तार के साथ तीन से पांच साल तक के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है। इसका उद्देश्य बाहरी विशेषज्ञता का उपयोग करके जटिल शासन और नीति कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करना है।

लेटरल एन्ट्री के दुष्परिणाम हाल हमें हम बांग्लादेश में देख चुके है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सरकार में इसी तरह से सभी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी पार्टी के लोगों को न सिर्फ बैठा दिया था बल्कि उनके लिए बाकायदा आरक्षण की व्यवस्था कर दी थी। इसी व्यवस्था के फलस्वरूप बांग्लादेश में तख्ता पलट हो गया। हमारे यहां ऐसा असम्भव है क्योंकि हम सहनशील लोग है। हम अभी तक नीट पेपर लीक काण्ड पर शिक्षा मंत्री नहीं हटा पाए, सरकार तो क्या खाक हटाएंगे? आई वाश के रूप में परीक्षाएं करने वाली संस्था के एक पदाधिकारी की बलि जरूर ले ली गयी। सत्ता पक्ष अपने फैसले के समर्थन में कांग्रेस की सरकार के समय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और मोंटेक सिंह आहलूवालिया की वित्त सचिव और योजना आयोग में की गयी नियुक्तियों का हवाला देती है।

दरअसल मै तो इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार का अहसानमंद हूँ कि सरकार लेटरल एन्ट्री के जरिये केवल पांच साल के लिए नियुक्तियां कर रही है, अन्यथा सरकार चाहती तो उन्हें अगले 35 साल तक के लिए नियुक्त कर सकती थी, क्योंकि बकौल अमित शाह भाजपा अभी 35 साल और सत्ता में रहने वाली है। मुझे इस बात पर भी आपत्ति है कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष लेटरल एन्ट्री के मुद्दे पर सारी लड़ाई एक्स सोशल मीडिया एक्स पर लड़ रही है जबकि ये लड़ाई सोशल मीडिया पर नहीं, सड़क और अदालतों में लड़ी जाना चाहिए। जनता को यदि ये फैसला गलत लगता है तो जनता को अर्थात नौजवानों को ये लड़ाई अपने हाथ में लेना चाहिए, क्योंकि राजनीतिक दल इस लड़ाई के पात्र नहीं है। वे सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। अगर लेटरल एन्ट्री खराब व्यवस्था है तो इसे अदालत में भी चुनौती दी जाना चाहिए, अन्यथा तिल का ताड़ बनाने का कोई लाभ नहीं है।

मुझे क्या देश के अधिकांश लोगों को पता है कि भाजपा सरकार ने पिछले दस साल में तमाम विश्व विद्यालयों और नेशनल बुक ट्रस्ट जैसे तमाम संगठनों में संघ दक्ष लोग बैठा दिए हैं जो लगातार शिक्षा, समाज अर्थव्यवस्था और इतिहास के साथ ही विभिन्न कलाओं का संघीकरण करने में जुटे हैं। कांग्रेस और विपक्ष इन्हें रोकने में पूरी तरह नाकाम रही है, पिछली सरकार तो भाजपा की ताकतवर सरकार थी, ये सरकार तो बैशाखियों पर टिकी सरकार है, कमजोर सरकार है, लेकिन पूरे जोर-शोर से अपने हिडन एजेंडे पर काम कर रही है। मुझे नहीं लगता कि देश का कथित रूप से ताकतवर विपक्ष बैशाखा सरकार को सिस्टम में संघियों की लेटरल एन्ट्री को रोक पायेगा। जय श्रीराम

-आर.के. सिन्हा-

डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन?

कुछ दिन पहले देश की संसद भवन से पांचेक किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवान तब डूब कर मर गए थे, क्योंकि; वे जिस बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे, वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेंद्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया।

राजधानी दिल्ली में इस बार मानसून के मौसम में हो रही भारी बारिश से हाहाकर मचा हुआ है। बारिश के पानी के कारण हो रहे जलभराव में लोग डूब रहे हैं या फिर उनकी पानी में खुली बिजली की तारों से करंट लगने के कारण जानें जा रही हैं। ये हादसे दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की काहिली और नकारापन की चीख-चीख कर पुष्टि कर रहे हैं। यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम के कारण लाखों लोगों की जिंदगी दूभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेकों जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में कसकर व्याप्त करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है।

कुछ दिन पहले देश की संसद भवन से पांचेक किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवान तब डूब कर मर गए थे, क्योंकि; वे जिस बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे, वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेन्द्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। सवाल यह है कि इस हादसे के लिए दिल्ली की मेयर ने अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? हाल ही में बेल मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी अपनी दिल्ली सरकार के कामकाज की उपलब्धियां गिनवा रहे हैं। पर वे यहां जलभराव के कारण हुई मौतों पर चुप हैं। एक उम्मीद पैदा हुई थी कि ओल्ड राजेन्द्र नगर की भयानक घटना के बाद यहां नगर निगम कायदे से काम करने लगेगा। उस घटना से दिल्ली खासी व्यथित थी। जनता में गुस्सा था। पर नगर निगम का चाल-चरित्र-चेहरा नहीं बदला।

राजधानी में लोगों की जाने जाती रहीं, क्योंकि तेजी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरना जारी रहा और सड़कों पर पैदल चलने वालों की जान पर बन आई। दो बच्चों की करंट लगने और डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में इस मानसून में अब तक मरने वालों की अबतक ज्ञात कुल संख्या 33 हो गई है। इतने लोगों की मौत के बावजूद यहां पर सब कुछ सामान्य रफ्तार से चलना साबित करता है कि समाज अब पूरी तरह संवेदनहीन हो चुका है। वह कभी झकभार ही अपनी तीखी प्रतिक्रिया देता है।

देखिए, जलवायु संकट मानसून में अप्रत्याशित पैटर्न पैदा कर रहा है, जिससे छोटे, लेकिन बहुत भारी बारिश के झोंके अब सामान्य से हो गए हैं। इसके लिए ठोस योजना की आवश्यकता है, न कि बाद में किए जाने वाले उपायों की। पर हमारे यहां बदले हुए हालात के अनुसार नहीं चला जाता है। सब काम चालू तरीके से होता है। जाहिर है, इसके बहुत दूरगामी परिणाम झेलने पड़ते हैं। हम अपनी याददास्त को अगर टटोलें, तो पाएंगे कि पर्यावरण में सुधी जनों ने चेतावनी इसलिए ही बहुत पहले ही दी थी। यकीन मानिए हमारे बहुत सारे सरकरी विभागों को लकवा मार गया है। वहां कोई आगे बढ़कर स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार ही नहीं है। जाहिर है, इस मानसिकता के कारण ही बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। यह सब होने के बाद भी सरकारी अफसरों और दिल्ली सरकार के मंत्री किसी भी प्रकार की जवाबदेही के लिए तैयार नहीं हैं। क्यों नहीं उनके खिलाफ सख्त एक्शन होता जिनकी वजह से लोग मारे जा रहे हैं या दिल्ली पानी-पानी हो रही है।

अजीब सी स्थिति है कि एक तरफ दिल्ली बारिश के कारण डूब जाती है, दूसरी ओर दिल्ली वालों को पीने का साफ पानी तक नसीब नहीं होता। राजधानी में पानी से जुड़े सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड देखता है। दिल्ली जल बोर्ड का सर्वाधिक हाल बेहाल है। दिल्ली की आप सरकार के मंत्री और नेता रोज केन्द्र सरकार पर आरोपों की बौछार करने का कोई भी अवसर जाने नहीं देते। वे चिर असंतुष्ट प्राणी हैं। उन्हें सबसे शिकायतें हैं। वह कभी खुद भी अपने गिरेबान में झांक तो लें। वह खुद कब इस सवाल का जवाब देंगे कि वह दिल्ली को पेयजल के संकट से फलां-फलां तारीख तक उबार देंगे? दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन क्षेत्र ही नहीं है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की सभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, घनी बस्तियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं, जहां पर पीने का पानी मयस्सर नहीं है। जरा सोचिए कि किन हालातों में भीषण गर्मी के मौसम में लोग रहते होंगे। राजधानी के लाखों नागरिकों के घरों में पीने का पानी नहीं आता। यह अभागे हर रोज निजी जल आपूर्तिकताओं अपने दिन भर के से उपयोग के लिये पानी खरीदते हैं। दस लाख की आबादी वाले संगम विहार में दिल्ली जल निगम से पानी की सप्लाई नहीं होती। यह हाल है दिल्ली का।

जल संकट से जूझ रहे दिल्ली में लगभग आधे जल निकायों का अतिक्रमण और अन्य कारणों की वजह से नष्ट हो जाना प्रशासनिक विफलता का संकेत है। दुनिया के सबसे अधिक जल संकट वाले शहरों में से एक, दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर सूचीबद्ध अपने लगभग आधे जल स्त्रोतों को खो दिया है। जिस समय देश आजाद हुआ था, उस समय दिल्ली के 362 गांवों में 1012 तालाब थे। यह सरकारी आंकड़ा है। एक सर्वे में पता चला है कि दिल्ली में दो हजार से अधिक तालाब और बावड़ियाँ होती थी। आबादी बढ़ने और दिल्ली के विकास के साथ अधिकतर तालाब खत्म कर दिए गए। कई तालाबों पर कॉलोनियां बस गई। जो तालाब बचे हैं, उनमें से आधे से अधिक लगभग सूख चुके हैं। इन तालाबों को फिर से जीवित करना होगा। जानकार मानते हैं कि राजधानी में 500 से अधिक तालाब ऐसे हैं जिन्हें बारिश के पानी से पुनर्जीवित किया जा सकता है और बारिश की पानी से दिल्ली को जलमग्न होने से बचाया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

विधानसभा में एंट्री के लिए समीकरण बैठाने में जुटी आप

चंडीगढ़। दिल्ली और पंजाब की सत्ता हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी की नजर अब हरियाणा पर टिकी है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन में एक सीट पर उतरी आम आदमी पार्टी को विधानसभा चुनाव में उम्मीद की किरण दिख रही है। पार्टी मान रही है कि जिस तरह से उसे एक लोकसभा सीट पर करीब चार फीसदी वोट मिला है, विधानसभा चुनाव में पार्टी उससे बेहतर कर सकती है। इसीलिए आप विधानसभा चुनाव के लिए अलग रणनीति बना रही है। पार्टी की नजर उन 27 सीटों पर है, जिन पर पंजाब और दिल्ली सरकार का असर पड़ सकता है। पार्टी इसी सप्ताह लोकसभा वार चुनिंदा नेताओं के साथ बैठक करे चुनाव लड़ने वाले चेहरों पर मंथन करेगी।

पहली सूची में होंगे 12 से 15 नाम... आम आदमी पार्टी पहले उन विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों की सूची जारी करेगी, जहां उसके पास मजबूत उम्मीदवार हैं। पार्टी की पहली सूची में 12 से 15 नाम हो सकते हैं। इनमें प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, दूसरे बड़े नेता अनुराग ढांडा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रजनीश जैन व पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष आयुष खटकड़ हो सकते हैं। दूसरी सूची में थोड़ा वक्त लग सकता है। पार्टी की नजर भाजपा-कांग्रेस के बागियों पर है। पार्टी भाजपा व कांग्रेस के 30 से ज्यादा नेताओं के संपर्क में है। ये नेता भाजपा व कांग्रेस में टिकट के लिए दावेदार हैं। हालांकि जजपा की भी यही रणनीति है। यह पूछने पर कि भाजपा व कांग्रेस के बागी आप में आने के बजाय जजपा में भी जा सकते हैं, तो पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि जजपा की जो स्थिति 2019 में थी, वो आज नहीं है। जजपा डूबता जहाज है। आम आदमी पार्टी एक स्थापित पार्टी है। दिल्ली और पंजाब में पार्टी की सरकार है। लोकसभा चुनाव में भी पंजाब में आम आदमी पार्टी का ठीक-ठाक प्रदर्शन रहा है। ऐसे में लोगों की पहली प्राथमिकता आम आदमी पार्टी ही रहने वाली है और वे लोग भी चाहते हैं कि पार्टी थोड़ा इंतजार करने के बाद ही सूची जारी करे।

इन सीटों पर आप की नजर... पार्टी की फिलहाल नरवाना, टोहाना, फतेहाबाद, रतिया, कालांवली, डबवाली, रानियां, सिरसा, कलायत, गुहला, पेहोवा, लाडवा समेत अंबाला, करनाल, गुरुग्राम और फरीदाबाद जिले की विधानसभा सीटों पर नजर है। इन सीटों पर पार्टी अपनी पूरी ताकत झोकेगी और मजबूत रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी।

पंजाब व दिल्ली सरकार के विधायकों की लगेगी ड्यूटी

पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने थे, मगर अभी उनकी तारीखें तय नहीं हुई हैं। इसलिए पंजाब सीएम भगवंत मान और उनके मंत्री, सांसद, विधायक व चेयरमैनों की पूरी फौज हरियाणा में नजर आएगी। दिल्ली सरकार के मंत्री व विधायकों की ड्यूटी भी हरियाणा के चुनाव में लगेगी। पार्टी हर विधानसभा में तीन विधायक और एक चेयरमैन की ड्यूटी लगाएगी। हरियाणा के प्रभारी संदीप पाठक अगले तीन दिन लोकसभा वार सभी नेताओं के साथ बैठक करने वाले हैं। वहीं, पंजाब के सीएम भगवंत मान का भी शेड्यूल तैयार किया जा रहा है। उधर, जेल से छूटकर आए मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और सुनीता केजरीवाल भी हरियाणा चुनाव की रणनीति का हिस्सा बनेंगे।

पार्टी के लिए हरियाणा चुनाव अहम

आप के लिए हरियाणा चुनाव अहम है इसलिए आम आदमी पार्टी पूरी कोशिश है कि वोट प्रतिशत के साथ कुछ सीटों पर भी कब्जा जमाए। प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता का कहना है कि आम आदमी पार्टी सभी 90 सीटों पर मजबूत उम्मीदवार के साथ उतरेगी और चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। भाजपा, कांग्रेस, इनेलो और जजपा को लोग परख चुके हैं और ऊब भी चुके हैं। अब नए विकल्प की जरूरत है। आम आदमी पार्टी के अलावा कोई तीसरी पार्टी इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकती।

सीएम चेहरा और केजरीवाल का न होना कर सकता है परेशान

आम आदमी पार्टी के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह है कि उनके पास कोई सीएम फेस नहीं है। दूसरी तरफ, पार्टी के प्रमुख नेता अरविंद केजरीवाल भी तिहाड़ जेल में बंद हैं। हरियाणा में चुनाव की कमान अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने संभाली तो है, मगर उतना रिस्पांस नहीं मिला। इसलिए पार्टी पूरी कोशिश में जुटी है कि किसी तरह से केजरीवाल जेल से बाहर आ जाएं। केजरीवाल की जमानत पर अब 23 अगस्त को सुनवाई होनी है। पार्टी इस तारीख से काफी उम्मीद है। वहीं, पार्टी फिलहाल बिना सीएम चेहरे के उतरने की तैयारी में है।

राज्यसभा के लिए भाजपा की किरण चौधरी ने भरा नामांकन, सीएम नायब सैनी रहे साथ

चंडीगढ़। हरियाणा की एक राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिए पूर्व सीएम चौधरी बंसीलाल की बहू किरण चौधरी ने आज नामांकन भर दिया। इस दौरान सीएम नायब सैनी भी उनके साथ मौजूद रहे।

इस दौरान किरण चौधरी ने कहा कि मैं सबसे पहले भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पीएम नरेंद्र मोदी, मनोहर लाल, जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी समेत सभी विधायकों का धन्यवाद करती हूं। हमारे परिवार का भाजपा के साथ बहुत पुराना रिश्ता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की नीतियों से प्रभावित होकर मैं भाजपा में शामिल हुई हूं... हमेशा से मैंने बहुत ईमानदारी और नीयत के साथ काम किया है और आने वाले समय में भी मैं राज्यसभा में हरियाणा के सभी विषयों को उठाऊंगी।किरण चौधरी के नामांकन के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किरण चौधरी ने आज नामांकन दाखिल किया है। उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं। हमारे सभी विधायक यहां मौजूद हैं। अन्य विधायकों ने भी किरण चौधरी को समर्थन दिया। जोगीराम सिहाग, अनूप धानक, नयनपाल रावत, रामनिवास सूरजाखेड़ा, रामकुमार गौतम और गोपाल कांडा ने भी चौधरी को समर्थन दिया। पार्टी ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि राज्यसभा में किरण जाएंगी। किरण चौधरी का लंबा अनुभव रहा है। दिल्ली में विधानसभा अध्यक्ष भी रही हैं। वह हरियाणा के मुद्दों को प्रमुखता से राज्यसभा में उठाएंगी। राज्यसभा में भी हमारी ताकत बढ़ गई है।

2004 में मिली थी हार... इससे पहले कांग्रेस ने 2004 में किरण चौधरी को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया था, मगर उस दौरान किस्मत ने साथ नहीं दिया और वह जीत नहीं सकी थी। इस बार भाग्य किरण के साथ है। भाजपा के पास बहुमत है और कांग्रेस ने फिलहाल उम्मीदवार उतारने से मना कर दिया है। ऐसे में उनकी जीत तय मानी जा रही है। उनका कार्यकाल अप्रैल 2026 तक रहेगा। भाजपा ने 20 अगस्त मंगलवार को विधायक दल की बैठक बुलाई थी। बैठक में राज्यसभा के उपचुनाव को लेकर चर्चा होनी थी। बैठक में सीएम नायब सिंह सैनी समेत सभी मंत्री व विधायक शामिल हुए।

बैठक में जजपा के विधायक जोगी राम सिहाग भी शामिल हुए। बैठक में किरण चौधरी का नाम रखा गया, जिस पर सभी विधायकों ने सहमति जताई। बैठक के बाद कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जानकारी दी कि किरण चौधरी के नाम पर सभी विधायकों के बीच सहमति बनी है। वह 21 अगस्त को सुबह नौ बजे अपना नामांकन दाखिल करेंगी। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस अपना उम्मीदवार खड़ा करती है तो वह मुकाबले के लिए तैयार हैं। उनके पास पूर्ण बहुमत हैं। विधानसभा में भाजपा के 43 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। वहीं, जजपा के बागी विधायक भी पार्टी के संपर्क में हैं। बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग भी भाजपा की बैठक में शामिल हुए थे।

हरियाणा राज्यसभा उपचुनाव: सोशल मीडिया पर कांग्रेस-जजपा में घमासान, दुष्यंत बोले- हुड्डा की भाजपा से साठ-गांठ

चंडीगढ़। राज्यसभा उपचुनाव में भाजपा के खिलाफ नामांकन को लेकर कांग्रेस और जजपा के बीच सोशल मीडिया पर तकरार बदस्तूर जारी है। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की ओर से एक्स पर एक पोस्ट करने के बाद हरियाणा कांग्रेस की ओर से तीखा प्रहार किया गया। इसके बाद उस पोस्ट पर जजपा के अधिकारिक हैंडल से कांग्रेस को निशाना बनाकर पोस्ट डाली गई।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहले ही साफ कर चुके है कि राज्यसभा उपचुनाव के लिए उनके पास विधायकों की संख्या कम है। इसलिए पार्टी राज्यसभा उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। दुष्यंत चौटाला ने सोमवार को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा कि 21 अगस्त को हरियाणा राज्यसभा उपचुनाव के नामांकन की अंतिम तिथि है। अब तक हमारे चार-पांच विधायक भी कांग्रेसी हो चुके हैं। अब तो कांग्रेस का उम्मीदवार चुनाव जीतने के करीब है। दुष्यंत ने आरोप लगाते हुए लिखा कि अगर भूपेंद्र हुड्डा की भाजपा से सांठ-गांठ नहीं है तो वो राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करें। हम पहले ही भाजपा के खिलाफ वोट करने का वादा कर चुके है। दुष्यंत तंज कसते हुए शायरी लिखी कि जेल के डर से बार-बार बिकता रहे, उधर का हो और इधर का दिखता रहे।

इस पोस्ट का जवाब देते हुए हरियाणा कांग्रेस के अपने एक्स पर पोस्ट किया कि साढ़े चार साल भाजपा की गोदी में खेले और अब दोनों भाई दारू घोटाले की फाइलों के डर से भाजपा के पैरों में लिपटे हैं। सुनो डिप्टी, इस बार पचहत्तर पार या जमना पार वाली सांठ-गांठ नहीं चलेगी। जनता आपका अंजाम वही करेगी, जो एक जनादेश के गद्दार का होना चाहिए।

हरियाणा कांग्रेस की पोस्ट का जजपा के एक्स हैंडल से जवाब दिया गया। जजपा की तरफ से लिखा गया कि जिसने बेटे के लिए दी सारी कांग्रेस मार, बताओ कौन है वो गद्दार? जिसने जमीन छीनकर लूटे जमींदार, बताओ कौन है वो गद्दार? जिसने स्याही कांड से करी पार्टी लाचार, बताओ कौन है वो गद्दार? जो बीजेपी का साथी, जी-23 का सरदार, बताओ कौन है वो गद्दार? फिलहाल इस घमासान के बीच सोशल मीडिया पर कांग्रेस और जजपा के नेता और समर्थक भी एक-दूसरे पर प्रहार करने में लगे हैं।

पंजाब के विधायक की पत्नी से छेड़छाड़: कनाडा में रहने वाले ठप्फ्र पर गंभीर आरोप, एनआरआई को भारत लाने की तैयारी

हलवारा। पंजाब में विधायक की पत्नी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक की पत्नी ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

पंजाब के हलवारा के सनौर विधानसभा क्षेत्र से आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा की पत्नी गुरप्रीत कौर ने एनआरआई पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। कनाडा में रहने वाले बुजुर्ग एनआरआई नछत्तर सिंह मूल रूप से लुधियाना के गांव घुमाण निवासी हैं। थाना सुधार पुलिस ने नछत्तर सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं, मामले की जांच एएसआई कुलदीप सिंह कर रहे हैं। नछत्तर सिंह इन दिनों कनाडा के मिसिसॉगा में हैं और सुधार पुलिस ने उनके भारत प्रत्यारोपण के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गुरप्रीत कौर ने बताया कि उनका गांव सहौली जिला लुधियाना में है। गुरप्रीत कौर सुधार के घुमाण चौक स्थित नछत्तर सिंह की कोठी में रहती है। वह कोठी की देखरेख भी करती हैं। नछत्तर सिंह के साथ पारिवारिक रिश्ता है, इसी वजह से एनआरआई नछत्तर सिंह ने गुरप्रीत कौर को कोठी की देखरेख का जिम्मा दिया है।

शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया.... गुरप्रीत कौर ने आरोप लगाया कि नछत्तर सिंह उनपर बुरी नजर रखने लगा था। इस बारे गुरप्रीत कौर ने एनआरआई के बेटे संदीप सिंह को भी बताया था। 13 मई को नछत्तर सिंह शाम पांच बजे के करीब कोठी में आया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने लगा। इस दौरान उसने गुरप्रीत के साथ छेड़छाड़ की। गुरप्रीत ने विरोध किया तो नछत्तर सिंह वहां से चला गया।

ासिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया... गुरप्रीत कौर ने बताया कि नछत्तर सिंह ने उसे मानसिक और शारीरिक तौर पर बहुत प्रताड़ित किया है। गुरप्रीत कौर ने दावा किया कि उसके पास नछत्तर सिंह की फोटो और वीडियो भी हैं जिन्हें जरूरत पड़ने पर सबके सामने लाएंगी।

कोठी को लेकर चल रहा विवाद... गौरतलब है कि एनआरआई नछत्तर सिंह का अपने भतीजे राजू के साथ उक्त कोठी पर मालिकाना हक को लेकर विवाद चल रहा है। एनआरआई ने कोठी पर कब्जा बनाए रखने के लिए खुद ही गुरप्रीत कौर को इसकी संभाल का जिम्मा सौंपा था।

नछत्तर सिंह ने इसके लिए गुरप्रीत कौर को बाकायदा पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी। बाद में कोठी को लेकर नछत्तर सिंह का गुरप्रीत कौर के साथ ही विवाद शुरू हो गया जो अदालत में विचाराधीन है। ताजा घटनाक्रम में गुरप्रीत कौर ने नछत्तर सिंह के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया है।

गलियों से पानी निकासी ठप होने से परेशान लोगों ने किया प्रदर्शन, सरकार पर लगाए

सोनीपत। सोनीपत में बारिश के मौसम में बाबा कॉलोनी पानी की निकासी ठप हो चुकी है। जिससे परेशान लोगों ने बुधवार को एकत्रित होकर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही उन्होंने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। उनका आरोप था कि सीवर समस्या व पानी निकासी के समाधान कराने के लिए वह कई बार निगम अधिकारियों को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई।

लोगों ने आम आदमी पार्टी के नेता विमल किशोर को बताया कि काफी लंबे समय से कॉलोनी में सीवर जाम हैं और गंदे पानी की निकासी का कोई प्रबंध नहीं है। वह कई बार बड़े अधिकारियों से लेकर पार्षद मेयर व विधायक को तथा सीएम विंडो पर भी शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई समस्या का समाधान नहीं निकला।

हरियाणा विस चुनाव: जजपा विधायक रामकरण काला हुए कांग्रेसी, दिल्ली में भूपेंद्र हुड्डा ने पार्टी में कराया शामिल

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद भाजपा और जजपा में भगदड़ जारी है। शाहबाद से जननायक जनता पार्टी (जजपा) के विधायक रामकरण काला बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। रामकरण काला ने दिल्ली में हरियाणा कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और चौधरी उदयभान के नेतृत्व में पार्टी ज्वाइन की। उनके साथ उनके हजारों कार्यकर्ता और समर्थक भी कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने सभी का पार्टी में स्वागत किया और सभी कार्यकर्ताओं के साथ रामकरण काला ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। बता दें कि अबतक हरियाणा भाजपा और जजपा सहित अन्य दलों से 45 विधायक और पूर्व विधायक पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। अभी भी कई सीटिंग विधायक हैं जो जल्द कांग्रेस का हाथ थाम सकते हैं।

पंजाब में बासमती का 13 फीसदी अधिक उत्पादन: निर्यात मूल्य अधिक होने से निर्यातक पीछे हटे

जालंधर। पंजाब में बासमती की फसल में इस बार 13 फीसदी इजाफा होने जा रहा है, लेकिन इसके खरीदार निर्यातकों ने बासमती की खरीद से हाथ पीछे खींच लिए हैं। इसके पीछे केंद्र सरकार की ओर से बासमती निर्यात मूल्य को कम करने के लिए तैयार न होना है। लिहाजा, महंगी बासमती खरीदकर कम मूल्य पर बेचने के लिए निर्यातक तैयार नहीं है।

ताजा आंकड़े भी चौकाने वाले हैं क्योंकि केंद्र सरकार की इस बेरुखी के कारण पंजाब की बासमती पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया है और पाकिस्तान में चावल निर्यात में 200 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। निर्यात किए जाने वाले चावलों में एक महत्वपूर्ण प्रकार बासमती चावल का है।

पाकिस्तान से बासमती चावल के निर्यात में वृद्धि... एक ओर पाकिस्तान से बासमती चावल के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है तो दूसरी ओर उसकी तुलना में भारत से बासमती चावल के निर्यात में कमी देखी गई है। पाकिस्तान ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान ढाई अरब डॉलर का चावल निर्यात किया था, जबकि चालू वित्तीय वर्ष के शुरूआती सात महीनों में 2.2 अरब डॉलर का चावल निर्यात हो चुका है और लक्ष्य तीन अरब डॉलर से अधिक का है। इसका सीधा असर पंजाब पर हो रहा है।

निर्यातक एसोसिएशन के प्रधान अरविंदरपाल सिंह ने कहा कि सरकार को तुरंत मूल्य सीमा हटा लेनी चाहिए और मुक्त व्यापार की अनुमति देनी चाहिए और वर्तमान परिदृश्य के अनुसार उत्कृष्ट मानसून के साथ, बासमती धान के किसान पंजाब, हरियाणा और अन्य आसपास के क्षेत्रों में जीआई टैग के तहत बंपर फसल की उम्मीद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सितंबर के अंत तक 1509 जैसी निम्न श्रेणी की बासमती फसल बाजार में आनी शुरू हो जाएगी। अब यह वास्तव में जरूरी है कि वाणिज्य मंत्रालय प्राथमिकता के आधार पर निर्णय ले ताकि बासमती धान उत्पादकों को अत्यधिक लाभकारी मूल्य मिल सके और साथ ही हमारे प्रतिद्वंद्वियों से हमारे अंतरराष्ट्रीय ग्राहक आधार को पुनः प्राप्त किया जा सके। एसोसिएशन के निदेशक अशोक सेठी ने कहा कि 950 अमेरिकन डॉलर की बासमती से हम विश्वस्तर पर पाकिस्तान की 550 अमेरिकन डॉलर प्रति टन का कैसे मुकाबला करेंगे? पाकिस्तान राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी तौफीक अहमद खान के मुताबिक भारत की ओर से बासमती चावल का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय करने के पहले पाकिस्तान की एक्सपोर्ट प्राइस भारत से अधिक थी।

उस समय भारत का बासमती चावल पाकिस्तान की तुलना में सस्ता था। इस कारण भारत को अधिक निर्यात ऑर्डर मिल रहे थे। भारत में निर्यातक एसोसिएशन के डायरेक्टर अशोक सेठी का कहना है कि हमने तथ्यों के साथ केंद्रीय मंत्री जितेंद्र प्रसाद के सामने पूरा मामला रखा है कि अगर निर्यात मूल्य कम नहीं किया गया तो बासमती का कारोबार खत्म हो जायेगा।

200 साल पुराना है बासमती का इतिहास... बासमती चावल की उपज का इतिहास करीब 200 वर्ष पुराना है। इसकी पैदावार उपमहाद्वीप के खास क्षेत्रों में ही होती है। यहां पैदा होने वाले बासमती चावल का अलग जायका और खुशबू है। इसकी उपज का ऐतिहासिक क्षेत्र चिनाब और सतलुज नदियों के बीच का हिस्सा है। पाकिस्तान में सियालकोट, नारवाल, शेखूपुरा, गुजरात गुजरांवाला, मंडी बहाउद्दीन और हाफिजाबाद के जिले बासमती चावल की पैदावार के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर भारत में पूर्वी पंजाब, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर के इलाकों में ऐतिहासिक तौर पर इसकी खेती की जाती रही है।

निर्यात मूल्य बढ़ने के बावजूद भारत ने पाकिस्तान को पछाड़ा... अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक भारत ने दुनिया के 100 से अधिक देशों को 52,42,511 मीट्रिक टन बासमती चावल का एक्सपोर्ट किया। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इतना बासमती चावल कभी भी एक्सपोर्ट नहीं किया गया था। अगर बीते वर्ष अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक की बात करें तो 45,60,762 मीट्रिक टन बासमती चावल अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा था। यानी एक साल में ही 6,81,749 मीट्रिक टन अधिक चावल एक्सपोर्ट किया गया।

रोजगार इस बार सबसे बड़ा मुद्दा, क्या नौकरियों पर सियासत से निकलेगी चुनावी राह

चंडीगढ़ हरियाणा विधानसभा चुनाव में रोजगार और बेरोजगारी दर बड़े मुद्दे हैं। नियमित और कच्चे पदों पर भर्तियों में एक-एक पद के लिए हजारों आवेदन आने से प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। बेरोजगारी दर के प्रतिशत पर सत्ताधारी और विपक्षी दल पिछले दस साल से आमने-सामने हैं।

कांग्रेस का दावा है कि हरियाणा में पूरे देश में सबसे अधिक बेरोजगारी दर 27.9 फीसदी से अधिक है, लेकिन भाजपा सरकार इन आरोपों को दरकिनार कर मात्र 5 से 6 फीसदी बेरोजगारी होने का दावा कर रही है।

खाली पड़े हैं दो लाख पद... हरियाणा में 4.50 लाख सरकारी स्वीकृत पद हैं। इनमें से करीब 2 लाख पद खाली पड़े हैं। प्रदेश में मात्र 2.70 लाख कर्मचारियों के भरोसे सारे विभाग, निगम और बोर्ड चल रहे हैं। खाली पदों को लेकर विपक्षी दल सड़क से लेकर विधानसभा तक में सरकार की घेराबंदी करते रहे हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर जहां भाजपा मिशन मेरिट को अपना हथियार बना रही है और कांग्रेस पर हमले कर रही है। वहीं, कांग्रेस पेपर लीक, अदालतों में अटकी भर्तियों और बाहरी राज्यों के युवाओं को नौकरी देने को मुद्दा बना रही है।

भाजपा ने 1.35 लाख और कांग्रेस ने 93 हजार नौकरियां दीं... खाली पदों को भरने के लिए भाजपा सरकार ने पिछले दस साल में 1.35 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। इनमें ग्रुप ए और बी की 11500 और ग्रुप सी और डी के 1.24 लाख पद शामिल हैं। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत 1,05,728 पुरानी मैनपावर को समायोजित किया गया है और 12,885 नए लोगों को नौकरी दी गई। इनके अलावा 6 हजार पुलिस कर्मचारियों के साथ ग्रुप सी के 22 हजार से अधिक पदों पर भर्ती चल रही है। कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में एचपीएससी और एचएसएससी के कुल 93 हजार ही भर्तियां हुई थीं। अब कांग्रेस के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा नौकरियों को ही मुद्दा बना रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि मेरिट के आधार पर नौकरियां दी जाएंगी और एक साल में एक लाख नौकरी देने का लक्ष्य रखा जाएगा।

शर्तें बदलने से अटक रहीं भर्तियां... आर्थिक सामाजिक अंकों के फेर में ग्रुप सी की 22 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां लंबित हैं। इनमें पटवारी, नहर पटवारी, क्लर्क समेत दर्जनों श्रेणियों की भर्तियां शामिल हैं। ग्रुप सी की सीईटी 5 व 6 नवंबर 2022 को हुई थी। पदों के मुकाबले केवल चार गुना अभ्यर्थियों को बुलाने के फैसले के खिलाफ अभ्यर्थी हाईकोर्ट चले गए। उनकी मांग है कि 10 गुना अभ्यर्थी बुलाए जाएं। अभी तक कोई फैसला नहीं आया है। इसी प्रकार हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 50 प्रतिशत अंकों की शर्त के चलते एडीओ, वेटनरी सर्जन, पीजीटी अध्यापकों की भर्ती अटकी हुई है। आयोग के बार-बार शर्तें बदलने के चलते अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का रुख किया।

नहीं मिल पाया निजी नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण... गठबंधन सरकार में जजपा ने प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था। सरकार ने इसके लिए पॉलिसी भी बनाई, लेकिन निजी उद्योग संचालक इसके विरोध में हाईकोर्ट चले गए और अब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पांच साल बीतने के बाद भी सरकार इस फैसले को लागू नहीं करा पाई।

हरियाणा में राष्ट्रीय औसत से तीन गुना ज्यादा बेरोजगारी : भुक्कल... सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा में राष्ट्रीय औसत से तीन गुना ज्यादा बेरोजगारी है, लेकिन भाजपा सरकार इसे मानती नहीं है। जो नौकरियां निकलती हैं, उसके मुकाबले जितने आवेदन आते हैं, उसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश में किस स्तर पर बेरोजगारी है।

युवाओं को नौकरियां देने की बजाय सरकार ने लटकाने में ज्यादा जोर लगाया है। इसीलिए आज प्रदेश का युवा नशे और अपराध के दलदल में धंस गया है। कांग्रेस की सरकार बनने पर पहले एक साल में एक लाख पक्की नौकरियां दी जाएंगी और हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग किया जाएगा। -गीता भुक्कल, विधायक, कांग्रेस।

हमने मेरिट और कांग्रेस ने पर्ची-खर्ची से दी नौकरियां : आत्रेय... हरियाणा के किसी भी व्यक्ति से ये बात छुपी नहीं है कि कांग्रेस के राज में कैसे नौकरियां क्षेत्रवाद, जातिवाद और पर्ची-खर्ची के हिसाब से दी जाती थीं। लोग उस बुरे दौर को भूले नहीं हैं।

भाजपा सरकार ने हरियाणा में सेरिट को आधार बनाकर नौकरियां दी हैं और हर आम गरीब व्यक्ति के बच्चे इस बात के गवाह हैं। भाजपा सरकार ने दस साल में 1.35 लाख पक्की नौकरियां दी हैं। इसके अलावा कच्चे कर्मचारियों की 58 साल तक की सेवा के लिए गारंटी दी है। कांग्रेस राज में ठेके पर लगे कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में समायोजित कर उनका शोषण बंद किया है। स्वरोजगार के लिए भी कई योजनाएं लाकर युवाओं को नए रास्ते दिखाए हैं। -प्रवीन आत्रेय, मीडिया सचिव, मुख्यमंत्री।

वारसॉ पहुंचें पीएम मोदी, खत्म हुआ पोलैंड के भारतीय प्रवासियों का इंतजार

वारसॉ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पोलैंड के वारसॉ पहुंच चुके हैं। पोलैंड में पीएम मोदी के आगमन को लेकर भारतीय प्रवासियों में खासा उत्साह है। वह 21 से 23 अगस्त तक पोलैंड व यूक्रेन की यात्रा पर रहेंगे। बता दें कि यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी।

पोलैंड पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, "पौलैंड में उतर गया। यहां विभिन्न कार्यक्रमों का इंतजार कर रहा हूं। इस यात्रा से भारत-पोलौंड की मित्रता को गति मिलेगी, जिससे लोगों को लाभ होगा। पीएम मोदी के आगमन पर पोलैंड में रहने वाले सौरभ गिलितवाला ने कहा, "मैं मुंबई से सात साल पहले यहां आया था, पर किसी भी भारतीय पीएम का यहां दौरा नहीं हुआ। मोदी के दौरे को लेकर प्रवासी काफी उत्साहित हैं। निश्चित रूप से उनका दौरा दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करेगा। पीएम मोदी अपनी यात्रा के दौरान यूक्रेन भी जाएंगे। पीएम मोदी पहले 21 और 22 अगस्त को पोलैंड की दो दिवसीय यात्रा करेंगे। इसके बाद 23 अगस्त को पीएम मोदी युद्ध में झुलस रहे यूक्रेन का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक ट्रेन से यात्रा करेंगे, जिसमें करीब 10 घंटे लगेंगे। वापसी की यात्रा भी लगभग इतनी ही अवधि की होगी। उनकी कीव यात्रा मॉस्को की उनकी हाई-प्रोफाइल यात्रा के कुछ सप्ताह बाद हो रही है, जिसकी अमेरिका और उसके कुछ पश्चिमी सहयोगियों ने आलोचना की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे। इस दौरान वे यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ विचार साझा करेंगे। पीएम मोदी की यह यात्रा पिछले 45 वर्षों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, ह्यपोलैंड की मेरी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हमारे राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है। इससे पहले दिन में रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, ह्यलोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी आपसी प्रतिबद्धता दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करती है। मैं, हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपने मित्र प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मिलने के लिये उत्सुक हूं। उन्होंने आगे कहा कि वे पोलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे।

उधर, पोलैंड में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पोलैंड के नेतृत्व के साथ चर्चा से दोनों पक्षों को विभिन्न विषयों पर शीर्ष स्तरीय विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा। वारसॉ से पीएम मोदी यूक्रेन दौरे पर जाएंगे। 1991 में यूक्रेन के स्वतंत्र होने के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की कीव की पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी ने कहा, पोलैंड से मैं राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन जाऊंगा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है ह्ल पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक मित्र और साझेदार के रूप में भारत द्वारा यूक्रेन में शांति और स्थिरता की बहाली की उम्मीद की जाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उनकी वारसॉ और कीव की यात्रा दोनों देशों के साथ व्यापक संपर्कों को बढ़ाने का काम करेगी। बताया गया है कि पीएम मोदी ह्यरेल फोर्स वनह्ल ट्रेन से पोलैंड से कीव की यात्रा करेंगे। इस यात्रा में लगभग 10 घंटे लगेंगे। रूस की यात्रा के लगभग छह सप्ताह बाद पीएम मोदी यूक्रेन दौरे पर जा रहे हैं। आपको बता दें कि भारत ने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान की बात की है।

45 साल बाद पोलैंड पहुंचा कोई भारतीय पीएम, देश के रेस्तरां में भारतीय व्यंजनों की है भारी डिमांड

पोलैंड। पोलैंड में भारतीय व्यंजन काफी लोकप्रिय हैं और तमाम भारतीय रेस्तरां स्वादिष्ट व्यंजनों की बढ़ती मांग को पूरा कर रहे हैं। वहीं, भारतीय रेस्तरां में खाना खाने आने वाले पोलैंडवासियों का कहना है कि डोसा और बटर चिकन जैसे व्यंजन उन्हें भारत यात्रा की याद दिलाते हैं। बता दें कि पोलैंडवासी भारतीय संस्कृति को काफी पसंद करते हैं और आजकल भारतीय फिल्में भी पोलैंड में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

पोलैंड में स्थित भारतीय दूतावास की सूची के अनुसार, पोलैंड में 45 से अधिक भारतीय रेस्तरां कई प्रकार के पारंपरिक भारतीय भोजन परोस रहे हैं जिनमें से राजधानी वारसॉ में कम से कम 12 रेस्तरां हैं। भारत और भारतीय भोजन एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं। भारतीय रेस्तरां के मालिकों के अनुसार, पोलिश लोग न केवल भारतीय व्यंजनों को पंसद कर रहे हैं बल्कि वे भारत की समृद्ध संस्कृति के प्रति भी आकर्षित हो रहे हैं।

भारतीय रेस्तरां में बढ़ी इन व्यंजनों की डिमांड...पोलैंड नागरिक अन्ना मारिया रोजेक ने कहा, मुझे डोसा बहुत पसंद है। वारसॉ में सबसे अच्छा डोसा इंडिया गेट रेस्तरां में मिलता है और यह वास्तव में दक्षिण भारत की याद दिलाता है। मैंने कई बार चेन्नई और केरल की यात्रा की है और सच में यहां के खाने का स्वाद भी वैसा ही है।

'बटर चिकन, मैंगो लस्सी जीत रहे दिल'...'इंडिया गेट फूड चेन' के मालिक चंदू ने कहा, 'यहां का खाना वाकई बहुत स्वादिष्ट है, भारतीय खाना जिसमें बहुत सारे मसाले होते हैं। हर चीज का जायका अलग होता है। पोलैंड नागरिकों को बटर चिकन, मैंगो लस्सी बहुत पसंद है। उन्हें भारतीय खाना और भारतीय लोग भी बहुत पसंद हैं।'

वारसॉ के अलावा कई अन्य शहरों में है लोकप्रियता...भारतीय रेस्तरां न केवल राजधानी वारसॉ में बल्कि क्राको और व्रोकला जैसे शहरों में भी लोकप्रिय हैं। यहां आने वाले खाने के शौकीन लोगों को कई भारतीय व्यंजनों का जायका और स्वाद मिलता है।

गूगल-मेटा को फर्जी एप्स-विज्ञापन हटाने का निर्देश, केरल पुलिस ने जारी किया नोटिस

तिरुवनंतपुरम । केरल पुलिस ने गूगल को प्लेस्टोर से उन एप्स को हटाने के लिए नोटिस जारी किया, जिसके जरिए लॉटरी के नाम पर नकली लॉटरी ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। मेटा को भी इसे लेकर एक नोटिस जारी किया गया, जिसमें व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम से फर्जी लॉटरी के विज्ञापन हटाने की अपील की गई। राज्य पुलिस मीडिया सेंटर (एसपीएमसी) ने बुधवार को नोटिस जारी किया। नोटिस में बताया गया कि साइबर पेट्रोलिंग से पता चला कि 60 फर्जी लॉटरी एप्स, 25 फर्जी प्रोफाइल और 20 वेबसाइट धोखाधड़ी में शामिल थे। इस धोखाधड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धोखाधड़ी का विवरण देते हुए पुलिस ने कहा कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम पर केरल मेगामिलियन लॉटरी और केरल समर सीजन लॉटरी के नाम पर फर्जी विज्ञापन चलाया जा रहा था। लोगों को मैसेज के जरिए भी बताया गया कि केरल सरकार ने ऑनलाइन लॉटरी शुरू किया है, जिसमें 40 रुपये का निवेश करने पर 12 करोड़ रुपये जीतने की संभावना है। लोगों ने जब मैसेज में बताए गए नंबर पर 40 रुपये का निवेश किया, तब उन्हें व्हाट्सएप पर एक फर्जी लॉटरी टिकट भेजा गया। जब लॉटरी के ड्रॉ का समय समाप्त हो गया, तब जालसाज लोगों को फर्जी परिणाम भेजता था और बताता था कि उनके टिकट में पांच लाख रुपये का इनाम निकला है।

सरकारी प्रतिनिधि का दावा करते हुए एक व्यक्ति लोगों को फोन करता है और इनाम की राशि ट्रांसफर करने के लिए वह जीएसटी और स्टैंप ड्यूटी के लिए पीड़ितों से कुछ रकम जमा करने के लिए कहता है। पीड़ितों द्वारा राशि जमा करने के बाद वह और रकम की मांग करता है। पीड़ितों को विश्वास दिलाने के लिए जालसाज हर कदम पर उन्हें दस्तावेज और वीडियो उपलब्ध कराता था। पुलिस ने लोगों को सावधान रहने की अपील की और कहा कि अगर उन्हें वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर कोई संदेह है तो वह 1930 पर कॉल करके पुलिस को जानकारी दे सकते हैं।

भारी बारिश के कारण त्रिपुरा में आई बाढ़, सीएम माणिक साहा ने गृह मंत्री को मौजूदा स्थिति से अवगत कराया

अगरतला। त्रिपुरा में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। राज्य की मौजूदा हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री माणिक साहा काफी चिंतित हैं। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित इलाकों का निरीक्षण भी किया। सीएम साहा ने बताया कि पिछले दो दिनों राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने त्रिपुरा के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। सीएम माणिक साहा ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और उन्हें बाढ़ की स्थिति से उत्पन्न मौजूदा हालात के बारे में जानकारी दी। मैंने उनसे अतिरिक्त एनडीआरएफ टीमों को भी भेजने का अनुरोध किया।

उन्होंने मुझे हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। इस घड़ी में हमें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए मैं उनका आभारी हूं।

सीएम साहा ने कहा, पिछले दो दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। स्थिति को संभालने के लिए प्रयास जारी है। राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों को बचाने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। संवेदनशील इलाकों, खासकर नदी किनारे के इलाकों से लोगों को निकालने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन इस संकट के दौरान जनता की सहायता के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे स्थिति को देखकर न घबराएं और प्रशासन के साथ सहयोग करें।

ब्रिटेन में अवैध प्रवासन रोकने के लिए सरकार ने की नई घोषणा

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने बुधवार को अवैध प्रवासन पर रोक लगाने के लिए नई घोषणा की है। सरकार का कहना है कि अवैध प्रवासन रोकने के लिए 100 नए खुफिया अधिकारियों की भर्ती की जाएगी। ब्रिटेन के गृह सचिव यवेट कूपर का कहना है कि 100 नए खुफिया अधिकारी राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) में तैनात किए जाएंगे। इस तरह से अवैध प्रवासन नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

अवैध प्रवासन रोकने के लिए खुफिया कार्यक्रम शुरू...येवेट कूपर ने कहा, देश में अवैध प्रवासन रोकने के लिए एक नया खुफिया कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके जरिए अवैध प्रवासन के लिए जिम्मेदार लोगों को तलाशा जाएगा। ऐसे लोगों की तलाश की जाएगी, जो ब्रिटेन में काम करने का अधिकार न रखने वाले लोगों को अवैध रूप से नियुक्त करते हैं। कूपर ने कहा, ह्यहमारा नया बॉर्डर सिक्योरिटी कमांड पहले से ही तैयार है। इसमें नए लोगों की तेजी से भर्ती की जा रही है।

इससे आपराधिक तस्करी गैंग को समाप्त किया जाएगा। ऐसे गैंग हमारी सीमा सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं। हम एक ऐसी प्रणाली तैयार करेंगे, जो अधिक नियंत्रित और प्रबंधित हो। इस तरह से लंबे समय से चली आ रही अराजकता को समाप्त किया जाएगा।

तमिलनाडु: फर्जी NCC कैंप में छात्राओं के यौन शोषण मामले में NCW ने डीजीपी से मांगी रिपोर्ट, सरकार ने बनाई SIT

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कृष्णागिरी में फर्जी एनसीसी शिविर में एक छात्रा से दुष्कर्म और 12 छात्राओं के यौन शोषण मामले का राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने डीजीपी चेन्नई को मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पुलिस और राज्य सरकार से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मामले में एसआईटी गठित की है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवनेश्वरी विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व करेंगी। सीएम ने 15 दिनों के भीतर मामले की जांच शुरू करने और 60 में दिन में चार्जशीट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सीएम स्टालिन ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बहु-अनुशासनात्मक टीम (एमडीटी) की स्थापना का भी निर्देश दिया। इसका नेतृत्व समाज कल्याण विभाग की सचिव जयश्री मुरलीधरन करेंगी। इसमें पुलिस और स्कूल शिक्षा विभागों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह ऐसी घटनाओं से प्रभावित बच्चों की देखभाल के लिए सिफारिश करेगा।

तमिलनाडु के कृष्णागिरी में एक फर्जी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैंप में 13 साल की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म और 12 अन्य के यौन शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया था। पुलिस ने इस मामले में रविवार को कैंप आयोजक, निजी स्कूल के प्रधानाचार्य, दो शिक्षकों और एक कॉरेस्पॉन्डेंट सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि निजी स्कूल के पास एनसीसी इकाई नहीं थी। आयोजकों ने स्कूल प्रबंधन से कहा था कि कैंप की मेजबानी करने से वे एनसीसी इकाई के लिए पात्र हो जाएंगे।

कैंप में नहीं थे शिक्षक...एक अधिकारी ने बताया कि इस महीने की शुरूआत में आयोजित तीन दिवसीय कैंप में 17 लड़कियों सहित 41 छात्रों ने भाग लिया था। छात्राओं को पहली मंजिल पर स्कूल के सभागार में ठहराया गया था, जबकि लड़कों को भूतल पर। कैंप की निगरानी के लिए कोई शिक्षक भी नहीं रखा गया था। लड़कियों का आरोप है कि उन्हें बहलाकर ऑडिटोरियम से बाहर ले जाया गया... फिर उनका यौन उत्पीड़न और शोषण किया गया। कैंप पूरा होने के बाद सभी घर लौट आए। बाद में दुष्कर्म पीड़ित छात्रा की तबीयत खराब हो गई और 16 अगस्त को अस्पताल में उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजनों ने बरगुर पुलिस को घटना की सूचना दी और वारदात का पदार्फाश हुआ।

स्कूल ने दबा दिया था मामला...डीएसपी पी थगादुरई ने बताया कि स्कूल के अधिकारियों को यौन अपराधों के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने पुलिस को सूचित करने के बजाय मामले को दबा दिया। यहीं नहीं, पीड़ित छात्राओं को भी इस मामले को गंभीरता से न लेने के निर्देश दिए गए थे।

पॉक्सो के तहत केस दर्ज....पुलिस अब यह पता लगा रही कि क्या इस तरह के फर्जी एनसीसी कैंप कहीं और भी लगाए गए थे। पीड़िताओं की मेडिकल जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ यौन अपराधों के खिलाफ बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

आखिर BJP ने बिट्टू-कुरियन पर क्यों खेला दांव MP-राजस्थान के साथ केरल-पंजाब पर है नजर

राज्यसभा की नौ सीटों के लिए भाजपा ने मंगलवार को उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। इनमें केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को पार्टी ने राजस्थान से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। जबकि केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन को मध्य प्रदेश से टिकट दिया गया है। हरियाणा से किरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। लोकसभा चुनाव में शिकस्त खाने वाले पार्टी के बड़े कई नेता राज्यसभा सदस्य बनने की जुगत में थे, लेकिन पार्टी ने दूसरे दलों से आए कई नेताओं को प्रत्याशी बनाकर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस्तीफा देने से खाली हुई थी। गुना लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद सिंधिया ने राज्यसभा सीट को छोड़ दिया था। इसके बाद गुना के पूर्व सांसद केपी यादव से लेकर नरोत्तम मिश्रा और जयभान सिंह पवैया के राज्यसभा जाने की चर्चा थी, लेकिन बीजेपी ने कुरियन के नाम के ऐलान के बाद सभी दावेदारों की हसरत अधूरी रह गई है। इनमें सबसे बड़ा

झटका केपी यादव को लगा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यादव का टिकट काटकर भाजपा ने सिंधिया को उम्मीदवार बनाया था। उस दौरान अमित शाह ने वादा किया था कि केपी का ख्याल रखा जाएगा। लेकिन पहले केपी को लोकसभा का टिकट नहीं दिया गया और अब राज्यसभा सीट भी हाथ नहीं लगी। सूत्रों के अनुसार,केपी यादव के लिए नई भूमिका अब मध्यप्रदेश के निगम मंडलों में तय की जा रही है।

दरअसल,बीजेपी ने कुरियन के जरिए केरल के समीकरण को साधने का दांव चला है। कुरियन ईसाई समुदाय से आते हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर आने वाले उपचुनाव को साधने का दांव चला है। कुरियन अभी केंद्रीय कैबिनेट में मत्स्य पालन, पशुपालन डेयरी विभाग के राज्यमंत्री है। कुरियन 1980 से भाजपा के अलग अलग मोर्चों में काम करते रहे है।

इसलिए रवनीत बिट्टू का लगा नंबर...इसी तरह पार्टी ने राजस्थान की सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया है, जबकि पहले सतीश पुनिया, अरुण चतुर्वेदी और राजेंद्र सिंह राठौड़ के उच्च सदन जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। रवनीत बिट्टू के नाम पर मुहर लगने के बाद बीजेपी के सारे दिग्गजों की उम्मीदों पर राज्यसभा जाने के कयासों पर विराम लग गया है। बीजेपी ने बिट्टू को भेजकर पंजाब में सिख वोटों को साधने का दांव चला है।

पंजाब में 60 प्रतिशत आबादी सिखों की है। बिट्टू पगड़ीधारी सिख हैं। उन्हें मंत्री बनाने के बाद राज्यसभा भेजते हुए पार्टी इस आबादी के करीब जाने की कोशिश कर रही है। पार्टी की रणनीति सिख चेहरों को आगे रखते हुए ग्रामीण एरिया में पैठ बनाने की है। सूत्रों का कहना है कि, राजस्थान के साथ हरियाणा के रोहतक से दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद वहां भी सीट खाली हो गई। अब इस सीट पर भी चुनाव हो रहे हैं। इस सीट के लिए पहले रवनीत बिट्टू का नाम सामने आया था, लेकिन विरोध बढ़ता देख भाजपा अब रवनीत बिट्टू को राजस्थान से राज्यसभा भेजे जाने का निर्णय लिया गया। लुधियाना से 2 बार सांसद रह चुके रवनीत बिट्टू लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत बेअंत सिंह के पोते और पूर्व मंत्री तेज प्रकाश सिंह के बेटे हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें लुधियाना से टिकट दिया, लेकिन उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से 20 हजार 942 वोटों से हार का सामना करना पड़ा।

लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी भाजपा ने पंजाब से किसी और को न चुनकर मोदी 3.0 सरकार में बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया है। इसके बाद उनका राज्यसभा में जाकर सांसद के तौर पर शपथ लेना बेहद जरूरी है।

शेख हसीना के खिलाफ एक और मुकदमा 86 सहयोगियों पर भी लगे आरोप

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 86 अन्य के खिलाफ सिलहट शहर में एक जुलूस पर हमला करने के मामले में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। चार अगस्त को देश में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग गोली लगने से घायल हो गए थे। शेख हसीना ने देश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया था और तब से अबतक उनके खिलाफ कुल 33 मामले दर्ज किए गए हैं।

शेख हसीना की बहन शेख रेहाना भी आरोपी...जातीयतावादी छात्र दल की सिलहट शहर इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष जुबेर अहमद ने सिलहट मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सुमन भुइया की अदालत में मामला दर्ज कराया। इसमें शेख हसीना की बहन शेख रेहाना को भी आरोपी बनाया गया है। एक स्थानीय अखबार ने मामले के विवरण के हवाले ये खबर दी कि आरोपियों ने चार अगस्त को सिलहट शहर के बंदरबाजार क्षेत्र में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और

उसके सहयोगी संगठनों की तरफ से आयोजित एक शांतिपूर्ण रैली पर हमला किया, जिसमें कई लोगों को गोली लगी और वो सभी घायल हो गए।

पूर्व पीएम पर अब तक कुल 33 केस दर्ज...खबर के मुताबिक, अवामी लीग के महासचिव और पूर्व सड़क परिवहन मंत्री अब्दुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद, पूर्व कानून मंत्री अनीसुर रहमान और प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार सलमान एफ रहमान समेत अन्य लोगों को भी इसमें नामजद किया गया है। अखबार के मुताबिक, इस मामले के साथ ही शेख हसीना पर अब 33 मुकदमे दर्ज हो गए हैं, जिनमें 27 हत्या के, चार मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के तथा एक अपहरण का मामला शामिल है।

हसीना के खिलाफ ICT में मुकदमा चलाएगी सरकार...बांग्लादेश में फिलहाल अंतरिम सरकार बनाई गई है और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा है कि वह शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ हाल ही में हुए छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाएगी।

पूर्व राष्ट्रपति ने ईस्टर बम विस्फोट पीड़ितों को दिया 10 करोड़ का मुआवजा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने साल 2019 के ईस्टर बम विस्फोट के पीड़ितों के लिए 10 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का मुआवजा दिया है। ईस्टर बम विस्फोट कांड में 270 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में 11 भारतीय भी शामिल थे। जिस वक्त बम धमाके हुए, उस वक्त सिरिसेना ही श्रीलंका के राष्ट्रपति थे। सिरिसेना पर आरोप है कि हमले से पहले ही सिरिसेना को आतंकी हमले की विश्वसनीय सूचना मिली थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हमले को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था मुआवजा देने का आदेश...बीते दिनों श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि सिरिसेना अपनी लापवाही के लिए बतौर मुआवजा पीड़ितों को 10 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भुगतान करेंगे। अब सिरिसेना के वकील ने कोर्ट को बताया कि बीती 16 अगस्त को 10 करोड़ रुपये की पूरी पेमेंट कर

दी गई है। उल्लेखनीय है कि साल 2019 में ईस्टर के मौके पर एक कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन से जुड़े 9 आत्मघाती हमलावरों ने श्रीलंका के कैथोलिक चर्चों और होटल्स में खुद को विस्फोट से उड़ा लिया था। जांच में इस हमले के पीछे आईएसआईएस से जुड़े नेशनल तौहीद जमात का नाम सामने आया था। इन हमलों में 270 लोगों की मौत हुई थी और 500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

बम विस्फोट के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना और तत्कालीन प्रधानमंत्री रानिल विक्रमासिंघे आलोचकों के निशाने पर आ गए थे और उनकी सरकार पर अक्षमता के आरोप लगे। उन पर खुफिया जानकारी होने के बावजूद हमले न रोक पाने का आरोप लगा।

फैज हमीद पर खुली अदालत में चले मुकदमा, नौ मई की हिंसा मामले में इमरान खान की मांग

पाकिस्तान। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को मांग की कि अगर नौ मई की हिंसा से पूर्व पाकिस्तानी जासूस लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद का संबंध साबित हो जाता है तो उनके खिलाफ खुली अदालत में मुकदमा चलाया जाना चाहिए क्योंकि तब यह कोई आंतरिक सैन्य मामला नहीं होगा।

इमरान खान के खिलाफ गवाह बन सकते हैं फैज?...पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का ये बयान उस वक्त आया है, जब सोमवार को यह आशंका जताई जा रही है पूर्व जासूस को अधिकारी 9 मई, 2023 के दंगों में इमरान खान खिलाफ सरकारी गवाह बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

पिछले साल 9 मई को ऐसे भड़की थी हिंसा...पिछले साल इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद, उनके सैकड़ों और हजारों अनुयायियों और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकताओं ने 9

मई को जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की थी। इस दौरान रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया था।

पिछले हफ्ते हमीद की गिरफ्तारी का हुआ खुलासा...रावलपिंडी की अदियाला जेल में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान, इमरान खान ने कहा कि अगर हमीद वास्तव में 9 मई की साजिश के पीछे का मास्टरमाइंड है, तो मुकदमा खुले तौर पर होना चाहिए, उन्होंने कहा कि यह घटना राष्ट्रीय सुरक्षा के बजाय एक स्थानीय मुद्दा है। बता दें इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख हमीद की गिरफ्तारी का खुलासा पिछले हफ्ते पाकिस्तानी सेना ने किया था। इससे पहले फैज हमीद की गिरफ्तारी के तुरंत बाद मीडिया के साथ इसी तरह की एक अनौपचारिक बातचीत में इमरान खान ने कहा था कि यह सेना का आंतरिक मामला है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, वे फैज हमीद को मेरे खिलाफ सरकारी गवाह बना देंगे, और सेना प्रमुख को फैज हमीद के लिए पारदर्शी मुकदमे की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

शेयर बाजार में कमजोर शुरूआत; संसेक्स 100 अंक फिसला, निफ्टी 24650 के करीब पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता दिखा। शुरूआती कारोबार में सुबह 9 बजकर 58 मिनट पर सेंसेक्स 134.89 (0.16%) अंकों की गिरावट के साथ 80,667.97 स्तर पर जबकि निफ्टी 3.45 (0.01%) अंक फिसलकर 24,695.40 पर पहुंच गया। विदेशी फंडों की लगातार निकासी, एशियाई बाजारों से कमजोर रुझान और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के बीच बुधवार को शुरूआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई।

शुरूआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 138.58 अंक या 0.17 फीसदी गिरकर 80,664.28 पर आ गया। एनएसई निफ्टी में चार दिन की तेजी पर लगाम लग गई और यह 15.20 अंक फिसलकर 24,683.65 पर आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड और एक्सिस बैंक पिछड़ गए। लार्सन एंड टूब्रो, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और अदानी पोर्ट्स के शेयरो में बढ़त दिखी। एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और सियोल बुधवार को गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को फिर से बिकवाली की और उन्होंने 1,457.96 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने मंगलवार को 2,252.10 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, "एफआईआई की बिकवाली और डीआईआई की खरीददारी का रुझान जारी है। लेकिन डॉलर इंडेक्स में गिरावट से एफआईआई की निकासी के रुझान पर लगाम लगने की संभावना है। हालांकि, बड़ा एफआईआई निवेश तभी होगा जब भारतीय शेयरों के मूल्यांकन सही स्तर पर होंगे, लेकिन घरेलू प्रवाह के मौजूदा संदर्भ में यह संभव नहीं लगता है।"

IDBI बैंक में एफडी पर 7.85% ब्याज; इटह 7.20 लाख वाहन वापस बुलाएगी, एढत्रह्ड ने जोड़े 19.29 लाख सदस्य

नई दिल्ली बैंक जमा में सुस्त वृद्धि को लेकर चिंताओं के बीच आईडीबीआई बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दर बढ़ाकर अब 7.85 फीसदी कर दिया है। बैंक ने मंगलवार को कहा, नई ?दर 444 दिनों की अवधि वाले जमा पर लागू होगी। 375 दिन की अवधि वाले जमा पर 7.75 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। उत्सव एफडी में 700 दिन की अवधि वाले जमा पर 7.70 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

ईपीएफओ ने जून में जोड़े 19.29 लाख सदस्य

देश में संगठित क्षेत्र में नौकरियां बढ़ी हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जून में शुद्ध रूप से 19.29 लाख सदस्यों को जोड़ा है। यह सालाना आधार पर 7.86 फीसदी अधिक है। सदस्यों में 18-25 साल की उम्र वाले युवाओं का हिस्सा 59.14% रहा।?

बीएमडब्ल्यू 7.20 लाख वाहन वापस बुलाएगी

शॉर्ट सर्किट में खराबी के कारण बीएमडब्ल्यू अमेरिका में 7.20 लाख वाहनों को वापस बुलाएगी। कंपनी ने कहा, पानी वाले पंप में इलेक्ट्रिकल कनेक्टर में खराबी है। जिन वाहनों को वापस बुलाया है उनमें पांच सिरीज की भी कारें हैं।?

हिंदुस्तान जिंक देगी प्रति शेयर 19 रुपये लाभांश

हिंदुस्तान जिंक चालू वित्त वर्ष के लिए दूसरे अंतरिम लाभांश के तहत 19 रुपये प्रति शेयर लाभांश देगी। कुल 8,028 करोड़ रुपये का भुगतान होगा। पिछले वित्त वर्ष में 5,493 करोड़ के लाभांश का भुगतान किया था। इसमें सरकार को 1,622 करोड़ मिले थे।

एयर इंडिया ने विमानों में शुरू की वायरलेस इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट सेवा

एयर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने अपने मौजूदा वाइड बॉडी विमानों में रेट्रोफिट पूरा होने तक वायरलेस इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट सेवा प्रदान करना शुरू कर दिया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन के कुछ विमानों में यात्रियों की ओर से इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम के काम नहीं करने से जुड़ी शिकायतों के बाद यह फैसला लिया गया। एयर इंडिया अपने पुराने बेड़े को रेट्रोफिट करने और नए विमानों को शामिल करने की प्रक्रिया में है। एयर इंडिया के अनुसार नई इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट सेवा 'विस्टा', जिसे हाल ही में अपने मौजूदा वाइड बॉडी बेड़े में पेश किया गया था, संकीर्ण बॉडी विमानों में भी उपलब्ध कराई जाएगी। एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह सुविधा नए शामिल किए गए इ777 और अ350 विमानों में उपलब्ध नहीं होगी। इसमें कहा गया है कि रेट्रोफिट तक ग्राहकों को निर्बाध मनोरंजन प्रदान करने के लिए मौजूदा वाइड बॉडी बेड़े में विस्टा की सुविधा पेश की गई है। एयर इंडिया के नए वाइड-बॉडी विमानों में एक नया इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम है।

Bank ने नवी टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी में UPI पर क्रेडिट लाइन का अनावरण

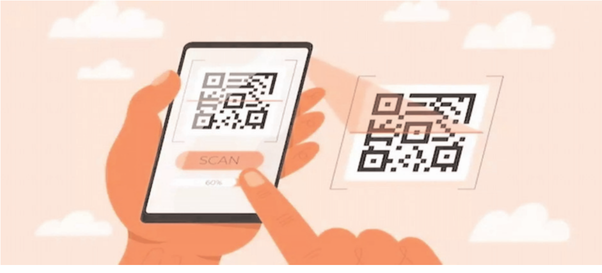

बेंगलुरु। कर्नाटक बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी नवी टेक्नोलॉजीज ने यूपीआई पर क्रेडिट लाइन शुरू करने की घोषणा की है, जो कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की पेशकश है। निजी क्षेत्र का यह ऋणदाता नवी के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से क्रेडिट लाइन की पेशकश करेगा, जिससे कर्नाटक बैंक इस अगली पीढ़ी के क्रेडिट उत्पाद को अपनाने वाले शुरूआती लोगों में से एक बन जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है, "यह वर्तमान में चुनिंदा उपयोगकताओं के एक बंद समूह को पेश किया जा रहा है, जो उत्पाद के लिए पूर्व-योग्य हैं, और इसे ग्राहकों की प्रतिक्रिया के आधार पर अधिक उपयोगकताओं के लिए लॉन्च किया जाएगा।

इसमें आगे कहा गया है कि बैंक एक अल्पकालिक मासिक ऋण उत्पाद के साथ शुरूआत कर रहा है और भविष्य में ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप ईएमआई सुविधाओं और कार्यशील पूंजी क्रेडिट लाइनों जैसे अन्य वेरिएंट को जोड़ने के लिए चर्चा कर रहा है। कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्रीकृष्णन एच ने कहा, "यह उत्पाद क्रेडिट एक्सेस की स्वतंत्रता प्रदान करता है और उम्मीद है कि यह यूपीआई के माध्यम से लोगों द्वारा बिना कार्ड के भुगतान करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। नवी के साथ यह रणनीतिक भागीदारी महत्वपूर्ण तालमेल बनाएगी और डिजिटल पेशकश एक अनूठी पेशकश है, जो सभी यूपीआई उपयोगकताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करेगी।" बैंक के कार्यकारी निदेशक शेखर राव ने कहा कि क्रेडिट लाइन को सीधे वढक पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करके, "हम अपने ग्राहकों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से ऋण तक पहुँच को पहले से कहीं अधिक आसान बना रहे हैं।

क्या अमेजन भारत में गलत तरीके से कर रहा अपना कारोबार? केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को अमेजन के भारत में 6,000 करोड़ रुपये के घाटे पर सवाल उठाया। उन्होंने संकेत दिया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बाजार बिगाड़ने वाली मूल्य निर्धारण नीतियां अपनाती हैं और इससे छोटे खुदरा विक्रेताओं पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, 'अगर आपको एक साल में 6,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है तो क्या इससे मूल्यों में गड़बड़ी जैसी गंध नहीं आती?' गोयल ने नई दिल्ली में पहले इंडिया फाउंडेशन की ओर से ई-कॉमर्स और रोजगार पर तैयार रिपोर्ट जारी करने के दौरान अमेजन का जिक्र करते हुए ये बातें कही।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने अमेजन के निवेश के तरीके पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, "जब अमेजन कहता है कि वह देश में एक अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है, तो हम इसके पीछे की उस कहानी पर ध्यान नहीं देते कि भारतीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए किसी महान सेवा या किसी भी महान निवेश के लिए यह एक अरब डॉलर नहीं आ रहा है। उन्होंने अपनी बैलेंस शीट में एक अरब डॉलर का नुकसान किया और वे उस नुकसान को भरने के लिए एक अरब डॉलर का निवेश कर रहे हैं।

गोयल ने कहा कि कानूनी रूप से अनुमति नहीं होने के बावजूद अमेजन उपभोक्ता ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में काम रहा है। गोयन ने कहा, "वे एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म हैं। उन्हें इ2उकरने की अनुमति नहीं है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, कानूनी रूप से, बिजनेस-टू-कंज्यूमर व्यापार नहीं कर सकता है। दुख की बात है कि वे इसके लिए वे यहां संस्थाओं का निर्माण करते हैं जिसमें भारतीय ही उनकी मदद करते हैं। धीरे-धीरे वे उन संस्थाओं को बंद करना शुरू कर देते हैं, यह कहानी का भाग दो है। लेकिन वे केवल यह दिखाने के लिए उनका व्यवसाय इ2इ है, ऐसा करते हैं और आप सभी इन प्लेटफार्मों पर खरीदारी करते हैं। आप कैसे खरीदारी करते हैं हैं? जबकि उन्हें इ2उ की अनुमति नहीं है, वे इसे कैसे कर रहे हैं? क्या यह हम सभी के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए?

गोयल ने आगे भारत में अमेजन कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, "अमेजन को यह नुकसान कैसे हुआ? अमेजन कहता है उन्होंने पेशेवरों को 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया। मुझे नहीं पता कि ये पेशेवर कौन हैं ... मैं जानना चाहता हूं कि किस तरह के वकीलों और सीए को 1,000 करोड़ रुपये मिलते हैं, जब तक कि आप सभी शीर्ष वकीलों को हायर कर उन्हें भुगतान नहीं दे रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि आपके खिलाफ कोई लड़ नहीं सके।" मंत्री ने कहा कि ई-कॉमर्स की वृद्धि देश के खुदरा विक्रेताओं और दुकानदारों के लिए "भारी सामाजिक व्यवधान" पैदा कर सकती है। उन्होंने रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि ई-कॉमर्स की वृद्धि दर सालाना 27 प्रतिशत है। हम इसे गर्व के स्रोत के रूप में देखते हैं। मेरे बच्चों सहित बहुत सारे युवा ऑनलाइन ऑर्डर करते हैं। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि आज हम जो कर रहे हैं वह 10 साल बाद भारत का भविष्य निर्धारित करने वाला है।

गोयल ने कहा, "ई-कॉमर्स रिटेल स्टोर के हर हिस्से पर हमला नहीं करता है। गोयल ने कहा कि हर दुकान में केवल 5-10% आइटम होते हैं जो स्टोर मालिक के लिए अच्छा लाभ कमाते हैं। ई-कॉमर्स उच्च मार्जिन वाले उत्पादों को अपना निशाना बनाता है। कल्पना करें कि हमारे शहरों में 10 लाख से अधिक खुदरा दुकानों का क्या होगा? उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर गर्व नहीं है कि हमारा आधा बाजार अगले 10 साल बाद ई-कॉमर्स नेटवर्क का हिस्सा बन सकता है, यह चिंता का विषय है। मंत्री ने कहा, "ई-कॉमर्स से जुड़े तीन झूठ हैं: झूठ, शापित झूठ और आंकड़ों से जुड़े झूठ।

सोना 74150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर, चांदी 150 रुपये कमजोर पड़ी

नई दिल्ली अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 74,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। मंगलवार को पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 1,400 रुपये उछलकर 74,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, चांदी की कीमत 150 रुपये की गिरावट के साथ 87,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जो पिछले सत्र में 87,150 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 73,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स सोना 6.10 डॉलर प्रति औंस की गिरावट के साथ 2,544.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक मोहम्मद इमरान ने कहा, "अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच मंगलवार को नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद सोना...अब भी 2,500 डॉलर से ऊपर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी डॉलर सूचकांक में कमजोरी और चीन की मजबूत मांग के बीच वैश्विक व्यापारी और उपभोक्ता कीमती धातु पर अपना दांव लगाना जारी रखे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स चांदी भी 0.24 प्रतिशत बढ़कर 30.03 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक, कमोडिटीज, सौमिल गांधी ने कहा, "व्यापारी अब बुधवार को होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नवीनतम बैठक के मिनटों का इंतजार कर रहे हैं, जो फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की दिशा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकता है।"

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के ईबीजी, कमोडिटी और करेंसी रिसर्च के उपाध्यक्ष प्रणव मेर के अनुसार, ब्याज दरों में कटौती की मात्रा का अनुमान लगाने के लिए जैक्सन होल संगोष्ठी में अमेरिकी फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के भाषण पर निवेशकों का ध्यान केंद्रित है।

एनसीएलटी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को शेयर बाजारों से हटने की दी मंजूरी

नई दिल्ली राष्ट्रीय कंपनी विधि प्राधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के शेयर बाजारों से हटने के आवेदन को बुधवार को मंजूरी दे दी और अल्पांश शेयरधारकों की आपत्तियों को भी खारिज कर दिया। एनसीएलटी ने मौखिक आदेश में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के शेयरों को बाजार से हटाने की व्यवस्था से जुड़ी योजना को मंजूरी दे दी। व्यवस्था के तहत आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज (आईएसईसी) के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक 100 शेयर के बदले आईसीआईसीआई बैंक के 67 शेयर मिलेंगे। अदालत ने अल्पांश शेयरधारकों क्वांटम म्यूचुअल फंड और मनु ऋषि गुप्ता की आपत्तियों को भी खारिज कर दिया। क्वांटम म्यूचुअल फंड के पास 0.08 प्रतिशत शेयर और मनु ऋषि गुप्ता के पास 0.002 प्रतिशत शेयर हैं। इन्होंने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की इस योजना का विरोध किया था। इस योजना को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के 93.8 प्रतिशत शेयरधारकों की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है।

शेयर बाजारों से हटने के बाद आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। यह आईसीआईसीआई बैंक द्वारा प्रवर्तित है। इस बीच, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने बुधवार को बताया कि उसने 69.82 लाख रुपये का भुगतान कर नियामक मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित मामले को सेबी के साथ सुलझा लिया है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, कंपनी की मर्चेंट बैंकिंग गतिविधियों की पुस्तकों और रिकॉर्ड के निरीक्षण के संबंध में भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) को एक निपटान आवेदन प्रस्तुत किया गया। ये टिप्पणियां मुख्य रूप से एक मर्चेंट बैंकर के रूप में कंपनी की ओर से अपनाई जाने वाली उचित परिश्रम प्रक्रिया से जुड़ी थीं।

भारत ने मलयेशिया को 2 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली। सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से मलयेशिया को दो लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की अनुमति के आधार पर निर्यात की अनुमति है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है, "एनसीईएल के माध्यम से मलेशिया को 2,00,000 मीट्रिक टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति है।

भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को इन नियार्तों की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ अग्रणी सहकारी समितियों की ओर से संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन सहकारी समितियों में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) जिसे अमूल के नाम से जाना जाता है, भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) आदि शामिल हैं।

उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार सेंसेक्स 102 अंक चढ़ा, निफ्टी 24770 के पार

नई दिल्ली घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी के समर्थन के बीच एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर शेयरों में बढ़त के चलते बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए।

हालांकि, कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी फेड की बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले वैश्विक इक्विटी में सतर्क रुख के बीच हालिया विदेशी पूंजी निकासी ने घरेलू बाजारों की बढ़त को सीमित कर दिया। सीमित दायरे में कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.44 अंक या 0.13 प्रतिशत बढ़कर 80,905.30 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 149.97 अंक या 0.18 प्रतिशत बढ़कर 80,952.83 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार पांचवें सत्र में बढ़त के साथ एनएसई निफ्टी 71.35 अंक या 0.29 प्रतिशत बढ़कर 24,770.20 पर बंद हुआ।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "भारतीय बाजार मजबूत डीआईआई प्रवाह द्वारा समर्थित सकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। जबकि एफएमसीजी, उपभोक्ता, वस्तुओं और फार्मा की ओर पोर्टफोलियो में निरंतर बदलाव के कारण रक्षात्मक क्षेत्र ने बेहतर प्रदर्शन किया। आज बाद में एफओएमसी के मिनट जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों ने हल्के सतर्क रुख का प्रदर्शन किया। अमेरिका में मुद्रास्फीती में गिरावट और कुल वृद्धि में नरमी को देखते हुए फिलहाल ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद अधिक बनी हुई है।"

सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन, एशियन पेंट्स, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। इसके विपरीत अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजी, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ गए।

बुधवार को यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।एशियाई बाजारों में बुधवार को टोक्यो, शंघाई और हांगकांग नकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि सियोल बढ़त के साथ बंद हुआ। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को फिर बिकवाली करने वाले बने रहे और उन्होंने 1,457.96 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने मंगलवार को 2,252.10 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। ब्रेंट क्रूड 0.28 प्रतिशत बढ़कर 77.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 378.18 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 80,802.86 पर बंद हुआ था। लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ एनएसई निफ्टी 126.20 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 24,698.85 पर पहुंच गया था।

24 कोच की नजर आएंगी वंदे भारत एक्सप्रेस, रेलवे उठाने जा रहा कदम

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार सेमी हाई-स्पीड ट्रेन वंदे भारत में बड़ा बदलाव करने जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे अब 24 डिब्बे वाली वंदे भारत ट्रेन बनाने जा रहा है। यदि ऐसी ट्रेन बनती है, तो वंदे भारत प्रीमियम ट्रेनों में सबसे लंबी ट्रेन बन जाएगी। अब तक इस श्रेणी में केवल राजधानी एक्सप्रेस है। इस ट्रेन में अधिकतम 22 कोच जोड़े जाते हैं। दरअसल, पिछले दिनों वंदे भारत ट्रेनों के कोच बनाने को लेकर 35 हजार करोड़ रुपये के टेंडर कैंसिल हो गए थे। इसका इसका टेंडर लेने वाली कंपनी ने ज्यादा पैसे की डिमांड थी। लेकिन रेलवे अपने तय मानकों पर टिका रहा। इसके चलते ये टेंडर रद्द करना पड़ा। ऐसे में अब रेलवे ने फिर से टेंडर तैयार किया है। इसमें व्यापक तौर पर बदलाव किए गए हैं, ताकि इस बार इसे रद्द नहीं करना पड़े।

रेलवे पुराने टेंडर में 200 स्लीपर वर्जन की वंदे भारत ट्रेन बनाने का ऑर्डर था। इसमें हर ट्रेन में 16 कोच लगाने थे। इसके अलावा कंपनी को इन ट्रेनों का अगले 35 साल तक मेंटेनेंस भी देखना था। इस कॉन्ट्रैक्ट के एल-1 बोलीदाता को लातूर में मराठवाड़ा रेल कोच फैक्ट्री में 120 ट्रेन सेट का उत्पादन करना था, जबकि एल-2 बोलीदाता चेन्नई में आईसीएफ में 80 ट्रेन सेट के लिए जिम्मेदार था। अब रेल मंत्रालय द्वारा वर्क ऑफ स्कोप में हाल ही में किए गए बदलाव के तहत अब 24 कोचों वाले 80 ट्रेन सेटों के उत्पादन की आवश्यकता है।

हर दिन 1600 किमी की दूरी विमान से तय कर दफ्तर पहुचेंगे स्टारबक्स के नए सीईओ

नई दिल्ली स्टारबक्स के नए सीईओ ब्रायन निकोल जो अगले महीने अपना पदभार संभालने वाले हैं रोजाना दफ्तर पहुंचने के लिए एक लंबा सफर तय करेंगे। कैलिफोर्निया में रहने वाले निकोल सिएटल में कंपनी के मुख्यालय तक पहुंचने के लिए हर दिन 1,600 किलोमीटर की दूरी कॉरपोरेट जेट से तय करेंगे। उनके ऑफर लेटर में इसका जिक्र किया गया है। ऑफर लेटर के अनुसार निकोल से सप्ताह में कम से कम तीन दिन सिएटल कार्यालय से काम करने की अपेक्षा की जाएगी। उन्हें यह सुविधा स्टारबक्स की हाइब्रिड कार्य नीति के अनुसार दी गई है, जो 2023 से लागू है। 50 वर्षीय निकोल को हर वर्ष 1.6 मिलियन डॉलर का मूल वेतन दिया जाएगा इसके अलावा उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें 3.6 मिलियन डॉलर से 7.2 मिलियन डॉलर तक का नकद बोनस भी मिल सकता है। वे 23 मिलियन डॉलर तक की वार्षिक इक्विटी हासिल करने के भी पात्र होंगे। यह पहली बार नहीं है जब निकोल इस तरह की लंबी दूरी तय कर दफ्तर पहुंचेंगे। 2018 में जब वे चिपोटल के सीईओ थे, तब भी उन्होंने बातचीत से इसी तरह की सुविधा सफलतापूर्वक हासिल की थी।चिपोटल का मुख्यालय कोलोराडो में था, जो निकोल के अंतिम कार्यस्थल से 15 मिनट की ड्राइव जितनी दूर था। लेकिन मैक्सिकन फास्ट फूड चेन ने उनके सीईओ नियुक्त होने के तीन महीने बाद अपना मुख्यालय डेनवर से कैलिफोर्निया स्थानांतरित कर दिया था। कंपनी के प्रवक्ता ने सीएनबीसी को बताया, "ब्रायन का मुख्य कार्यालय और उनका अधिकांश समय हमारे सिएटल सहायता केंद्र में या हमारे स्टोर, रोस्टरी, रोस्टिंग सुविधाओं और दुनिया भर के कार्यालयों में भागीदारों और ग्राहकों से मिलने में व्यतीत होगा। उनका शेड्यूल हाइब्रिड कार्य दिशा-निदेशों और कार्यस्थल अपेक्षाओं से कहीं अधिक होगा जो हम सभी भागीदारों के लिए निर्धारित करते हैं। रोजगार के लिए ऐसी आरामदायक शर्तें उच्च पदस्थ अधिकारियों के लिए आम बात है, जिनके पास औसत कर्मचारी की तुलना में सौदेबाजी की अपार शक्ति होती है। गायिका रिहाना के अधोवस्त्र ब्रांड फेंटी एक्स सैवेज की हिलेरी सुपर को भी इसी तरह की छूट दी गई थी, जब विक्टोरिया सीक्रेट ने उन्हें अपना नया सीईओ बनाया था।

वह कोलंबस, ओहियो के निकट स्थित कंपनी के मुख्यालय के बजाय न्यूयॉर्क शहर स्थित कंपनी के कार्यालय से काम करती हैं। लेकिन सभी सीईओ इस बात से सहमत नहीं हैं। अमेजन के एंडी जेसी और जेपी मॉर्गन चेस के जेमी डिमन कार्यालय से काम करने की नीति को फिर से लागू करने के लिए जोरदार प्रयास कर रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार दूसरे साल शीर्ष सेंट्रल बैंकर चुने गए

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका स्थित ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका की ओर से लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर (सेंट्रल बैंकर) का दर्जा दिया गया। आरबीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लगातार दूसरे वर्ष, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2024 में 'ए+' रेटिंग दी गई है।

शक्तिकांत दास को तीन केंद्रीय बैंक गवर्नरों की सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें ए+ रेटिंग दी गई है। ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका के एक बयान के अनुसार, मुद्रास्फीति नियंत्रण, आर्थिक विकास लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए ए से एफ तक के पैमाने पर ग्रेड दिए जाते हैं।

ग्रेड 'ए' उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है, जबकि 'एफ' पूरी तरह से विफलता के लिए दिया जाता है। डेनमार्क के क्रिश्चियन केटल थॉमसन, भारत के शक्तिकांत दास और स्विट्जरलैंड के थॉमस जॉर्डन को केंद्रीय बैंकरों की 'ए+' श्रेणी में स्थान दिया गया है। ग्लोबल फाइनेंस का वार्षिक सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड उन बैंकर्स को सम्मानित करता हैं जिनकी रणनीतियों ने मौलिकता, रचनात्मकता और दृढ़ता के माध्यम से अपने साथियों को पीछे छोड़ दिया। इन बैकरों ने अपने प्रमुख हथियार उच्च ब्याज दरों का इस्तेमाल किया। इनके ठोस प्रयासों से की मदद से दुनिया भर के देशों में महंगाई दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। ग्लोबल फाइनेंस की ओर से 1994 से हर साल प्रकाशित सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड, यूरोपीय संघ, पूर्वी कैरिबियन सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स सहित लगभग 100 देशों, क्षेत्रों और जिलों के केंद्रीय बैंक गवर्नरों को ग्रेड दिया जाता है।

आरबीआई गवर्नर को शीर्ष वैश्विक रैंकिंग मिने पर पीएम ने सराहा...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को केंद्रीय बैंकरों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष रेटिंग हासिल करने पर बधाई दी। पीएम ने आरबीआई गवर्नर के नेतृत्व को मान्यता मिलने पर उनकी सराहना की। उन्होंने एक्स पर कहा, "आरबीआई गवर्नर श्री शक्तिकांत दास को इस उपलब्धि के लिए बधाई, और वह भी दूसरी बार। यह आरबीआई में उनके नेतृत्व और आर्थिक विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में उनके काम को मिली मान्यता है। दास को अमेरिका स्थित ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका की ओर से लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर के रूप में स्थान दिया गया है। दास को दो अन्य केंद्रीय बैंक गवर्नरों के साथ सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें ए+ रेटिंग दी गई है।

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

येलोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां, शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां, भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है. पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है. दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है. इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाये लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे, विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे, ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे. अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा. 1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी, टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की, इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है. ये सारी चट्टानें टीटान, बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं. 5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों, विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ. यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया. 500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी. लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए, बेसिन बने है, उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है. इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है. 165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा. वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी, तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है, समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है, जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ, जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस, रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है. लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं. अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके **671** मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है. लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं. जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है. जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है, इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे, इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है, हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए.

येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन

यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है, यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है. लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट, ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है क़ैनियन २० मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें १००० फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो. इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है, यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं :

पोर्सलीन – इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन – यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं, इसके चारों ओर 1.5 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान – यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है. यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड, सल्फर के कारन रंगों की छटा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा. लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था, उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था. यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है. इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है. पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं. 1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं. होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है, यहाँ बाल्ड ईगल, ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

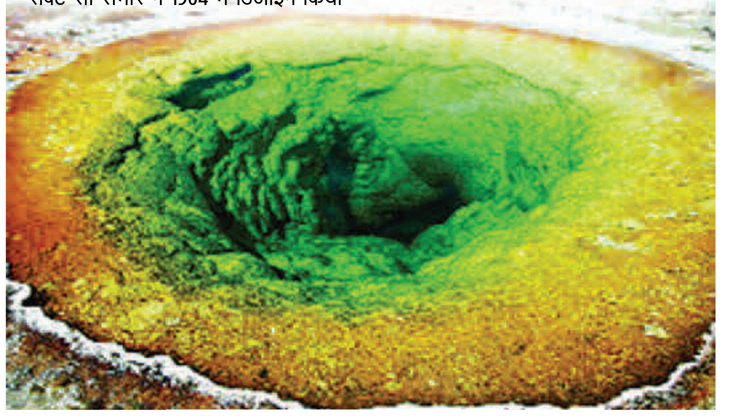

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं. दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं. नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है. इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं. जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं, इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है. पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे. अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है. ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं, अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है, ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है. जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पधाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी।

इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पधाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी। पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरूआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा।

कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

स्टार्क ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा, इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया।

स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। उन्होंने कहा, हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है।

स्टार्क ने कहा, भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा,जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।

अंतिल पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना: नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना।

अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।

अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतर्क हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा।

आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे धनंजय डी सिल्वा

नई दिल्ली, एजेंसी। धनंजय डी सिल्वा ने स्वीकार किया है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी में कम से कम एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे। यह श्रीलंका का आठ वर्षों में ब्रिटेन का पहला टेस्ट दौरा था। श्रीलंका ने पिछले सप्ताह न्यू रोड पर इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेला था और अपनी पहली पारी में केवल 139 रन बनाकर आउट हो गई थी, टीम को मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

हालाँकि मेहमान टीम ने खेल में बेहतर प्रदर्शन किया और दूसरे टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी की, लेकिन वे मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट में बिना किसी अतिरिक्त अभ्यास के उतरेंगे। धनंजय ने कहा, एशियाई देशों की तुलना में यहाँ की परिस्थितियाँ काफी अलग हैं। हम कुछ मैच खेलना चाहते थे, लेकिन हमें वही मिला। उन्होंने एक बयान में कहा, हम पूरी ताकत के साथ [वार्म-अप के लिए टीम] नहीं गए। हमने कुछ खिलाड़ियों को आजमाया भी है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास तैयारी थी। यह इस मैच में काम आएगी।

धनंजय, जिन्होंने अब तक अपने नेतृत्व में तीन टेस्ट मैचों में से प्रत्येक में श्रीलंका को जीत दिलाई है, ने माना कि 2018 के बाद से यह श्रीलंका की पहली टेस्ट सीरीज है जिसमें दो से अधिक टेस्ट शामिल हैं, जिससे शेड्यूल कड़ा हो सकता है और इसलिए, उनकी टीम संभावित रूप से एक और अभ्यास मैच से वंचित हो सकती है। हालाँकि, कप्तान ने माना कि उनकी टीम अच्छी मानसिक स्थिति में है।

तेज गेंदबाजी आसान नहीं : नवदीप सैनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए 2 टेस्ट, 8 वनडे और 11 टी20 मैच खेल चुके तेज गेंदबाज नवदीप सैनी फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से रफ्तार भर रहे हैं। इस तेज गेंदबाज का मानना है बेहतर गेंदबाजी करने के लिए अनुशासन और लगातार अभ्यास बेहद जरूरी है।

अभी तक इस लीग में खेले गए अपने एकमात्र मैच में जीत हासिल करने वाली वेस्ट दिल्ली लायंस अपनी जीत की लय बरकरार रखना चाहती है। वह अपना अगला मुकाबला बुधवार को नई दिल्ली के श्री अरुण जेटली स्टेडियम में पुरानी दिल्ली 6 के साथ खेलेगी।

टीम को लेकर नवदीप सैनी ने कहा, हमारा पहला मैच बहुत अच्छा रहा और सभी चीजें हमारी योजना के अनुसार हुईं। खेल के दौरान सभी खिलाड़ी एक-दूसरे की हौसला आफजाई कर रहे थे। यह हम सभी टीम प्लेयर्स के लिए एक साथ खेलने का पहला मौका था और हमने एकजुट होकर अच्छा प्रदर्शन किया।

उन्होंने आगे कहा, एक टीम के रूप में जब आप पहला मैच जीतते हैं तो यह वास्तव में टीम को आगे बढ़ने में मदद करता है। हमने आज के खेल के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है। हमारी रणनीति वही है, जो पहले मैच के दौरान थी और हमने आज के मैच में भी उसका पालन किया है।

वेस्ट दिल्ली लायंस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी नवदीप ने कहा, जब से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, तब से मैंने हमेशा अपनी फिटनेस का ध्यान रखा है। तेज गेंदबाजी आसान नहीं है, इसमें महारत हासिल करने के लिए आपको दिन-रात कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यदि आप एक तेज गेंदबाज बनना चाहते हैं तो आपका अनुशासित होना बेहद जरूरी है।

वेस्ट दिल्ली लायंस की टीमः रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल, शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांतडोनल, अब्राहम अहमद मसूदी।

सिंकफील्ड कप: गुकेश ने नेपोमनियाचची से ड्रा खेला

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में रूस के इयान नेपोमनियाचची के साथ रोमांचक ड्रॉ खेला जिससे वह संयुक्त दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

अपनी पहली बाजी में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के साथ अपेक्षाकृत आसान ड्रा खेलने के बाद गुकेश में मंगलवार को यहां नेपोमनियाचची के खिलाफ रोमांचक मुकाबला खेला।

भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेल रहा था और वह कुछ बेहतर स्थिति में भी दिख रहा था लेकिन रूस के खिलाड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दोनों खिलाड़ी 60 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए।

भारत के एक अन्य खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने फ्रांस के मैक्सिम

वाचिएर लाग्रेव के साथ ड्रा खेला। भारतीय खिलाड़ी काले मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह फ्रांस के खिलाड़ी के खिलाफ कोई मौका नहीं बना पाया। मोहरों की नियमित अदला बदली के बाद दोनों खिलाड़ी अंक बांटने पर सहमत हो गए।

दूसरे दौर में पांचों बाजियां ड्रॉ रही। इस तरह से फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 1.5 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने पहले दौर में अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हराया था।

ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के दौरान ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देगा इंग्लैंड

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाड़ी बुधवार को मैनचेस्टर में श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की शुरूआत से पहले दिवंगत ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देंगे।

4 अगस्त को 55 साल की उम्र में थोर्प ने आत्महत्या कर ली थी, उनकी पत्नी अमांडा ने बताया कि वे गंभीर अवसाद और चिंता से पीड़ित थे। वे इंग्लैंड के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक थे, जिन्होंने 100 मैचों के टेस्ट करियर में 44.66 का औसत बनाया था, और बाद में 2021-22 एशेज दौरे के बाद उस भूमिका को छोड़ने तक इंग्लिश टीम के बल्लेबाजी और सहायक कोच रहे।

उन्होंने बल्लेबाजी और सहायक कोच की भूमिका में श्रीलंका श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की अधिकांश टीम के साथ काम किया और जो रूट और बेन स्टोक्स के करियर में विशेष रूप से

प्रभावशाली रहे।

इंग्लैंड के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में, स्टोक्स ने टॉस के लिए थोर्प के नाम वाली शर्ट पहनी थी, इससे पहले उन्होंने खुद पर जान लेने की कोशिश की थी, जिसके कारण वे अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे।

स्टोक्स की जगह कप्तान के रूप में काम कर रहे ओली पोप ने मंगलवार को कहा, हम पूरे खेल के दौरान अपनी काली बांह की पट्टियाँ बाँधे रहेंगे और उससे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इससे चेंजिंग रूम में बहुत से लोगों को ठेस पहुँची है। वे एक महान व्यक्ति थे। मैंने शायद दो या तीन साल उनके निर्देशन में में खेला था। मैं वास्तव में उनका प्रशंसक हूँ।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे एक बात कही थीः 'कभी भी अपने द्वारा बनाए जा रहे रनों को अपने व्यक्तित्व से परिभाषित मत होने दो'। जब आप युवा होते हैं तो आप थोड़े ऊबाऊ होते हैं, मुझे यही सुनने की जरूरत थी। यह दशार्ता है कि वह कितने लोगों के बीच रहने वाले व्यक्ति थे। चेंजिंग रूम में उन्हें प्यार किया जाता था। उनका जाना सभी के लिए बहुत दुखद क्षति हैः देश, उनके परिवार और लड़कों के लिए भी, उनकी कमी खल रही है और हम इस सप्ताह उनका सम्मान करेंगे।

बुधवार की सुबह एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में राष्ट्रगान से पहले टीमें तालियों की गड़गड़ाहट के साथ श्रद्धांजलि के लिए कतार में खड़ी होंगी। स्काई स्पोर्ट्स भी अपने कवरेज में थोर्प को श्रद्धांजलि देगा, उनके कई कमेंटेटर उन्हें लंबे समय से टीम के साथी और करीबी दोस्त के रूप में गिनते हैं। पिछले हफ्ते थोर्प की मौत की जांच की शुरूआत में पता चला कि 4 अगस्त की सुबह सरे के एशर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने के बाद उनकी मौत हो गई थी।

एक नजर

रौनक दहिया को अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन), एजेंसी। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता जोल्टन कजाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

फारूक बने बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड के नये अध्यक्ष

ढाका, एजेंसी। पूर्व मुख्य चयनकर्ता फारूक अहमद को बुधवार को बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष बनाया है। ढाका में नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) कार्यालय में आज हुई बीसीबी की बैठक में नजमुल हसन ने औपचारिक रूप से बताया कि उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है उसके बाद निदेशकों ने सर्वासम्मति से फारूक अहमद को बोर्ड का नया अध्यक्ष चुन लिया। हसन का कार्यकाल अगले वर्ष अक्टूबर में समाप्त होने वाला था, लेकिन देश में हाल ही में हुए शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के कारण उन्होंने समय से पहले ही पद छोड़ने का फैसला किया है। बैठक में बताया गया कि महिला टी-20 विश्वकप को बंगलादेश की जगह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थानांतरित किया गया है, लेकिन अक्टूबर में होने वाले इस टूनामेंट की मेजबानी अभी भी उनके पास ही है। इससे पहले एनएससी द्वारा बोर्ड के निदेशकों में नामित किए जाने के बाद फारुक और नजमुल अबीदीन फहीम बीसीबी की बैठक में शामिल हुए थे। एनएससी ने जलाल युनूस और अहमद सज्जादुल आलम के स्थान पर फारूक और फहीम को बोर्ड के निदेशकों में शामिल किया। बैठक में काजी इनाम अहमद, इफ्तिखार अहमद और फहीम सिन्हा भी शामिल थे। युनूस ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था जबकि आलम ने इस्तीफा देने से इंकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण महिला टी-20 विश्वकप 2024 यूएई में होगा। इस समय बंगलादेश की पुरुष क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे पर है। जहां उसे रावलपिंडी में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है।

विलारियल ने ब्राजील के गोलकीपर लुईज जूनियर पर खर्च किए 12 मिलियन यूरो

मैड्रिड, एजेंसी। विलारियल ने पुर्तगाली क्लब फैमालिकाओ से ब्राजील में जन्मे गोलकीपर लुईज जूनियर को 12 मिलियन यूरो (13.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया है। 23 वर्षीय जूनियर के आने से विलारियल को फि लिप जोर्गेनसन की जगह लेने का मौका मिलेगा, जिन्हें उन्होंने गर्मियों की शुरूआत में चेल्सी को बेच दिया था। कोच मार्सेलिनो गार्सिया टोरल के लिए पहली पसंद बनने के लिए वह एक और नए आगमन, डिएगो कोंडे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। जूनियर, जिसके पास पुर्तगाली पासपोर्ट है, ने जून 2030 के अंत तक के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है और अपने पूर्व क्लब में 140 प्रथम-टीम प्रदर्शनों के बाद स्पेन चले गए हैं, जहां वह हाल के वर्षों में सबसे अधिक पेनल्टी बचाने वाले गोलकीपर रहे हैं। सोमवार की रात, जब विलारियल ने एटलेटिको मैड्रिड के साथ घरेलू मैदान पर 2-2 से ड्रा खेलकर नए सत्र की शुरूआत की, तो वह स्टेडियम में मौजूद थे।

प्रियांश आर्य ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को सेंट्रल दिल्ली किंग्स पर छह विकेट से जीत दिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रियांश आर्य की 51 गेंदों में 82 रन की शानदार पारी की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराया। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने मंगलवार को खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ध्रुव कौशिक (56) और यश ढुल (52) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने हालांकि आर्य और आयुष बडोनी (42) के बीच 101 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 177 रन बनाकर पांच गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर दिया। आर्य ने 32 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है।

मंधाना आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरी पायदान पर

दुबई, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की धाकड़ बल्लेबाज और उपकप्तान स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी महिलाओं की ताजा आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है। मंधाना एक स्थान के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गई हैं। मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना नौवां स्थान बरकरार रखा है। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही। समरविक्रमा और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे। श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेले गये दूसरे टी20 मैच में 44 गेंद में 65 रन बनाने वाली समरविक्रमा तीन स्थान के सुधार के साथ 13वें तो वहीं 75 गेंद में 119 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली लुईस चार स्थान के सुधार के साथ 21 स्थान पर पहुंच गयी। लुईस इससे पहले जुलाई 2022 में इस रैंकिंग पर पहुंची थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने हाल ही में संपन्न हुये महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था हालांकि टीम फाइनल में मेजबान श्रीलंका से हार गयी थी। अब टीम को तीन अक्टूबर से यूएई में महिला टी20 वर्ल्ड कप में खेलना है। भारत का पहला मुकाबला चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड से होगा।

पुरानी दिल्ली 6 और वेस्ट दिल्ली लायंस के सूरमा भिडंत को तैयार

दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली 6 बुधवार को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ अपना तीसरा मैच खेलने उतरेगी, जहां लगातार दो हार के बाद पुरानी दिल्ली 6 जीत की लय हासिल करना चाहेगी तो वेस्ट दिल्ली लायंस की निगाहें लगातार दूसरी जीत पर रहेगी। दोनों ही टीमों का लाइनअप बहुत शानदार है, जहां एक तरफ पुरानी दिल्ली 6 में विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का अनुभव शामिल है, तो दूसरी ओर ऋतिक शौकीन, देव लाकड़ा, दीपक पूनिया और भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी से सजा वेस्ट दिल्ली लायंस का किला भी काफी मजबूत है।

भक्षक के निर्देशक पुलकित के साथ काम करेंगे राजकुमार राव!

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वे फिल्म में एक बार फिर श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगे। अभिनेता फिल्म का जोर–शोर से प्रचार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच उनकी नई फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता को लेकर दावा किया गया है कि वे अगली फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे, जिसका निर्देशन भक्षक के निर्देशक पुलकित करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू होगी। इसकी आधिकारिक घोषणा की जा रही है। यह एक पूरी तरह से कमर्शियल एंटरटेनर है जिसमें राजकुमार राव एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर उत्तर प्रदेश में करने की योजना बनाई है, उसके बाद कुछ हिस्सा मुंबई में भी शूट किया जाएगा, क्योंकि पूरी कहानी और किरदार यूपी में ही आधारित है। राजकुमार इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हैं और सितंबर के पहले हफ्ते में टीम के साथ कुछ रीडिंग और वर्कशॉप करेंगे। इसके साथ ही रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माता नई कास्टिंग की तलाश में थे और उन्होंने फिल्म के लिए राजकुमार और मानुषी छिल्लर की जोड़ी बनाने का सोचा है। दोनों की जोड़ी फिल्म में दिलचस्प भूमिका निभाएगी। ऐसे में पुलकित निर्देशित आगामी फिल्म में राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर पहली बार साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म के सितंबर 2024 में फ्लोर पर आने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट से राव एक्शन जॉनर में भी कदम रखेंगे।

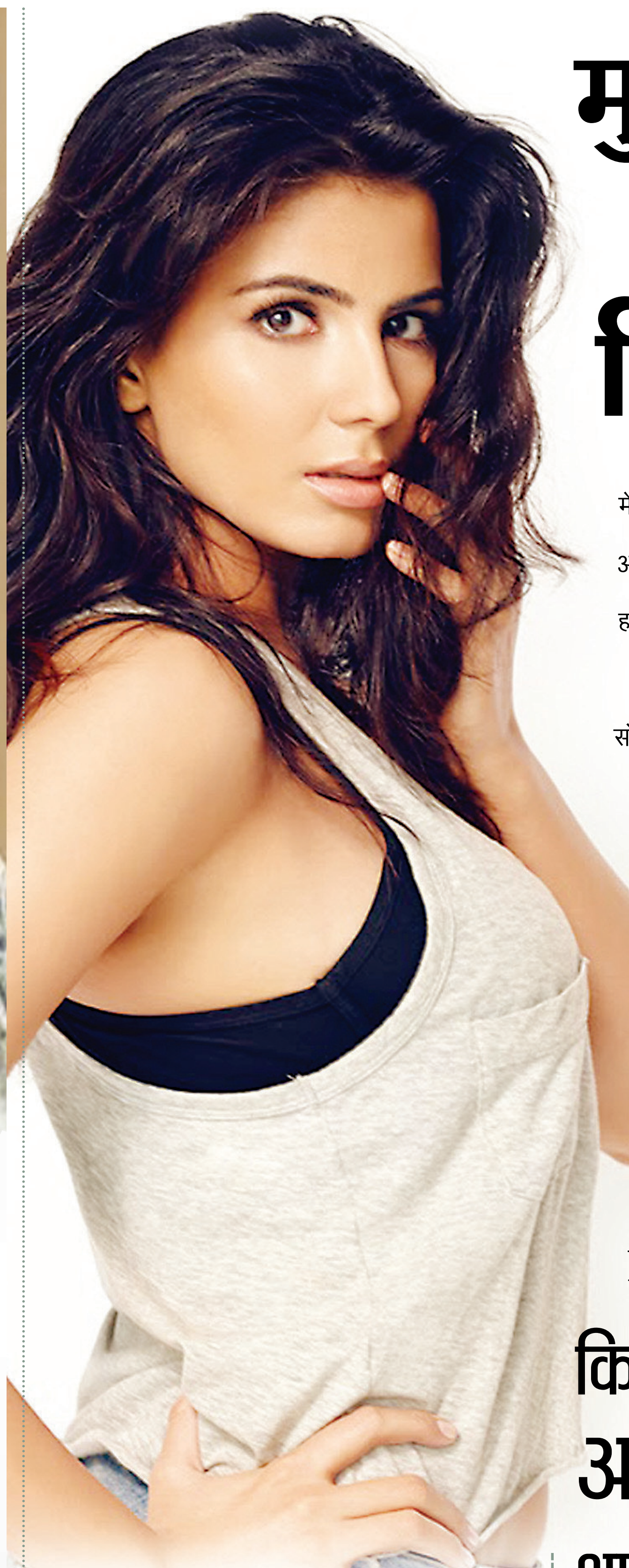

मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा शेखर होम को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कीर्ति ने कहा, मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती। उन्होंने कहा, काम की क्वांटिटी कभी–कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है। शेखर होम में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है। इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं।

शेखर होम का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी- द मूवी से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह शैतान, सुपर से ऊपर, जल जैसी फिल्मों में नजर आईं। कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म पिंक में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके बाद उन्होंने इंदु सरकार में लीड रोल निभाया और ब्लैकमेल में भी नजर आईं। कीर्ति ने जगन शक्ति द्वारा निर्देशित मिशन मंगल में काम किया, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के जीवन पर आधारित थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा, तापसी पन्नू, नित्या मेनन और शरमन जोशी लीड रोल में थे। एक्ट्रेस ने उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, द गर्ल ऑन द ट्रेन, शादीस्थान और खिचड़ी 2- मिशन पंथुकिस्तान में काम किया। वह फोर मोर शॉट्स प्लीज!, बार्ड ऑफ ब्लड, क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स और ह्यूमन जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला की पहली फिल्म हुई ब्लॉकबस्टर

अभिनेता राम चरण ने दी बधाई

तेलुगु फिल्मों में हर फिल्म के साथ एक नई प्रतिभा सामने आती है, जिसे बड़ी हस्तियों द्वारा समर्थन और सराहना भी मिलती हैं। इस कड़ी में अब अभिनेत्री सह फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला और साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता राम चरण का नाम भी जुड़ गया है। निहारिका बतौर फिल्म अभिनेत्री तेलुगु फिल्मों में कोई नया नाम नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बतौर निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म कमिटी कुर्रोलु बनाई है, जिसे काफी पसंद भी किया जा रहा है। इस फिल्म को राम चरण से भी तारीफ मिली है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर टीम की तारीफ की है।

ब्लॉकबस्टर साबित हुई है कमिटी कुर्रोलु

अभिनेत्री–फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला की फिल्म कमिटी कुर्रोलु, पिछले शुक्रवार को एक छोटी फिल्म के रूप में रिलीज हुई थी। हालांकि, अपने नयेपन की वजह से देखते ही देखते ये बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई। अपने चार दिवसीय नाट्य सफर में, कमिटी कुर्रोलु ने दुनिया भर के टिकट काउंटरों पर 8 करोड़ रुपये के आसपास की कमाई की है। फिल्म की सफलता के बाद टीम की काफी तारीफ हो रही है। अब इस फिल्म की सराहना करने वालों की सूची में निहारिका के चचेरे भाई राम चरण का नाम भी शामिल हो गया है। उन्होंने इस सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी है।

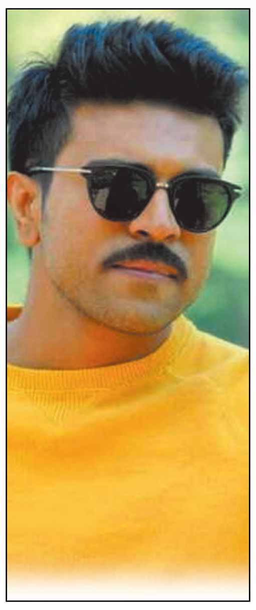

राम चरण ने दी बधाई

राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, कमिटी कुर्रोलु की बड़ी सफलता के लिए बधाई निहारिका थल्ली। यह सफलता पूरी तरह से योग्य है। आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ–साथ आपकी टीम भी वास्तव में प्रेरणादायक है। उनके अविश्वसनीय प्रयास के लिए पूरी कास्ट और क्रू को बधाई। इसके साथ ही अभिनेता ने इस कहानी को पर्दे पर बेहतरीन तरीके से उतारने के लिए निर्देशक यधु वामसी को भी धन्यवाद दिया।

हीरामंडी के बाद चमके ताहा शाह की किस्मत के सितारे, अभिनेता ने साइन की तीन फिल्मों की डील

अभिनेता ताहा शाह बदुशा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में ताजदार का किरदार निभाकर उनकी किस्मत चमक चुकी है। ताजा खबरों की मानें तो ताहा शाह ने रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों का करार किया है। रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ ताहा की तीन फिल्मों में से पहली का निर्देशन रोहन सिप्पी करेंगे। रोहन इससे पहले ब्लफमास्टर, दम मारो दम और नौटंकी साला जैसी फिल्में बना चुके हैं। ताहा के साथ काम करने को लेकर रोहन ने कहा, ताहा स्क्रीन पर एक अनूठी ऊर्जा और उपस्थिति लाते हैं। मैंने उन्हें ताज और हीरामंडी में देखा है।अपने काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता सराहनीय है। वहीं, ताहा भी तीन फिल्मों के इस करार के बाद काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों का करार करना सम्मान की बात है। ताहा ने कहा, रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म में काम करना एक सपने जैसा है। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

किंग में सुहाना के साथ अपनी भूमिका पर शाहरुख ने तोड़ी चुप्पी

शाहरुख खान ने पिछले साल एक नहीं, बल्कि तीन धमाकेदार फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, अब शाहरुख खान अपनी अगली फिल्मों में व्यस्त हैं, जिनमें से एक है किंग। इस फिल्म में वे अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम करेंगे। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन अब शाहरुख ने खुद इस फिल्म में अपनी भूमिका पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मीडिया से बातचीत के दौरान शाहरुख ने आखिरकार अपनी आने वाली एक्शन फिल्म के बारे में बात की, जिसका निर्देशन सुजॉय घोष ने किया है। एक वीडियो में जो अब ऑनलाइन वायरल हो रहा है, अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की। उन्होंने कहा, अगली फिल्म जो मैं कर रहा हूं वह किंग है। मुझे इस पर काम करना शुरू करना है। थोड़ा वजन कम करना है। थोड़ा स्ट्रेच करना है, ताकि एक्शन करते समय मेरी कमर में खिंचाव न आए। किंग के बारे में संकेत देते हुए शाहरुख ने कहा, अब, मैं एक खास तरह की फिल्म करना चाहता हूं, जिसमें शायद उम्र पर ध्यान केंद्रित हो और मैं कुछ नया करना चाहता हूं। छह–सात साल से मैं इसके बारे में सोच रहा हूं। मैंने एक दिन सुजॉय से इस बारे में बात की और उन्होंने कहा, सर, मेरे पास एक विषय है। फिल्में चुनने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए शाहरुख खान ने कहा, मैं इसे सुनता हूं, उनके साथ समय बिताता हूं और फिर हम आगे बढ़ते हैं, फिल्म बनाते हैं और खूब मौज–मस्ती करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि कभी कभी यह इतना भी सरल नहीं रहता। इसके साथ ही उन्होंने किंग में काम करने को लेकर उत्साह साझा किया है और अब उनके प्रशंसक भी इस खबर से खुश हैं। किंग सुहाना की पहली बड़ी फिल्म होगी, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक बार फिर साथ काम करने को तैयार सिद्धार्थ मल्होत्रा-करण जौहर!

सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर दावा किया जा रहा है कि वे अपनी नई फिल्म के लिए फिल्म निर्देशक और निर्माता करण जौहर से बातचीत कर रहे हैं। यह फिल्म एक्शन ड्रामा हो सकती है। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार इस साल फिल्म योद्धा में देखा गया था, जिसमें वे जवान की भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद सिद्धार्थ ने अब तक अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि वे जल्द ही अपनी नई फिल्म के बारे में प्रशंसकों को जानकारी देंगे। सोशल मीडिया पर पहले ही ये खबरें चल रही थीं कि सिद्धार्थ मल्होत्रा अगली बार फिल्म मिट्टी में नजर आएंगे, जिसकी उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। वहीं, इस बीच अब उनकी नई फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है।

करण जौहर लिख रहे हैं स्क्रिप्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म निर्माता करण जौहर की आगामी एक्शन फिल्म में अभिनय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों अगले साल नई फिल्म पर साथ काम कर सकते हैं। अगले साल फिल्म शुरू होने की भी चर्चा है। करण जौहर ने पहले पुष्टि की थी कि उनकी अगली फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी, जिसकी कहानी वे फिलहाल लिख रहे हैं।

सिद्धार्थ को सुनाई गई कहानी

वहीं अब दावा किया जा रहा है कि करण जौहर की इस एक्शन फिल्म के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को चुना गया है। फिल्म में सिद्धार्थ मुख्य भूमिका के लिए करण जौहर के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और करण जौहर के बीच बहुत ही खास रिश्ता है और करण को लगता है कि सिद्धार्थ एक्शन फिल्में करने के लिए ही बने हैं। ऐसे में करण जौहर ने सिद्धार्थ को फिल्म की कहानी सुनाई है और सिद्धार्थ ने भी कहानी को लेकर अपनी रुचि दिखाई और उत्साह भी जताया हैं।

जल्द किया जाएगा फिल्म का एलान

हालांकि, अभी इन खबरों पर ना तो सिद्धार्थ मल्होत्रा और ना ही करण जौहर ने चुप्पी तोड़ी है। इस फिल्म को लेकर आधिकारिक सूचनाएं आने अभी बाकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, करण जौहर इस एक्शन फिल्म का निर्देशन खुद करेंगे। इससे पहले उन्होंने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए सात साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर वापसी की थी। वहीं अब चर्चा है कि यदि सिद्धार्थ और करण जौहर के बीच सब कुछ सही रहा तो वे जल्दी फिल्म का आधिकारिक एलान करेंगे।

केजीएफ 3 के सवाल पर रवीना ने दी प्रतिक्रिया

रवीना टंडन बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा हैं। 90 दशक से लेकर अब तक वह लगातार फैंस के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में रवीना मुंबई की सड़कों पर पैपराजी के कैमरे में कैद हो गई जब उनसे केजीएफ 3 को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं बता सकती हैं। बता दें कि केजीएफ 2 में रवीना ने अपनी दमदार अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए थे।